Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 29 January 2024 ● Year : 02 ● Issue : 12 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

अपनों का साथ बहुत आवश्यक है, सुख है तो बढ़ जाता है और दु:ख हो तो बंट जाता है।

कृति सेनन ने हासिल किया खास मुकाम...

SHARE

सेंसेक्स	:	70,00.67
निफ्टी	:	21,352.60

SARAFA

सोना	:	5,930
चांदी	:	77.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

राहुल गांधी की बंगाल यात्रा पर कांग्रेस के ही नेता ने उठाए सवाल

KOLKATA : पश्चिम बंगाल कांग्रेस नेता ने रविवार को तृणमूल और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ संबंधों को लेकर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व पर सवाल उठाया है। कांग्रेस नेता कौस्तव बागची ने एक्स पर पोस्ट किया, "राहुल गांधी, क्या आप बंगाल के कांग्रेस कार्यकताओं को एआईसीसी का अभिन्न अंग मानते हैं ? यदि हां, तो इसे स्पष्ट रूप से समझें। ममता बनर्जी और तृणमूल व्यक्तिगत रूप से आपको स्वीकार्य हो सकते हैं लेकिन बड़े पैमाने पर बंगाल के कांग्रेस कार्यकताओं को नहीं।"

कच्छ में 4.6 तीव्रता का भूकंप, घबराए लोग घरों से बाहर दौड़े

BHUJ : कच्छ की धरती रविवार की शाम एक बार फिर कांप उठी। रविवार को 4.44 बजे 4.6 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। इसका केन्द्र भचाउ से 21 किलोमीटर दूर उत्तर-पश्चिम दिशा में दर्ज किया गया। समग्र जिले में इसका असर महसूस किया गया। भचाउ, नेर कडोल, बंधडी आदि गांवों में लोग घबराकर घरों से बाहर दौड़ पड़े। इससे पहले 26 जनवरी, 2001 को कच्छ में आए भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी। इसके करीब 23 साल बाद फिर जनवरी महीने में भूकंप की कंपन ने लोगों में सिहरन पैदा कर दी। जिले के भचाउ, नेर कडोल, बंधडी में अधिक असर देखा गया। खावडा क्षत्र की छतों के पाइप और घरों में रखे बर्तन गिर गए। भुज के माधापर में लोग घरों से बाहर आ गए। भचाउ के भठ्ठा क्षेत्र की महिलाएं अपने बालकों के साथ घरों से बाहर दौड़ी। मांडवी में भी व्यापक असर देखा गया।

लूट कांड का खुलासा चार अपराधी गिरफ्तार

RANCHI : कोलकाता से रांची आ रही शिवम बस से हुए 18 लाख लूटकांड का रांची पुलिस ने खुलासा कर लिया है। पुलिस ने मास्टरमाइंड सहित चार अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार अपराधियों में शहजान अंसारी, शमीम अंसारी, जबीउल्लाह मियां उर्फ जबीउल्लाह और इफ्तेखार आलम उर्फ रोबर्ट शामिल है। इन अपराधियों के निशानदेही पर घटना में लुटे गए कुल 11 लाख 61 हजार रुपये नगद और एक देशी कट्टा ,18 जिन्दा गोली, चाकू, एक हथौड़ा और छह मोबाइल फोन को जब्त किया गया है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि 16 जनवरी को कलकता से रांची आ रही शिवम बस में सवार तीन सब्जी व्यापारियों (मैसेंजर) से चलती बस के अन्दर चार अज्ञात अपराधियों ने हथियार और चाकू के बल पर मारपीट एवं जख्मी करते हुए दशमफॉल थाना के नवाडीह के पास कुल 18 लाख रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया गया था।

तमिलनाडु के तेनकासी में कार और ट्रक की टक्कर, छह की मौत

AGENCY TAMILNADU : तमिलनाडु के तेनकासी में रविवार तड़के एक कार और सीमेंट से भरे ट्रक की आमने-सामने से टक्कर हो गई। दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान तेनकासी जिले के पुलियानगुडी निवासी कार्तिक, वेल मनोज, सुब्रमणि, मनोकरन, मुथुसेल्वन और बोथिराज के रूप में हुई है।

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ जेएमएम के कार्यकर्ताओं ने किया राजभवन का घेराव

राज्य में कुछ गलत हुआ तो चलेगी लंबी लड़ाई

PHOTON NEWS RANCHI : ईडी की ओर से झारखंड में चल रही कार्रवाई के खिलाफ जेएमएम के कार्यकर्ताओं ने राजभवन का किया घेराव। इस घेराव कार्यक्रम में रांची, लोहरदगा, लातेहार, गुमला और कोडरमा से आए कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत सभी जिला से आए कार्यकर्ता मोरहाबादी में जुटे और वहां से पैदल मार्च करते हुए कचहरी के रास्ते राजभवन पहुंचे।

सुरक्षा के थे पुख्ता इंतजाम: जेएमएम कार्यकर्ताओं के घेराव कार्यक्रम को देखते मोरहाबादी से राजभवन तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। राजभवन पहुंचने के बाद विभिन्न जिला से आए जिला प्रतिनिधियों ने कहा कि केंद्र सरकार के कहने पर अगर जांच एजेंसी राज्य में गलत करती है तो हमें लंबी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार रहना होगा। बता दें कि जेएमएम की ओर से घेराव का कार्यक्रम विभिन्न जिलों में चल रहा है। साथ ही हर दिन विभिन्न जिलों से आकर जेएमएम के कार्यकर्ता राजभवन घेराव करेंगे। यह घेराव कार्यक्रम 31 जनवरी तक किया जाएगा।

राजभवन के पास जुटे जेएमएम कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

मशाल जुलूस के साथ शुरू हुआ प्रदर्शन

आज के प्रदर्शन कार्यक्रम से पहले शनिवार की शाम जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक मशाल जुलूस निकाला गया। इस संबंध में झामुमो जिला समिति के नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार और भाजपा केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। झारखंड सरकार और उसके मुखिया हेमंत सोरेन को प्रताड़ित किया जा रहा है। इस कारण झामुमो कार्यकताओं में घोर आक्रोश है। इसी को लेकर पार्टी के कार्यकर्ता लगातार आंदोलन कर रहे हैं।

जेएमएम महासचिव कह चुके हैं आक्रोश वाली बात

जेएमएम महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य भी कार्यकताओं की नाराजगी की बात कह चुके हैं। 16 जनवरी को प्रेस कांफ्रेस में उन्होंने यह कहा था कि राज्य में ईडी जिस तरह से काम कर रही है। उससे राज्य में रोष बढ़ रहा है। जनता समझ रही है कि सरकार को बदनाम करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कहा था कि आज गांव-गांव में इस बात का आक्रोश है कि जब सरकार हमारे पास आ रही है, हम सरकार तक अपनी बात पहुंचा रहे हैं, कुछ काम होना है तो ये अडंगा लगा रहे हैं। इसका भारी आक्रोश है। ये चीजें सही नहीं है। उन्होंने कहा कि लोगों में जो आक्रोश है, वह कहीं वीभत्स रूप न ले ले।

ईडी के विरोध में राज्यभर में प्रदर्शन दुमका रहा बंद

जेएमएम की ओर से ईडी के खिलाफ राज्यभर में प्रदर्शन किए जा रहे हैं। झारखंड की उपराजधानी दुमका में भी जेएमएम कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए। उन्होंने दुमका बाजार बंद करा दिया। कार्यकर्ता हाथ में पार्टी का झंडा लेकर मोटरसाइकिल और पैदल शहर के सभी इलाकों में घूम-घूम कर व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को बंद कराने में लगे रहे। कार्यकताओं का कहना था कि केंद्र के इशारे पर ईडी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अपमानित करना बंद करे। उनका कहना है कि अगर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अपमानित और प्रताड़ित किया जाना बंद नहीं किया गया, तो हम लोग चक्का जाम करेंगे।

उग्रवादियों की मिसाइल से जहाज में लगी आग, भारत ने छह घंटे में बुझाई

AGENCY NEW DELHI : हूती उग्रवादियों का शिकार हुए ब्रिटिश जहाज में लगी आग 6 घंटे में बुझाकर भारतीय नौसेना ने एक बार फिर अदन की खाड़ी में अपनी मौजूदगी का एहसास कराया है। नौसेना ने अपने निर्देशित मिसाइल विध्वंसक 'विशाखापत्तनम' के जरिये जहाज पर सवार 23 सदस्यीय चालक दल को बचाया, जिसमें 22 भारतीय थे। ब्रिटिश एमवी मार्लिन लुआंडा जहाज पर हूती उग्रवादियों के मिसाइल हमले से लगी आग इतनी भीषण थी कि जहाज के चालक दल ने जिंदा रहने की उम्मीद छोड़ दी थी।

नौसेना के कमांडर विवेक मधवाल के मुताबिक हूती उग्रवादियों की बढ़ती गतिविधियों पर निगरानी रखने के लिए अदन की खाड़ी में तैनात किये गए निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस विशाखापत्तनम को 26 जनवरी की रात में ब्रिटिश जहाज एमवी मर्लिन लुआंडा पर हमले की जानकारी मिली। इस पर तत्काल भारतीय जहाज ने संकट कॉल का जवाब दिया। इस ब्रिटिश जहाज एमवी मार्लिन लुआंडा पर चालक दल के रूप में 22 भारतीय और 01 बांग्लादेशी सवार थे। हूती उग्रवादियों के मिसाइल हमले से जहाज पर इतनी भीषण आग लग गई थी कि जहाज के चालक दल ने जिंदा रहने तक की उम्मीद छोड़ दी थी।

हालांकि, इस बीच एक अमेरिकी और फ्रांसीसी युद्धपोत ने भी संकट कॉल का जवाब दिया, लेकिन इस बीच भारतीय नौसेना का निर्देशित मिसाइल विध्वंसक 'विशाखापत्तनम' ब्रिटिश जहाज की मदद करने के लिए पहुंच गया। भारतीय नौसेना की अग्निशमन टीम 27 जनवरी को तड़के एमवी मार्लिन लुआंडा पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किये। टीम ने एमवी मार्लिन लुआंडा के चालक दल के साथ छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

दो मानव तस्कर धराए, 14 नाबालिग सहित 19 लड़कियों को कराया मुक्त

PHOTON NEWS RANCHI : 1-5

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के सार्थक प्रयास से लगातार मानव तस्करी के शिकार बालक-बालिकाओं को मुक्त कराकर उनके घरों में पुनर्वासित किया जा रहा है। इसी कड़ी में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से संचालित एकीकृत पुनर्वास सह संसाधन केंद्र, नई दिल्ली एवं साहिबगंज पुलिस ने दो मानव तस्करों को पकड़ा। साथ ही उनके घर से बरामद दस्तावेज के आधार पर 19 लड़कियों को मुक्त कराया।

इनमें 12 से 15 साल के बीच की 14 एवं 18 वर्ष से ज्यादा की पांच लड़कियां पाई गईं। सभी झारखंड के साहिबगंज जिला के बोरियो प्रखंड की निवासी हैं। इन्हें नई दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से अभियान चलाकर मुक्त कराया गया। इस कार्य में झारखंड पुलिस को झारखंड भवन,नई दिल्ली और दो स्थानीय एनजीओ मिशन मुक्ति फाउंडेशन के संचालक वीरेंद्र कुमार एवं रेस्क्यू फाउंडेशन के अक्षय पांडे ने काफी मदद की।

एकीकृत पुनर्वास सह संसाधन केंद्र नई दिल्ली की नोडल ऑफिसर नचिकेता ने बताया कि उन्हें झारखंड के बोरियो पुलिस द्वारा यह सूचना दी गई थी कि एक मानव तस्कर कई लड़कियों को बहला फुसलाकर दिल्ली लाया है। पुलिस द्वारा दी गई सूचना के आधार पर स्थानीय पुलिस थाने से संपर्क स्थापित कर दो मानव तस्करों को पकड़ा गया। तस्करों के घर पर ही एक बच्ची मिली, जिसे वह मानव तस्करी कर दिल्ली लाया था।

मानव तस्करों के मिलते ही साहेबगंज के एसपी कुमार गौरव प्रतिनिधियों ने कहा कि केंद्र सरकार के कहने पर अगर जांच एजेंसी राज्य में गलत करती है तो हमें लंबी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार रहना होगा। बता दें कि जेएमएम की ओर से घेराव का कार्यक्रम विभिन्न जिलों में चल रहा है। साथ ही हर दिन विभिन्न जिलों से आकर जेएमएम के कार्यकर्ता राजभवन घेराव करेंगे। यह घेराव कार्यक्रम 31 जनवरी तक किया जाएगा।

नीतीश कुमार ने 9वीं बार ली बिहार के सीएम पद की शपथ

दो डिप्टी सीएम सहित आठ मंत्री शामिल, राजद बाहर, भाजपा अंदर

AGENCY PATNA : जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार ने आज राजभवन में 9वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनकी एनडीए में वापसी हो गयी है। इससे पहले बिहार में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। इस क्रम में राज्य में चल रही 17 महीने पुरानी महागठबंधन सरकार का अंत हो गया था।

इस्तीफा देने के बाद नीतीश एनडीए विधायक दल की बैठक में शामिल हुए, जहां उन्हें नेता चुना गया। इसके बाद नीतीश कुमार राज्यपाल के पास पहुंचे और सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस्तीफा देने से पहले नीतीश कुमार ने जदयू विधायकों की बैठक में कहा था कि कि अब राजद के साथ रहना मुश्किल है।

सीएम पद की शपथ लेते नीतीश कुमार।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा शपथ ग्रहण में हुए शामिल

इससे पहले राजभवन पहुंच कर नीतीश कुमार यहां जेपी नड्डा से मिले। दोनों में बातचीत हुई। नीतीश कुमार के साथ दो उपमुख्यमंत्री और छह कैबिनेट मंत्रियों ने भी शपथ ली। नीतीश के बाद सम्राट चौधरी (डिप्टी सीएम), विजय कुमार सिन्हा (डिप्टी सीएम), डॉ। प्रेम कुमार, विजय चौधरी, विजेंद्र यादव , श्रवण कुमार और एचएएम के संतोष कुमार सुमन और निर्दलीय विधायक सुमित सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली।

मंदिर में जागरण के दौरान स्टेज गिरने से मची भगदड़, एक की मौत, 17 घायल

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली के कालका मंदिर में बीती रात जागरण के दौरान में स्टेज गिर गया। स्टेज गिरने से एक महिला की मौत हो गयी। वहीं 17 लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे के बाद घटनास्थल में भगदड़ मच गयी। आनन-फानन में सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर पुलिस ने इस मामले में आयोजकों के खिलाफ आईपीसी की धारा 337/304अ/188 के तहत मामला दर्ज किया है और आगे की जांच में जुटी है। बताया जाता है कि कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं दी गयी थी। हालांकि कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पर्याप्त कर्मचारी तैनात किये गये थे।

स्टेज से लोगों को सुरक्षित निकालते लोग।

मंच पर ज्यादा लोगों के चढ़ने की वजह से गिरा : जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के महंत परिसर के कालकाजी मंदिर में 27 जनवरी की देर रात माता का जागरण चल रहा था। इस जागरण में हजारों की संख्या में श्रद्धालु आयोजकों और वीआईपी के परिवारों के बैठने के लिए लकड़ी और लोहे के फ्रेम से बनाये गये मंच पर चढ़ गये। जिसकी वजह से वह गिर गया और उसके नीचे बैठे 17 लोग गंभीर रूप से घायल हो गये।

नई सरकार के गठन पर पीएम मोदी ने नीतीश कुमार को दी बधाई

PATNA : नीतीश कुमार ने एक बार फिर बिहार में एनडीए के साथ मिलकर सरकार बना ली है। शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा को बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर ट्वीट करते हुए कहा कि बिहार में बनी एनडीए सरकार राज्य के विकास और यहां के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री और सम्राट चौधरी एवं विजय सिन्हा को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर मेरी बहुत-बहुत बधाई। मुझे विश्वास है कि यह टीम पूरे समर्पण भाव से राज्य की सेवा करेगी।

भाजपा के अन्याय काल में जी रहे हैं 140 करोड़ भारतीय : कांग्रेस

AGENCY NEW DELHI : कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि 140 करोड़ भारतीय लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा थोपे गये अन्याय काल में जी रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि वह सुनिश्चित करेगी कि देश के लोगों को उसकी ओर से प्रस्तावित न्याय के पांच स्तंभों के आधार पर न्याय मिले। नेशनल खबरों के लिए यहां क्लिक करें।

कोई भी व्यक्ति युद्धरत देश में जाकर मजदूर क्यों बनना चाहेगा : कांग्रेस प्रवक्ता और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा सरकार ने किसी कार्यक्रम की चकाचौंध के पीछे वास्तविकता को छिपाने की कला में महारत हासिल कर ली है और उनके अधीन देश और इसकी अर्थव्यवस्था के साथ यही हो रहा है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के बारे में सच्चाई यह है कि उत्तर प्रदेश और हरियाणा के युवा इजराइल में लड़ने के लिए नौकरी पाने की चाहत में कतार में खड़े हैं, यह दिल को दहला देने वाला है।

खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, कोई भी व्यक्ति युद्धरत देश में जाकर मजदूर क्यों बनना चाहेगा? इसका उत्तर यह है कि उनकी औसत मासिक आय सिर्फ 10,000 रुपये (न्यूनतम मजदूरी से बहुत कम) है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविकता अनुमान से बहुत अलग : इजराइल इससे लगभग 13-14 गुना अधिक वेतन दे रहा है। खेड़ा ने कहा कि यह देखना दुर्भाग्यपूर्ण है कि उत्तर प्रदेश में पुलिस कांस्टेबल की केवल 60,000 रिक्तियों के लिए 51 लाख आवेदक थे। उन्होंने कहा, 140 करोड़ भारतीय भाजपा के कुशासन द्वारा थोपे गये अन्याय काल में जी रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के 75वें वर्ष पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बोले-

भारत के अंतिम छोर तक हो सुप्रीम कोर्ट की पहुंच

AGENCY NEW DELHI : भारत के संविधान निमार्ताओं ने स्वतंत्रता, समानता और न्याय के सिद्धांतों वाले स्वतंत्र भारत का सपना देखा था। देश के सुप्रीम कोर्ट ने इन सिद्धांतों के संरक्षण का निरंतर प्रयास किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रविवार को यह बात कही। श्री मोदी सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के 75वें वर्ष पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस क्रम में कहा कि देश की पूरी न्याय व्यवस्था सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन पर निर्भर होती है। यह हमारा कर्तव्य है कि इस कोर्ट की पहुंच भारत के अंतिम छोर तक हो और इससे हर भारतीय की आवश्यकता पूरा हो सके।

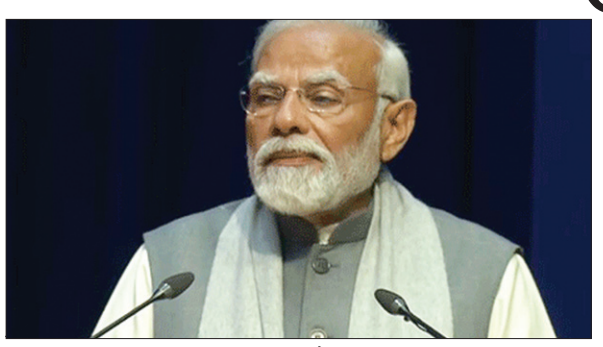

मोदी ने हाल ही में संसद से पारित कानूनों का जिक्र किया

इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी, व्यक्तिगत स्वतंत्रता या सामाजिक-न्याय सोशल-जस्टिस, हर बात पर सुप्रीम कोर्ट ने भारत के वाइब्रेंट लोकतंत्र को हमेशा से सशक्त किया है। इस क्रम में पीएम मोदी ने हाल ही में संसद से पारित कानूनों का जिक्र करते हुए कहा कि आज की आर्थिक नीतियां, कल के उज्ज्वल भारत का आधार बनेंगी। कहा कि भारत में आज बनाये जा रहे कानून, कल के उज्ज्वल भारत को और मजबूत करने वाले हैं। उन्होने सशक्त न्याय व्यवस्था को विकसित भारत का प्रमुख आधार बताया। सुप्रीम कोर्ट के डायमंड जुबली कार्यक्रम में भारत के उखक डीवाई चंद्रचूड़, विभिन्न हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सहित अन्य जस्टिस शामिल हुए।

सुरक्षा कवच के रूप में काम करे न्यायपालिका

कार्यक्रम में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की स्थापना इस आदर्शवाद के साथ की गयी थी कि कानूनों की व्याख्या संवैधानिक न्यायालय द्वारा कानून के शासन के अनुसार की जायेगी, औपनिवेशिक मूल्यों या सामाजिक पदानुक्रमों के अनुसार नहीं। कहा कि यह इस विश्वास की पुष्टि करता है कि न्यायपालिका को अन्याय, अत्याचार और मनमानी के खिलाफ सुरक्षा कवच के रूप में काम करना चाहिए।

लोग बड़ी संख्या में अदालतों तक आते हैं : सीजेआई

सीजेआई का कहना था कि लोग बड़ी संख्या में अदालतों तक आते हैं, यह इस बात का परिचायक है कि हम (न्यायपालिका) अपनी भूमिका निभाने में कितने सफल रहे हैं। श्री चंद्रचूड़ ने कहा, अब हमारे पास एक बटन के क्लिक पर मामले दर्ज करने की सुविधा है। जान लें कि सुप्रीम कोर्ट के ई-फाइलिंग प्लेटफॉर्म का अडवांस्ड वर्जन मई 2023 में लॉन्च किया गया था। इससे 247 मामलों को दाखिल करना सरल, तेज और सुविधाजनक हो गया है।

राहुल ने भाजपा पर देश में नफरत और हिंसा फैलाने का लगाया आरोप

AGENCY KOLKATA : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर देशभर में नफरत और हिंसा फैलाने तथा गरीबों और युवाओं के हितों को नजरअंदाज करके बड़े कॉरपोरेट घरानों के लिए काम करने का आरोप लगाया। गांधी उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी में भारत जोड़ो न्याय यात्रा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने सशस्त्र बलों के लिए एक अल्पकालिक भर्ती योजना अग्निवीर को शुरू करके उन युवाओं का मखौल उड़ाया है जो सशस्त्र बलों में शामिल होना चाहते थे। उन्होंने कहा,देशभर में नफरत और हिंसा फैलायी जा रही है। इससे कोई फायदा नहीं होगा। नफरत फैलाने के बजाय, हमें प्यार का प्रसार करने और अपने युवाओं को न्याय दिलाने की दिशा में काम करना होगा। केंद्र सरकार केवल बड़े कॉरपोरेट घरानों के लिए काम कर रही है, गरीबों और युवाओं के लिए नहीं।

राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में अपने स्वागत के लिए आभार जताते हुए कहा, बंगाल एक विशेष स्थान रखता है। इसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वैचारिक लड़ाई का नेतृत्व किया था। यह बंगाल और बंगालियों का कर्तव्य है कि वे नफरत के खिलाफ लड़ने का एक रास्ता दिखाएं और वर्तमान परिस्थितियों में देश को एकसाथ बांधकर रखें।

विष्णु के ऋषि अवतार

नर और नारायण

भगवान विष्णु ने धर्म की पत्नी रुचि के माध्यम से नर और नारायण नाम के दो ऋषियों के रूप में अवतार लिया। वे जन्म से तपोमूर्ति थे, अतः जन्म लेते ही बदरीवन में तपस्या करने के लिये चले गये। उनकी तपस्या से ही संसार में सुख और शांति का विस्तार होता है। बहुत से ऋषि मुनियों ने उनसे उपदेश ग्रहण करके अपने जीवन को धन्य बनाया। आज भी भगवान नर नारायण निरन्तर तपस्या में रत रहते हैं। इन्होंने ही द्वापर में श्रीकृष्ण और अर्जुन के रूप में अवतार लेकर पृथ्वी का भार हरण किया था।

एक बार इनकी उग्र तपस्या को देखकर देवराज इंद्र ने सोचा कि ये तप के द्वारा मेरे इंद्रासन को लेना चाहते हैं, अतः उन्होंने इनकी तपस्या को भंग करने के लिए कामदेव, वसंत तथा अप्सराओं को भेजा। उन्होंने जाकर भगवान नर नारायण को अपनी नाना प्रकार की कलाओं के द्वारा तपस्या से च्युत करने का प्रयास किया, किंतु उनके ऊपर कामदेव तथा उसके सहयोगियों का कोई प्रभाव न पड़ा। कामदेव, वसंत तथा अप्सराएं शाप के भय से थर थर कांपने लगे। उनकी यह दशा देखकर भगवान नर नारायण ने कहा- ,तुम लोग तनिक भी मत डरो। हम प्रेम और प्रसन्नता से तुम लोगों का स्वागत करते हैं।

भगवान नर नारायण की अभय देने वाली वाणी को सुनकर काम अपने सहयोगियों के साथ अत्यन्त लज्जित हुआ। उसने उनकी स्तुति करते हुए कहा- प्रभो! आप निर्विकार परम तत्व हैं। बड़े बड़े आत्मज्ञानी पुरुष आपके चरण कमलों की सेवा के प्रभाव से कामविजयी हो जाते हैं। देवताओं का तो स्वभाव ही है कि जब कोई तपस्या करके ऊपर उठना चाहता है, तब वे उसके तप में विघ्न उपस्थित करते हैं। काम पर विजय प्राप्त करके भी जिन्हें क्रोध आ जाता है, उनकी तपस्या नष्ट हो जाती है। परंतु आप तो देवाधिदेव नारायण हैं। आपके सामने भला ये काम क्रोधादि विकार कैसे फटक सकते हैं? हमारे ऊपर आप अपनी कृपादृष्टि सदैव बनाये रखें। हमारी आपसे यही प्रार्थना है।

कामदेव की स्तुति सुनकर भगवान नर नारायण परम प्रसन्न हुए और उन्होंने अपनी योगमाया के द्वारा एक अद्भुत लीला दिखायी। सभी लोगों ने देखा कि साक्षात लक्ष्मी के समान सुंदर सुंदर नारियां नर नारायण की सेवा कर रही हैं। नर नारायण ने कहा- तुम इन स्त्रियों में से किसी एक को मांगकर स्वर्ग में ले जा सकते हो, वह स्वर्ग के लिए भूषण स्वरूप होगी। उनकी आज्ञा मानकर कामदेव ने अप्सराओं में सर्वश्रेष्ठ अप्सरा उर्वशी को लेकर स्वर्ग के लिए प्रस्थान किया। उसने देवसभा में जाकर भगवान नर नारायण की अतुलित महिमा से सबको परिचित कराया, जिसे सुनकर देवराज इंद्र चकित और भयभीत हो गये। उन्हें भगवान नर नारायण के प्रति अपनी दुर्भावना और दुष्कृति पर विशेष पश्चाताप हुआ।

भगवान नर नारायण के लिये यह कोई बड़ी बात नहीं थी। इससे उनके तप के प्रभाव की अतुलित महिमा का परिचय मिलता है। उन्होंने अपने चरित्र के द्वारा काम पर विजय प्राप्त करके क्रोध के अधीन होने वाले और क्रोध पर विजय प्राप्त करके अभिमान से फूल जाने वाले तपस्वी महात्माओं के कल्याण के लिए अनुपम आदर्श स्थापित किया।

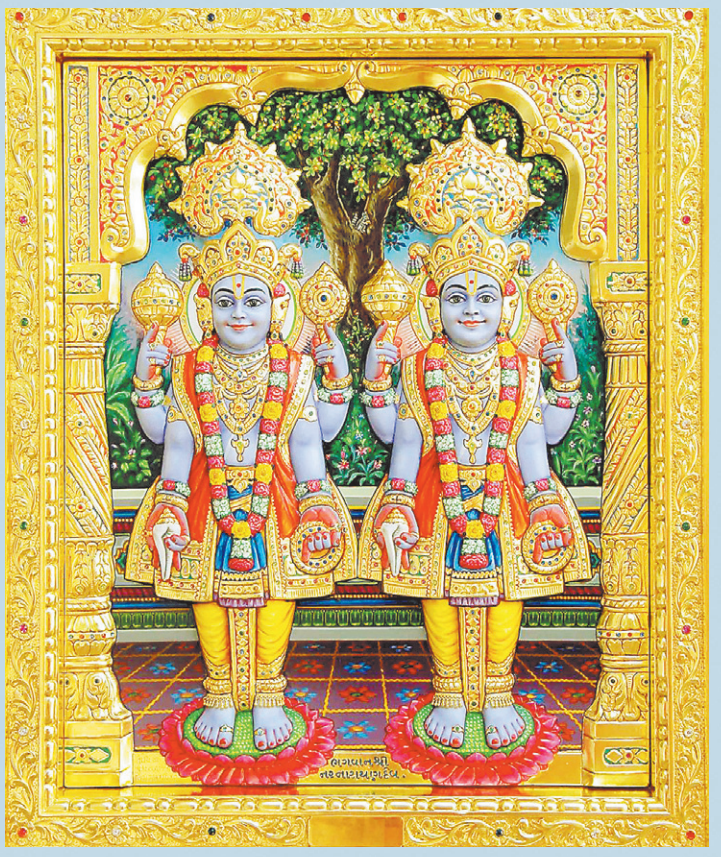

महामृत्युंजय मंत्र की महिमा

ओम त्रयम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारुकमिव बन्धनात् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

महामृत्यंजय मंत्र काफी असरकारी माना जाता है। इसका यदि शुद्ध उच्चारण किया जाए तो मृत्यु को दूर किया जा सकता है। यह बात इस कथा से स्पष्ट होती है। दर्शाण देश (वर्तमान मध्य प्रदेश के उत्तर पूर्व का एक भाग) के राजा वज्रबाहु की सुमति नाम की एक रानी थी। एक बार जब वह गर्भवती थी, तब उसकी सपत्नियों उसे विष दे दिया। भगवत कृपा से उसका गर्भस्थ भ्रूण विनष्ट नहीं हो पाया किंतु वह व्रणयुक्त हो गया। जिससे जो बालक उत्पन्न हुआ, उसका शरीर व्रण से भरा था। दोनों मां-बेटे के शरीर घावों से भर गये।

राजा ने अनेकों प्रकार के उपचार किये, परंतु कुछ भी लाभ न होते देख निराश हो सुमति से द्वेष रखने वाली अन्यान्य स्त्रियों की सलाह से, रानी सुमति को उसके बच्चे के साथ वन में छुड़वा दिया। वह वहां छोटी सी कुटिया बनाकर रहने लगी। वन में सुमति को दुरूसह कष्ट होने लगे, शरीर की पीड़ा से उसे बार-बार मूर्च्छा आने लगी, उसके बालक को तो पहले ही काल ने कवलित कर लिया।

उसे जब चेतना आयी तो वह बहुत ही कातरभाव से भगवान शंकर से प्रार्थना करने लगी- हे प्रभो! आप सर्वव्यापक हैं, सर्वज्ञ हैं, दीन-बन्धु-दुःखहारी हैं, मैं आपकी शरण हं, अब मुझे एकमात्र आपका ही अवलम्बन है। उसकी इस कातरवाणी को सुनते ही करुणामय आशुतोष का आसन डोल उठा। शीघ्र ही शिवयोगी वहां प्रकट हुए और उन्होंने सुमति को मृत्युंजय मंत्र का जप करने को कहा और अभिमंत्रित भस्म को उसकी तथा उसके बच्चे की देह में लगा दिया। भस्म के स्पर्श मात्र से ही उसकी सारी व्यथा दूर हो गयी और बालक भी प्रसन्नमुख हो जी उठा। सुमति ने शिवयोगी की शरण ली। शिवयोगी ने बालक का नाम भद्रायु रखा।

सुमति और भद्रायु दोनों मृत्युंजय मंत्र का जाप करने लगे और इधर राजा वज्रबाहु को अपनी निर्दोष पत्नी और अबोध बालक को व्यर्थ कष्ट पहुंचाने का दुष्परिणाम भी भुगतना पड़ा। उसके राज्य को शत्रुओं ने अपहृत कर राजा को बंदीगृह में डाल दिया।

एक दिन भद्रायु के मंत्र जप से प्रसन्न हो शिवयोगी पुनः प्रकट हुए। उन्होंने एक खड्ग और एक शंख दिया तथा बारह हजार हाथियों का बल देकर वे अर्न्तध्यान हो गये। भद्रायु ने अपने पिता के शत्रुओं पर आक्रमण कर उन्हें मार डाला और पैतृक राज्य को अधिकृत कर पिता को बंदीगृह से मुक्त किया। उसका यश चारों और फैल गया। चित्रांगद और सीमन्तिनी ने अपनी कन्या कीर्तिमालिनी का विवाह भद्रायु के साथ कर दिया।

भद्रायु ने शिवपूजा करते हुए सहस्त्रों वर्षों तक सुखपूर्वक प्रजा को सुख-शांति पहुंचाते हुए अविचल राज्य किया और अंत में शिवसायुज्य को प्राप्त हुआ। यह मृत्युंजय मंत्र के जप का लोकोत्तर माहात्मय है।

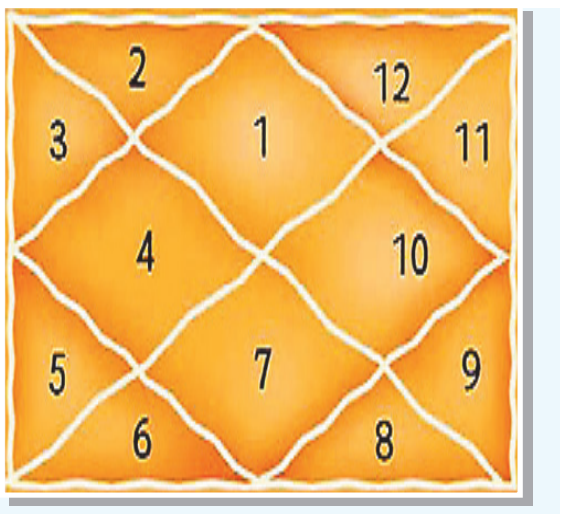

भारतीय ज्योतिष पर क्या कहते हैं विदेशी विद्वान

भारतीय ज्योतिष को प्राचीन और मौलिक केवल भारतीय विद्वान ही सिद्ध नहीं करते, अपितु अनेक भारतीय विद्वानों ने भी इसकी प्राचीनता स्वीकार की है। यहां कुछ विद्वानों के मत प्रस्तुत है-

1. अलबरूनी ने लिखा है कि ज्योतिष शास्त्र में हिन्दू लोग संसार की सभी जातियों से बढ़कर हैं। मैंने अनेक भाषाओं के अंकों के नाम सीखे हैं, पर किसी जाति में भी हजार से आगे की संख्या के लिए मुझे कोई नाम नहीं मिला। हिन्दुओं में 18 अंकों तक की संख्या के लिए नाम हैं जिनमें अंतिम संख्या का नाम परार्ध बताया गया है।
2. प्रो. मैक्समूलर ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि भारतवासी आकाशमंडल और नक्षत्रमंडल आदि के बारे में अन्य देशों के ऋणी नहीं हैं। इन वस्तुओं के मूल आविष्कर्ता वे ही हैं।
3. फ्रांसीसी पर्यटक फ्राक्वीस वर्नियर भी भारतीय ज्योतिष-ज्ञान की प्रशंसा करते हुए लिखते हैं कि भारतीय अपनी गणना द्वारा चंद्रग्रहण और सूर्यग्रहण की बिलकुल ठीक भविष्यवाणी करते हैं। इनका ज्योतिष ज्ञान प्राचीन और मौलिक है।
4. फ्रांसीसी यात्री टरवीनियर ने भी भारतीय ज्योतिष की प्राचीनता और विशालता से प्रभावित होकर कहा है कि भारतीय ज्योतिष ज्ञान प्राचीनकाल से ही अतीव निपुण हैं।
5. इन्साइक्लोपीडिया ऑफ ब्रिटैनिका में लिखा है कि इसमें कोई संदेह नहीं कि हमारे (अंग्रेजी) वर्तमान अंक-क्रम की उत्पत्ति भारत से है। संभवतः खगोल-संबंधी उन सारणियों के साथ जिनको एक भारतीय राजदूत ईस्वीं सन् 773 में बगदाद में लाया, इन अंकों का प्रवेश अरब में हुआ। फिर ईस्वीं सन् की 9वीं शती के प्रारंभिक काल में प्रसिद्ध अबुजफर मोहम्मद अल् खारिज्मी ने अरबी में उक्त क्रम का विवेचन किया और उसी समय से अरबों में उसका प्रचार बढ़ने लगा। यूरोप में शून्य सहित यह संपूर्ण अंक-क्रम ईस्वी सन् की 12वीं शती में अरबों से लिया गया और इस क्रम से बना हुआ अंकगणित अल गोरिट्मस नाम से प्रसिद्ध हुआ।

वास्तु

किराए के मकान में रहने वालों पर भी मंडराता है वास्तु दोष का प्रकोप

कभी-कभी किसी घर के पुराने दोषों के कारण वहां रहने वाले लोगों के जीवन में समस्याएं बढ़ जाती हैं। किराए के घर में रहने वाले मकान मालिक की मर्जी के बिना घर में कोई बदलाव भी नहीं करवा सकते हैं। ऐसे में किराएदार को वास्तु दोष के कारण स्वास्थ्य संबंधी या धन संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यहां कुछ ऐसे सामान्य उपाय बताए जा रहे हैं, जिन्हें मकान मालिक से पूछे बिना भी घर में कर सकते हैं...

- घर का उत्तर-पूर्व का भाग ज्यादातर खाली ही रखना चाहिए। यहां सामान रखना वास्तु दोष उत्पन्न करता है। ऐसे में घर के लोगों के जीवन में धन संबंधी परेशानियां बनी रहती हैं।
- घर के भारी सामान या अनावश्यक वस्तुओं को घर के दक्षिण-पश्चिम भाग में रखना चाहिए। किसी अन्य स्थान पर भारी सामान रखना वास्तु के अनुसार अशुभ माना जाता है। ऐसा करने पर आपकी पैसों से जुड़ी समस्याएं कम हो सकती हैं।
- घर में बाथरूम या किचन के लिए पानी की सप्लाई उत्तर-पूर्व दिशा से लेना चाहिए।
- इस बात का भी ध्यान रखें कि बाथरूम में या किचन में या किसी अन्य स्थान पर नल से हमेशा पानी टपकना अशुभ होता है। यदि नल से हमेशा पानी टपकता रहता है तो उसे ठीक करवाएं। जैसे-जैसे नल से टपकता है ठीक वैसे ही आपके पैसों का अपव्यय होता है।
- शयनकक्ष में पलंग का सिरहाना दक्षिण दिशा में रखना चाहिए। ध्यान रखें सोते समय आपका सिर दक्षिण दिशा में व पैर उत्तर दिशा में हो तो बेहतर रहता है। यदि ऐसा न हो तो पश्चिम दिशा में सिरहाना या सिर कर सकते हैं। यदि आप इस प्रकार सोएंगे तो कई प्रकार की बीमारियों से बचाव हो जाएगा।
- खाना खाते समय ध्यान रखें कि आपका मुख दक्षिण-पूर्व दिशा में होगा तो बेहतर रहेगा। ऐसा करने पर भोजन से पूर्ण शक्ति प्राप्त होती है और वास्तु दोषों का नाश होता है।

BRIEF NEWS

झामुमो के आक्रोश प्रदर्शनों पर भाजपा ने की तीखी टिप्पणी

RANCHI : केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ झामुमो के आक्रोश प्रदर्शनों पर भाजपा ने तीखी टिप्पणी की है। प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि हाल के दिनों में झामुमो के कार्यकर्ता ईडी के द्वारा मुख्यमंत्री को समन दिए जाने के खिलाफ हरवे, हथियार के साथ आक्रोश प्रदर्शन कर रहे हैं। यह तो वही बात हुई कि ह्यएक तो गलती करना, ऊपर से रूवाब झाड़ना। ऐसे भी केंद्रीय एजेंसी के खिलाफ इस तरह का प्रदर्शन पूरे तरीके से गैरकानूनी है और पुलिस को अविलंब कड़ी धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करना चाहिए। प्रतुल ने कहा कि राज्य की संवैधानिक मशीनरी ध्वस्त हो गई है। अब सरकार के इशारे पर सत्ताधारी दल के कार्यकर्ता जांच में अवरोध पैदा कर रहे हैं। प्रतुल ने कहा कि इस सरकार के कार्यकाल में 70,000 करोड़ का घपला, घोटाला हुआ है।

सजायाफ्ता को वित्तीय लाभ पहुंचाने के चक्कर में फंस गए अवर सचिव

RANCHI : सजायाफ्ता को वित्तीय लाभ पहुंचाने के चक्कर में शिक्षा विभाग के सेवानिवृत अवर सचिव राजेंद्र प्रसाद पर गाज गिर गई है। अब उनके खिलाफ राज्य सरकार ने डिपार्टमेंटल प्रोसिडिंग चलाने का निर्णय लिया है। राजेंद्र प्रसाद पर स्कूली विभाग के पद पर रहते हुए फाइलों को संबंधित पदाधिकारियों को छोड़ दूसरे अफसरों के समक्ष रखने का आरोप है। इसके साथ ही सजायाफ्ता व्यक्ति को अनुचित तरीके से वित्तीय लाभ पहुंचाने का भी आरोप है। इस मामले में जांच पदाधिकारी रिटायर आइएएस रमाकांत सिंह को बनाया गया है। राजेंद्र प्रसाद पिछले साल 30 अप्रैल 2023 को सेवानिवृत हो गए थे।

नगड़ी में अपराधियों ने युवक को मारी गोली, जांच में जुटी पुलिस

RANCHI : जिले के नगड़ी थाना क्षेत्र के कुदलोंग बस्ती में अपराधियों ने युवक को गोली मारकर घायल कर दिया है। मणिराज केसरी के कान के पास गोली लगी हैं। घायल अवस्था में मणिराज को पारस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, अपराधियों ने आपसी विवाद में मणिराज केसरी नामक व्यक्ति को गोली मारी है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर अपराधियों की धर पकड़ में जुटी हुई है।

दुबई एक्सपो मोटर शोरूम का उद्घाटन, फाइनेंस की सुविधा उपलब्ध

RANCHI : रांची रातु क्षेत्र के पिर्रा रविवार को सेकंड हैंड कर का दुबई एक्सपो मोटर नमक शोरूम का भव्य उद्घाटन किया गया पूर्व उपमहापौर और कांग्रेस नेता अजय नाथ शाहदेव, अलकमर एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष कमरुल हक व प्रखंड अंजुमन कमेटी के सदर अत्ताउल्लाह अंसारी ने फीता काटकर शोरूम का उद्घाटन किया। पिर्रा डीएवी स्कूल स्थित शोरूम में दर्जनों सेकंड हैंड कर मौजूद है जिसमें स्कॉर्पियो, बोलोरो, डिजायर, स्विफ्ट के अलावा अन्य कार शामिल है। उद्घाटन के कुछ घंटे के बाद ही लातेहार निवासी रवि वर्मा ने स्कॉर्पियो एस 10 की खरीदारी की। इसके उपरांत चतरा के लवालॉन्ग निवासी सुनील कुमार तुरी ने भी एक बोलेरो खरीदा। शोरूम के प्रोपराइटर असमूल अंसारी, मुबारक अंसारी और मुदस्सर खान ने बताया कि हमारे शोरूम में अच्छी कंडीशन में दर्जनों सेकंड हैंड गाड़ी मौजूद है।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

नामकुम में आयोजित यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री गर्वनमेंट समिट 2024 में शामिल हुए राज्यपाल, बोले-

विश्वविद्यालय, उद्योग व सरकार के साझा प्रयास से देश का विकास संभव

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के साझा प्रयास से देश का विकास संभव है। वर्तमान समय की जरूरत एवं तदनुसार उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न विषयों को विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल करना होगा। साथ ही सरकार को भी इसके अनुरूप माइक्रो लेवल पर नीति-निर्धारण करना पड़ेगा। इस प्रकार के साझा प्रयास एवं नीति-निर्धारण से ही हम विकसित देशों की श्रेणी में पहुंच सकते हैं और विकसित भारत-2047 के सपनों को साकार कर सकते हैं।

दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते राज्यपाल। ● फोटोन न्यूज

राज्यपाल रविवार को रांची के नामकुम में झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं एमिटी विश्वविद्यालय में संयुक्त रूप से आयोजित 'यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री गर्वनमेंट (यूआईजी) समिट 2024' को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि विकास के लिए यह आवश्यक है कि सैद्धांतिक शिक्षा को प्रायोगिक रूप से धरातल पर उतारा जाय। नवाचार (इनोवेशन) और रचनात्मकता का वातावरण हमारे शिक्षण संस्थानों एवं औद्योगिक संस्थानों में हो। इसको बढ़ावा देने के लिए सरकार की नीतियां भी कारगर हो।

ऐसे वातावरण के विकसित होने से और प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा और विद्यार्थियों में निहित प्रतिभाएं सामने आयेगी। इन प्रतिभाओं के सामने आने से विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। पुरानी तकनीक को पुनर्भाषित करते हुए नित्य-नई तकनीक को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि इसमें असफलता भी आयेगी लेकिन इससे घबराना नहीं है।

समावेशी विकास के लिए युवाओं को करेगा प्रेरित

राज्यपाल ने कहा कि भारत के विकास में नई शिक्षा नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज का यह समिट समावेशी विकास के लिए युवाओं को प्रेरित करेगा। वे आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ पारम्परिक ज्ञान एवं तकनीक को बढ़ावा देकर संगठित उद्योग के रूप में विकसित करेंगे। विकसित भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी जब झारखंड विकसित होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भारत को विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रधानमंत्री के इस प्रतिबद्धता में सभी को अपना योगदान देने का आह्वान किया।

झारखंड राज्य में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिक किए जायेंगे चिह्नित

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिक चिह्नित किये जायेंगे। इसको लेकर डीजीपी अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में सोमवार (29 जनवरी) को सभी जिलों के एसएसपी व एसपी के साथ समीक्षा बैठक होगी। इस दौरान डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल का जिला द्वारा उपयोग, फॉरेनर रजिस्ट्रेशन पोर्टल का जिला द्वारा उपयोग, अवैध प्रवासी और विदेशियों का अवैध रूप से समय से अधिक समय तक रहना जैसे मुद्दे पर चर्चा की जायेंगी।

झारखंड में अवैध प्रवासियों की संख्या 10-15 लाख के करीब : झारखंड पुलिस मुख्यालय ने एनआरसी की जरुरतों व बांग्लादेशियों के बढ़ते प्रभाव को लेकर एक रिपोर्ट गृह विभाग को भेजी थी। रिपोर्ट में जिक्र था कि बांग्लादेशी नागरिक बिहार और बंगाल के रास्ते झारखंड

नीतीश के राजद से अलग होने का अंदाजा पहले से ही था : बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे पर रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बिहार की राजनीति में इस तरह के घटनाक्रम का अनुमान पहले से ही था। मुझे आश्चर्य है कि नीतीश कुमार जैसे अनुभवी और ईमानदार नेता उनके (महागठबंधन) के साथ इतने लंबे समय तक कैसे टिके रहे।

मरांडी ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए कहा कि व्यक्ति का स्वभाव और

बाबूलाल मरांडी।

हस्ताक्षर कभी नहीं बदलता और इसका एहसास नीतीश कुमार को इतने लंबे समय बाद हुआ। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद दोनों एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। एक भ्रष्टाचार का पर्याय है और नीतीश जी देश के उन चुनिंदा नेताओं में से एक हैं जो अपनी ईमानदारी के लिए पहचाने जाते हैं। वह न तो भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और न ही वंशवाद की राजनीति को बढ़ावा देने में विश्वास रखते हैं। इसके विपरीत, लालू प्रसाद भ्रष्टाचार और वंशवाद की राजनीति में गले तक डूबे हुए हैं।

नीतीश के बयान, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह भाजपा के साथ फिर से जुड़ने के बजाय मरना

भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तैयारियों का पर्यवेक्षक प्रतिभा रघुवंशी ने लिया जायजा

PHOTON NEWS RANCHI : अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की ओर से भारत जोड़ो न्याय यात्रा के पर्यवेक्षक प्रतिभा रघुवंशी ने कहा कि न्याय के हक के लिए राहुला गांधी भारत जोडो न्याय यात्रा मणिपुर से मुम्बई तक 6700 किमी की यात्रा पर निकले हैं, जो झारखंड में भी प्रवेश करेगी। केंद्र सरकार पूरे देशवासियों के साथ वादा खिलाफी की है। अन्याय किया है। रघुवंशी रविवार को रांची के कांग्रेस भवन में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने की बात की थी। महंगाई कम करने की बात की थी, नारियों की आत्मसम्मान देने की बात करते थे लेकिन भाजपा की सभी वायदें जुमलाबाजी साबित हो रही है।

रघुवंशी ने कहा कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से न्याय के पांच स्तंभों का उल्लेख किया और अपनी यात्रा के पीछे के विचार स्पष्ट किया। उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा पांच न्याय पर आधारित है।

राजद प्रवक्ता ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर साधा निशान

PHOTON NEWS RANCHI : राजद के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशान साधा है। उन्होंने कहा कि गिरगिट भी पलटू राम नीतीश के रंग बदलने से शरमा जाय। कुमार रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि जदयू का चाल चरित्र उजागर हो गया। उन्होंने भाजपा भी पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा जैसे अवसरवादी पार्टी इस दुनिया में कहीं नहीं है। सत्ता के लालच में भाजपा कुछ भी करने से बाज नहीं आएगी। कल तक जंगल राज की राग अलापने वाले आज नीतीश के पलटी मारने से नीतीश भी पाक और पवित्र हो गए। भाजपा की कोई नैतिकता नहीं बची, भाजपा अंग्रेजों वाली नीति अपनाई है फूट डालों और राज करो।

अल वतानिया इंटरनेशनल स्कूल का उद्घाटन प्री नर्सरी से स्टेंडर्ड टू तक की कक्षाएं शुरू

PHOTON NEWS RANCHI : अल वतानिया इंटरनेशनल स्कूल में आधुनिक तकनीकि से युक्त स्कूल का शुभारंभ किया गया। जिसका उदघाटन मौलाना आजाद कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर परवेज अख्तर और झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता खुर्शीद हसन रूमी ने किया।

मौके पर बतौर मुख्य अतिथि डॉक्टर प्रवेज अख्तर ने कहा कि अल वतानिया इंटर नेशनल स्कूल आने वाले समय में रांची कांके का सबसे उत्कृष्ट स्कूल बनेगा। यहां नई शिक्षा पद्धति के साथ सभी प्रकार के उपकरण उपलब्ध है। साथ ही मास्टर क्लास भी शुरू की गई है। स्कूल के निदेशक शुजाउद्दीन परवेज ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए स्कूल के विजन पर प्रकाश

डाला। वहीं बतौर विशिष्ट अतिथि खुर्शीद हसन रूमी ने कहा कि शिक्षा का मतलब वेक्तित्व का निर्माण करना है। स्कूल के फाउंडर जीशान हाशमी, अब्दुल कादिर ने संयुक्त रूप से कहा कि यह स्कूल बच्चों को बेसिक शिक्षा के साथ ही बॉल रूम, टाल हाउस, जिम, एवीरूम, डायनिंग आदि एक्टिविटी के साथ स्मार्ट क्लास रूम, ऑडियो विजुअल क्लास रूम, इंडोर गेम एंड क्लास, सिसिटिवी कैमरा, बस फसेलिटी आदि की सुविधा है।

मछुआरों को सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना के दायरे में लाएगी सरकार

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार ने मछुआरों को सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना का लाभ देने की योजना तय की है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत इस बीमा का कवरेज प्रदान किया जाना है। इस योजना का लाभ दिए जाने को मत्स्य निदेशालय, झारखंड ने सूचना भी जारी की है। इसके मुताबिक इस योजना में 18-70 वर्ष आयु वर्ग के सभी मछुआरों को कवर किया जाना है।

ऐसे मछुआरे जो किसी भी निबंधित मत्स्यजीवी सहयोग समिति या मत्स्यजीवी स्वावलम्बी समिति के सदस्य हों, उन्हें लाभ दिया जाना है। जिला स्तर, प्रमंडल या राज्य

स्तर पर मत्स्य विभाग से संबद्ध मत्स्य कृषक, मत्स्य विक्रेता, मत्स्य बीज उत्पादक, मत्स्य श्रमिक, मछली पकड़ने वाले, केज मत्स्य मित्र, मत्स्य मित्र या मत्स्य पालन से संबद्ध गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों को भी इसका लाभ दिया जाएगा।

मत्स्य निदेशालय के मुताबिक बीमित मछुआरों की मृत्यु पर बीमा कंपनी की ओर से पांच लाख रुपये का भुगतान परिजन को किया जाएगा। स्थायी पूर्ण अपंगता की स्थिति में भी इसका लाभ मिलेगा। स्थायी आंशिक अपंगता पर बीमित को 2.50 लाख रुपये का भुगतान का प्रावधान है। इसके अलावा अस्पताल में एडमिट होने के केस में 25 हजार रुपये तक खर्च का लाभ भी मिलेगा। इस बीमा योजना के लिए किसी तरह का प्रीमियम नहीं लिया जाएगा।

योजना का लाभ लेने को अपना नाम, पता, आधार नंबर, जन्म तिथि, मोबाइल नंबर, पैन नंबर, बैंक खाता सहित अन्य विवरण निर्धारित फॉर्मेट में भरना होगा. इसके बाद इसे अपने जिले के जिला मत्स्य कार्यालय में जल्द जमा करना होगा।

गरीब छात्र-छात्राओं को हायर एजुकेशन में मदद करने के लिए झारखंड सरकार ने शुरू की योजनाएं

झारखंड के युवाओं का बदलेगा भविष्य छह योजनाएं शुरू

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार ने गरीब छात्र-छात्राओं को हायर एजुकेशन में मदद करने के लिए 6 नई योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं का लाभ स्टूडेंट्स को वित्तीय वर्ष 2024-25 से मिलना शुरू हो जाएगा। झारखंड में मेधावी छात्रों की कमी नहीं है, लेकिन गरीबी के कारण ये बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने ये योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं के तहत छात्र-छात्राओं को 2500 रुपए से लेकर 15 लाख रुपए तक की मदद की जाएगी। इनमें गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, सीएम शिक्षा प्रोत्साहन योजना, एकलव्य प्रशिक्षण योजना, मानकी मुंडा छात्रवृति योजना समेत कई योजनाएं शामिल हैं। ये सभी योजनाएं आवेदन, रजिस्ट्रेशन के स्टेज पर हैं। अगले वित्तीय वर्ष में छात्र-छात्राओं को इन सभी

योजनाओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

इंजीनियरिंग, मेडिकल के इंट्रेंस एग्जाम के लिए मुफ्त कोचिंग और 2500 भत्ता : इंजीनियरिंग, मेडिकल, क्लैट, मास कम्युनिकेशन समेत कई तरह की शिक्षा के लिए स्टूडेंट्स को संस्थानों में इंट्रेंस एग्जाम देना पड़ता है। सरकार मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत इंट्रेंस एग्जाम की तैयारी करने वाले स्टूडेंट्स को सूचीबद्ध 45 कोचिंग संस्थानों में मुफ्त कोचिंग दिलाएगी। साथ ही 2500 रुपए मासिक भत्ता भी दिया जाएगा।

उच्च शिक्षा के लिए 4% ब्याज पर 15 लाख तक का ऋण

पैसे की कमी के कारण झारखंड के हजारों छात्र टॉप 100 एनआईआरआफ और 200 नैक-ए कैटेगरी के शिक्षण संस्थानों में पढ़ने से वंचित रह जाते हैं। ऐसे स्टूडेंट्स को सरकार गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत झारखंड सरकार 4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर 15 लाख रुपए तक का ऋण देगी। इस योजना का लाभ 2000 से अधिक स्टूडेंट्स को मिलेगा। सरकार करीब 500 करोड़ रुपए शिक्षा ऋण वितरित करेगी।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग व 2500 मासिक भत्ता

झारखंड के हजारों छात्र यूपीएससी, जेपीएससी, बैंक पीओ समेत कई प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। इन छात्रों को आर्थिक मदद करने लिए सरकार ने एकलव्य प्रशिक्षण योजना शुरू की है। इसके तहत गरीब छात्रों को सरकार से सूचीबद्ध 25 कोचिंग संस्थानों में मुफ्त कोचिंग उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही उन्हें जीवन यापन के लिए 2500 रुपए मासिक भत्ता भी दिया जाएगा। 27000 स्टूडेंट्स को इसका लाभ मिलेगा।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग व 2500 मासिक भत्ता

झारखंड के हजारों छात्र यूपीएससी, जेपीएससी, बैंक पीओ समेत कई प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। इन छात्रों को आर्थिक मदद करने लिए सरकार ने एकलव्य प्रशिक्षण योजना शुरू की है। इसके तहत गरीब छात्रों को सरकार से सूचीबद्ध 25 कोचिंग संस्थानों में मुफ्त कोचिंग उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही उन्हें जीवन यापन के लिए 2500 रुपए मासिक भत्ता भी दिया जाएगा। 27000 स्टूडेंट्स को इसका लाभ मिलेगा।

खबरें राउरकेला की

एफआईएच हॉकी प्रो लीग 12 से 18 फरवरी तक होगा आयोजित

ROURKELA : राउरकेला में एफआईएच हॉकी प्रो लीग (महिला) 12 फरवरी से 18 फरवरी तक शुरू होगी। एफआईएच हॉकी प्रो लीग (पुरुष) मैच 19 फरवरी से 25 फरवरी के बीच राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगा। इसके लिए टिकटों की कीमतें निर्धारित कर दी गई है। वेस्ट स्टैंड के टिकटों की कीमत 500 रुपये है, जबकि ईस्ट स्टैंड के टिकटों की कीमत 200 रुपये और नॉर्थ और साउथ स्टैंड के टिकटों की कीमत 100 रुपये है।

ट्रक की टक्कर से तीन बाइक सवारों की मौत, बणई और चांदीपोष के निकट हुई दुर्घटनाएं

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिले के बणई और चांदीपोष थाना क्षेत्र में शनिवार को ट्रक की टक्कर से तीन लोगों की मौत हो गई है। चांदीपोष थाना अंतर्गत बरघाट के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 143 पर ट्रक की चपेट में आने से एक बाइक सवार की मौत हो गयी। इसी तरह बणई थाना अंतर्गत अपर बहल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 143 पर ट्रक की टक्कर से दो बाइक सवारों की मौत हो गयी। मृतकों में एक महिला और एक पुरुष हैं। दोनों बणई स्पंज आयरन फैक्ट्री से जा रहे थे तभी ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद घटनास्थल पर तनाव हो गया है। खराब सड़कों की वजह से अक्सर हादसों की खबरें आती रहती है। स्थानीय लोगों ने सड़क मरम्मत और मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया है। पुलिस दोनों घटनाओं की जांच कर रही है।

वेदव्यास चौक में स्वतंत्रता सेनानी निरलम मुंडा की प्रतिमा होगी स्थापित

ROURKELA : वेदव्यास चौक में स्वतंत्रता सेनानी निर्मल मुंडा की प्रतिमा स्थापित की जायेगी। इसी वजह से गणतंत्र दिवस के मौके पर डॉ. सुरेश चंद्र दलेई और राउरकेला के अतिरिक्त जिलापाल व महानगर निगम के आयुक्त डॉ. सुभांकर महापात्र के करकमलों में भूमि पूजन किया गया। डॉ दलेई ने कहा कि यह एक यादगार कार्य है और समिति द्वारा काफी सराहनीय कार्य किया जा रहा है। डॉ. महापात्रा ने अपने भाषण में कहा कि काम जल्द ही शुरू किया जाएगा और जगह का सौंदर्यीकरण किया जाएगा और शहर में प्रवेश करने वाले आगंतुकों के मन में एक अनुकूल माहौल बनाया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन अम्को-सिमको शहीद स्मारक समिति के अध्यक्ष और पानपोस उपजिलापाल विजय कुमार नायक की देखरेख में किया गया था। समिति के उपाध्यक्ष प्रो विजय कुमार टोप्पो ने कहा कि अमको-सिमको में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते हुए 49 निर्दोष आदिवासी शहीद हो गये थे और उनकी याद में जलियांवाला बाग में एक स्मारक स्तंभ का निर्माण किया गया है। लेकिन उनके नेता निर्मल मुंडा के प्रतिमूर्ति नहीं हो सके।

मुआवजे की मांग को लेकर सड़क पर शव रखकर बीजू एक्सप्रेसवे को किया जाम, यातायत प्रभावित

SUNDARGARH : सड़क दुर्घटना में मृत परिवार के लिए मुआवजे की मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने रविवार को सड़क जाम कर दिया। ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर बीजू एक्सप्रेस वे को जाम किया। सुंदरगढ़ टाउन थाना पंडरीढीपा में बीजू एक्सप्रेसवे को अवरुद्ध करने के कारण राउरकेला और झारसुगुड़ा की ओर यातायात बाधित हो गया है। कल अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये थे जिनका इलाज राउरकेला जेपी अस्पताल में किया जा रहा था। आज एक घायल की मौत के बाद तनाव की स्थिति बन गई। स्थानीय ग्रामीणों ने सड़क पर टायर जलाकर और शव रखकर हाईवे को जाम कर दिया। टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाया।

राउरकेला में खुला एयर कंडीशंड मिशन कैफे

ROURKELA : मिशन शक्ति राज्य सरकार के 'मिशन शक्ति कैफे' के माध्यम से महिलाओं के विकास का मार्ग को सशक्त कर रही है। इसी कड़ी में श्रम एवं कर्मचारी बीमा राज्य मंत्री सारदा प्रसाद नयाक ने राउरकेला महानगर निगम की ओर से स्थानीय उदित नगर में 'मिशन शक्ति कैफे' का उद्घाटन किया है। यह वातानुकूलित 'कैफे' राउरकेला के लोगों को एक रेस्तरां का अनुभव देगा और किफायती मूल्य पर स्वस्थ भोजन प्रदान करेगा। इसका प्रबंधन स्थानीय एसएचजी माताओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खोलेगा।

सौर ऊर्जा चलित कोल्ड स्टोरेज का उद्घाटन

ROURKELA : राउरकेला महानगर निगम की ओर से सेक्टर 19 में इस्पात बाजार के पास सौर ऊर्जा चालित कोल्ड स्टोरेज भंडार का उद्घाटन रघुनाथपल्ली विधायक सुब्रत तराई ने किया। एसएचजी महिलाओं द्वारा संचालित इस कोल्ड स्टोरेज में छोटे किसान और व्यापारी दीर्घकालिक आजीविका के लिए अपनी सब्जियों और फलों का भंडारण कर सकते हैं। इस अवसर पर राउरकेला अतिरिक्त जिलापाल व महानगर निगम आयुक्त व स्मार्ट सिटी सीईओ डॉक्टर सुभांकर महापात्र, आरएसपी के प्रभारी निदेशक अतनु भौमिक प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

दीपग्रेस एक्का ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से लिया सन्यास

SUNDARGARH : भारतीय महिला हॉकी टीम की डिफेंडर दीपग्रेस एक्का ने कल अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया। उन्होंने 268 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले और 24 गोल किये। दीपग्रेस ने कहा, खेल से संन्यास लेने के बाद वह अपने परिवार के साथ समय बिताएंगे और जब भी मौका मिलेगा जूनियर खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने कहा, 2011 से 2023 तक का सफर उनकी जिंदगी का सबसे दिलचस्प पल था। दीपग्रेस ने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना सबसे सम्माननीय बात है। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के लुलकिढीही गांव में रहने वाली दीपग्रेस ने 2013 में जर्मनी में आयोजित महिला जूनियर हॉकी विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। और भारत ने इस विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। दीपग्रेस 2022 बर्मिंहम स्टेट गेम्स में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य थीं। इसके अलावा दीपग्रेस एक्का 2014 और 2018 एशियाई खेलों में पदक जीतने वाली भारतीय महिला टीम की सदस्य थीं। इसी तरह, दीपग्रेस के प्रतिनिधित्व में भारत ने 2016 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और 2017 में एशियाई कप का खिताब जीता। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने 2016 में भारत को रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कराने में प्रमुख भूमिका निभाई।

बाबू नुआगांव सेवाश्रम स्कूल के 30 छात्र बीमार, फूड प्वाइजनिंग की आशंका

ROURKELA : सुंदरगढ़ जिले के बणई सेवाश्रम स्कूल के 30 छात्रा अचानक बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।इनमें से अधिकांश छात्रा ठीक होकर लौट आए हैं, जबकि 10 अन्य का अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बणई ब्लॉक के बाबू नुआगांव स्थित बैद पाली स्कूल में बीती रात करीब 30 से 40 छात्रा अचानक अस्वस्थ हो गए। खाना खाने के बाद छात्रों को सिर दर्द और सीने में जलन होने लगी। उन्हें तुरंत बणई उपखंड अस्पताल लाया गया। इलाज के बाद ज्यादातर छात्रों को आज अस्पताल से हॉस्टल भेज दिया गया है। अन्य 10 छात्रों का इलाज चल रहा है। डॉक्टरों को संदेह है कि यह फूड पॉइजनिंग के कारण हुआ है।

पान दुकानदार की गोली मारकर हत्या

दुकान बंद कर जा रहा था घर, अपराधियों को सिगरेट देने से किया मना तो मारी गोली

एजेंसी

पटना। दानापुर शाहपुर थाना क्षेत्र के शिवाला मोड़ पर शनिवार की देर रात अपराधियों ने एक व्यक्ति को गोली मार कर हत्या कर दी। मृतक की पहचान पान विक्रेता 30 वर्षीय सतेन्द्र यादव उर्फ धानी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार अस्पताल ले जाने के दौरान सगुना मोड़ के समीप पान दुकानदार ने दम तोड़ दिया। इधर, पान दुकानदार की हत्या की खबर मिलते ही स्थानीय लोग आक्रोशित हो गये।

लोगों ने शिवाला मोड़ को जाम कर आगजनी की। वहीं हत्या की खबर मिलते ही मौके शाहपुर सहित कई थानों की पुलिस पहुंची। अतिरिक्त बल को भी घटनास्थल पर बुलाना पड़ा। लोगों के गुस्से को देखते हुए शुरू में पुलिस पीछे हट गई। नेऊरा थाने की एक गश्ती गाड़ी में आक्रोशित लोगों ने तोड़फोड़ भी की। शिवाला मोड़ पर ही सत्येंद्र की पान दुकान है। दुकान के पास ही उसका घर भी है। मृतक सतेंद्र के भाई राजू प्रसाद ने बताया कि दुकान बंद कर घर जाने ही वाला था। उसी दौरान तीन की संख्या में अपराधी दुकान आता है और सिगरेट मांगता है। लेकिन दुकान बंद हों जाने के कारण वह माना कर देता है। जिसके बाद अपराधी एक के बाद एक चार गोली सतेंद्र को मार दी। और दो गोली हवाई फायरिंग करते हुए फरार हो गए। मृतक की पत्नी देवी और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पत्नी रीमा देवी ने बताया कि गांव के और शिवाला मोड़ के कुछ लोग रंगदारी मांग रहे थे। दुकान पर आकर मुफ्त में सिगरेट मांगते थे। कुछ दिन पहले धमकी देते हुए मेरे पति पर पिस्टल तान दिया था। उन्हीं लोगो ने मेरे पति की हत्या कर दी है। रविवार की सुबह शाहपुर पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है। अपराधी जिस तरीके से घटना को अंजाम दिया गया उससे यह साफ है कि अपराधी पहले से ही रेकी कर रहे थे। मौका मिलते ही उन्होंने सत्येंद्र पर गोलियों की बौछार कर दी। पुलिस का शक सुपारी किलरों की ओर घूम रहा है। इस संबंध में शाहपुर थानाध्यक्ष उत्तम कुमार ने बताया कि अज्ञात अपराधियों ने एक पान दुकानदार सतेन्द्र यादव की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस इस वारदात की छानबीन कर रही है। मौके से चार खोखा बरामद की गई है। वहीं जांच टीम मास्टरमाइंड का पता लगाने में जुटी हुई है।

संक्षिप्त डायरी

मॉल से लाखों की चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए बदमाश

मुजफ्फरपुर । बदमाशों ने मॉल से कैश समेत लाखों रुपए का सामान की चोरी की है। बदमाश मॉल में लगे सीसीटीवी में कैद हो गए है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। मामला जिले के ब्रह्मपुरा थाना इलाके का है। दरअसल, शनिवार की देर रात जिले के ब्रह्मपुरा थाना स्थित मेगा शॉप मॉल में दो बदमाश पहुंचे। दोनों ने अपना चेहरा ढक रखा था। दोनों ने पहले मॉल के शटर का ताला काटा। उसके बाद मॉल में घुस गए। बदमाश रात एक बजे मॉल में घुसे। करीब 2: 30 घंटे तक मॉल में रहे। इस दौरान मॉल के ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर पर कैश काउंटर को तोड़कर पैसा चोरी की। इसके बाद मॉल से कई कीमती सामान भी चोरी कर ली। हालांकि, मॉल से कुल कितने की चोरी हुई है। इसका आकलन किया जा रहा है। मॉल के मैनेजर चंद्रवीर सिंह ने बताया कि सुबह 9:30 बजे मॉल का स्टाफ मॉल खोलने आया त देखा की शटर का दोनों ताला टूटा हुआ है। इसके बाद मुझे इसकी जानकारी दी गई। मैं आनन फानन में मॉल पहुंचा। जायजा लेने पर पता चला कि मॉल के ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर के कैश काउंटर को तोड़ा गया है। उसमें रखे पैसा की भी चोरी की गई है। इसके साथ ही मॉल परिसर में रखे सामान भी इधर उधर बिखरा हुआ है। हमलोग स्टॉक टैग टीम को सूचना दे दिए है। टीम के आने के बाद ही अमाउंट क्लियर हो पाएगा। हमलोग ने पुलिस को सूचना दिया था। पुलिस आई थी। जांच पड़ताल करके पुलिस चली गई है। पूरे मामले पर एएसपी टाउन अवधेश दीक्षित ने बताया कि एक मॉल में चोरी की घटना हुई है। अभी अमाउंट क्लियर नही हुआ है। पीड़ित को आवेदन देने के लिए बोला गया है। बदमाश सीसीटीवी में कैद हुए है। उसके आधार पर बदमाशो को चिन्हित किया जा रहा है।

सदर अस्पताल के 30 डॉक्टर पर देशद्रोह का आरोप

मधेपुरा। सदर अस्पताल में कार्यरत 30 डॉक्टरों पर देशद्रोह का आरोप लगा है। आरोप सिविल सर्जन डॉक्टर मिथिलेश कुमार ठाकुर ने लगाया है। उन्होंने सदर अस्पताल उपाधीक्षक को पत्र जारी किया है। जिसमें अस्पताल उपाधीक्षक से पूछा गया है कि 26 जनवरी को ध्वजारोहण कार्यक्रम में मात्र 2 चिकित्सक डॉ. सचिन कुमार और डॉक्टर यश शर्मा मौजूद थे। इनके अलावा बाकी चिकित्सक उपस्थित नहीं हुए, ऐसा क्यू हुआ ? सिविल सर्जन ने कहा है कि चिकित्सकों की अनुपस्थिति दशार्ती है कि राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया है। यह कृत्य देशद्रोह की श्रेणी में आता है। पहले से निर्धारित राष्ट्रीय ध्वाजरोहण कार्यक्रम में उपस्थित नहीं होना, तिरंगे को सलामी नहीं देना यह गंभीर चिंता का विषय है। सिविल सर्जन ने 2 दिन के अंदर सदर अस्पताल उपाधीक्षक को जवाब देने को कहा है। गौरतलब हो कि सदर अस्पताल मधेपुरा में लगभग 30 चिकित्सक कार्यरत हैं। जिनमें से मात्र दो चिकित्सक 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित झंडोत्तोलन में शामिल हुए। बाकी डॉक्टर अनुपस्थित पाए गए। अब देखना दिलचस्प होगा कि सदर अस्पताल उपाधीक्षक इस मामले में सिविल सर्जन को क्या जवाब देते हैं।

'चार अवैध भट्ठियां ध्वस्त, 10 क्विंटल जावा विनष्ट': चाल्हो पहाड़ पर पुलिस ने चलाया छापेमारी अभियान

औरंगाबाद। SP स्वप्ना जी मेश्राम के निर्देश पर रविवार को जिले के सलैया थाने की पुलिस ने पिरवां गांव के समीप चाल्हो पहाड़ी पर शराब के विरुद्ध विशेष छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने पहाड़ी पर चलाए जा रहे चार अवैध शराब की भट्ठियों को ध्वस्त किया। शराब कारोबारियों को किसी तरह पुलिस के आने की भनक लग गई और वे फरार हो गए। पुलिस ने उक्त पहाड़ी पर अलग-अलग स्थान पर संचालित किया जा रहे चार शराब भट्ठियों को ध्वस्त करते हुए 10 क्विंटल जावा महुआ विनष्ट किया है। वहीं 150 लीटर चुलाई महुआ शराब व शराब बनाने का उपकरण बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष वेंकटेश्वर ओझा ने बताया कि शराब व शराब बनाने के उपकरण को जब्त करते हुए थाना लाया गया है तथा पुलिस शराब कारोबारियों के विरुद्ध कार्रवाई में जुटी है। गौरतलब है कि पुलिस की सख़्ती के बावजूद भी शराब कारोबारी चाल्हो पहाड़ पर अवैध तरीके से शराब भट्टी संचालित करते हैं। यहां शराब चुलाई करने के बाद उसे बिक्री के लिए आसपास गांव के स्थानीय कारोबारियों को बिक्री के लिए दिया जाता है। पहले भी पुलिस कई बार शराब कारोबारियों के खिलाफ छापेमारी अभियान चला चुकी है। अवैध शराब भट्ठियों को ध्वस्त किया गया है, हर बार कारोबारी बच निकलते हैं।

बिहार में 31 जनवरी तक ठंड से नहीं मिलेगी राहत

एजेंसी

पटना। बिहार में पछुआ और उत्तरी पछुआ हवा चलने से लगातार ठंड में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। वहीं, मौसम विभाग ने 31 जनवरी तक प्रदेश के उत्तरी भागों में कहीं कोल्ड डे तो कहीं सीवियर कोल्ड डे को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। पटना समेत राज्य के दक्षिण भाग में मौसम साफ रहने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं, पिछले 24 घंटे के दौरान 4.6 डिग्री सेल्सियस के साथ बांका जिला सबसे ठंडा रहा। पटना का न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री दर्ज किया गया जो शुक्रवार से 3.4 डिग्री अधिक था। वहीं अधिकतम तापमान में करीब 3 डिग्री का इजाफा हुआ और 21.5 डिग्री दर्ज किया गया। विभाग की माने तो आज 28 जनवरी को एक बार फिर से पश्चिम विक्षोभ दस्तक दे सकता है। इसके चलते पटना समेत बिहार के अधिकतर जिलों में सुबह के समय कोहरा जाने की संभावना है। लेकिन दिन होते धूप भी निकल जाएगी। स्पेशली 24 घंटे के दौरान बांका जिला सबसे ठंडा रहा, जहां का न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसके बाद फारबिसगंज का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री, गया और और जीरादेई का न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री, जबकि किशनगंज का 5.5 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आज पूर्वी पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज सिवान, सारण, वैशाली, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, सुपौल मधेपुरा पूर्णिया अररिया कटिहार और किशनगंज में शीत दिवस को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं इसके अलावा पटना नवादा गया रोहतास बक्सर शेखपुरा समेत अन्य जिलों में घने स्तर के कोहरे को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। पटना में ठंड को लेकर कल 177 सार्वजनिक जगह पर अलाव के इंतजाम किए गए थे।

अवैध मिट्टी खनन में दो डंपर पकड़ाया

कैमूर। जिले के दुर्गावती प्रखंड क्षेत्र के खजुरा पंचायत के कुलहड़िया में जल जीवन हरियाली योजना के तहत दो सरकारी तालाबों का जीर्णोद्धार करना था। जिसको लेकर मिट्टी की खुदाई चल रही थी, लेकिन वहां पर संवेदक द्वारा मिट्टी खुदाई कर डंपर पर लोड कर उसे बेचा जा रहा था। ग्रामीणों द्वारा यह जानकारी मोहनिया एसडीएम को फोन कर दिया। जिसके बाद दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर दो डंपर को जब्त कर आगे की कार्रवाई करने की बात कही। बात दे कुलहड़िया के सरकारी तालाब पर जेसीबी से सरकारी तालाब का खुदाई किया जा रहा था लेकिन निकाले जा रहे मिट्टी को डंपर पर लोड कर बेचने के लिए कहीं ले जाया जा रहा था। इसी दौरान ग्रामीणों की सूचना पर एसडीएम मोहनिया राकेश कुमार सिंहप मौके पर पहुंचे। जहां उपस्थित पुलिस बल के द्वारा दोनों डंपर को जप्त करते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी को सौंप दिया और इन लोगों पर अग्रेतर कार्रवाई करने की बातें कही। दरअसल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जल जीवन हरियाली ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत सरकारी तालाबों का जीर्णोद्धार चल रहा है। लेकिन संवेदक कुछ अधिकारियों को अपने फेवर में लेकर उन तालाबों की मिट्टी को बेचकर अवैध उगाही में लगे हुए हैं। जिन पर मोहनिया एसडीएम राकेश कुमार सिंह ने नकेल कसने की कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी देते हुए मोहनिया एसडीएम राकेश कुमार सिंह ने बताया कि जल जीवन हरियाली अभियान के तहत दुर्गावती प्रखंड के खजुरा पंचायत के कुलहड़ीया में दो सरकारी तालाबों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है लेकिन सूचना मिली थी की तालाब की मिट्टी का बिक्री किया जा रहा है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत निकली बाइक रैली

सीवान। शहर में आज राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत बाइक रैली निकाली गई है। बाइक रैली सीवान के गांधी मैदान से निकाली गई है। गांधी मैदान में सड़क सुरक्षा को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम सीवान के डीडीसी भूपेंद्र प्रसाद यादव के नेतृत्व में हुई। कार्यक्रम में सीवान के परिवहन पदाधिकारी विवेकानंद कुमार, सीवान के एसडीओ सुनील कुमार और एसडीपीओ फिरोज आलम सहित कई और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा को लेकर सभी को जानकारी दी गई। सड़क पर चलने को लेकर नियम और सुरक्षा को लेकर जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। मौके पर मौजूद सभी लोगों ने सड़क पर सड़क नियम का पालन करने की शपथ ली। फिर बाइक रैली निकली गई। जिसे डीडीसी, एसडीएम, एसडीपीओ और डीटीओ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सड़क पर नियम का पालन करने को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। बाइक रैली गांधी मैदान से महादेवा रोड, महादेवा रोड से जेपी चौक, तरवारा मोड़, तरवारा मोड़ से पुनः जेपी चौक पर खत्म हुई। डीडीसी भूपेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि प्रत्येक वर्ष सड़क सुरक्षा को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। लोगों को सड़क पर नियम का पालन करने को लेकर जागरूक किया जा रहा है। दो पहिया वाहन चालक को हेलमेट लगाने और चारपहिया वाहन चालक को सीट बेल्ट लगाने को लेकर जागरूक किया जा रहा है। जिला परिवहन पदाधिकारी कुमार विवेकानंद ने कहा कि सड़क पर दो पहिया और चारपहिया वाहन से चलने वालों को जागरूक किया जा रहा है। बिना हेलमेट लगाए चलने वाले और बिना सीट बेल्ट चलने वाले पर कार्रवाई की जा रही है। सीवान शहर में आए दिन जाम जैसी समस्या बनी रहती है। इस सवाल पर डीटीओ ने बताया कि शहर का मार्ग काफी संकीर्ण है। साथ ही कई छोटे वाहन चालक सड़क पर बिना नियम का पालन किए चलते है। उनपर कार्रवाई होगी।

बिहार बनाम केरल रणजी मैच का तीसरा दिन

पटना । मोइनुल हक स्टेडियम में आज बिहार बनाम केरल रणजी मैच के तीसरे दिन का मैच शुरू हो चुका है। बिहार के बल्लेबाजों का शानदार प्रदर्शन रहा। बिहार फिलहाल केरल से 77 रन से आगे है। 86 ओवर में बिहार ने 304 रन बनाए हैं। हालांकि, बिहार का अबतक 7 विकेट गिर चुका है। आज बिपुल कृष्णा (14) और प्रताप (5) आउट हुए। कल शतक बना चुके सकीबुल गनी अभी भी क्रीज पर बने हुए हैं। उन्होंने 13 चौके और 2 छक्कों की मदद से 130 रन बनाए हैं। उनका साथ देने के लिए वीर कुंवर सिंह भी क्रीज पर हैं। दूसरे दिन बिहार केरल को ऑल आउट करके बल्लेबाजी करने के लिए उतरी। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक बिहार का कुल स्कोर 73 ओवर में 270 रन 5 विकेट के नुकसान पर रहा। बिहार के सकीबुल गनी ने शतक जड़ा है। सकीबुल 13 चौके और 2 छक्कों की मदद से 120 रन बनाकर नाबाद हैं। वहीं, पियूष कुमार (51), बाबुल कुमार (16) ऋषभ (2) और बिपिन सौरभ (60) रन बनाकर आउट हो गए थे। वहीं सरमन निग्रोध बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए थे। केरल की ओर से अखीन ने 2, जलज सक्सेना ने 1 और श्रेयस गोपाल ने 2 विकेट लिए हैं। बिहार ने केरल को 74.3 ओवर में ऑल आउट कर दिया था। केरल ने पहली पारी में 227 रन बनाए थे। आखिरी विकेट केरल की ओर से शतक बनाने वाले श्रेयस गोपाल का लिया। श्रेयस ने 21 चौके और 1 छक्के की मदद से 137 रन बनाए। बिहार की ओर से गेंदबाजी करते हुए हिमांशु सिंह ने सर्वाधिक 4 विकेट, वीर प्रताप सिंह ने 3 विकेट और विपुल कृष्णा ने 2 और आशुतोष अमन ने 1 विकेट चटकाए। बिहार की टीम अपने होमग्राउंड में पहले दो मैचों में फ्लॉप होने के बाद तीसरे मैच में वापसी करते हुए जबरदस्त खेल दिखाए। मुंबई के खिलाफ पहले मैच में बिहार एक पारी और 51 रन से हारी। वहीं, दूसरे मैच में बिहार ने छत्तीसगढ़ को ड्रॉ पर रोका।

ई-रिक्शा और टेंपो के बीच टक्कर

कैमूर। जिले के भभुआ मोहनिया पथ पर बारे गांव के पास ई-रिक्शा और टेंपो की जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें टेंपो और ई-रिक्शा पर सवार आधे दर्जन लोग घायल हो गए। आसपास के लोगों द्वारा सभी घायलों को उपचार के लिए सदर अस्पताल भभुआ लाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा सभी घायलों का प्राथमिक उपचार करते हुए तीन लोगों की हालत गंभीर बताई। जिसमें तीनों लोग की स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। घायलों में भभुआ थाना क्षेत्र के गोड़हन गांव निवासी अनिल रजक की 35 वर्षीय पत्नी बिंदु देवी, मोहनिया थाना क्षेत्र के सोंधी गांव निवासी बालेश्वर राम तथा भभुआ वार्ड नंबर 9 छावनी मोहल्ला निवासी फजलुर रहमान का 35 वर्षीय पुत्र जसीमुद्दीन बताया जाता है। यह सभी लोग सीएनजी टेंपो पर सवार होकर भभुआ से मोहनिया भभुआ पथ पर ई रिक्शा से टक्कर हो गई। ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि भभुआ थाना क्षेत्र के बारे गांव के पास सीएनजी ऑटो और ई रिक्शा के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई।

घर में लगी आग, बाइक समेत अन्य कीमती सामान राख

बेतिया । रविवार की सुबह 11 बजे एक फूसनुमा घर में आग लग गई। अगलगी के दौरान मौके पर स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ लग गई। किसी तरह से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तबतक देरी हो चुकी थी। सब कुछ जलकर राख हो गया था। हालांकि अभी तक आग लगने के कारण का पता नहीं चला है। घटना मझौलिया प्रखंड के नौतन खुर्द पंचायत के वार्ड नंबर-2 की है। अग्नि पीड़ित बिरलाल पासवान ने कहा कि रविवार सुबह सभी लोग खाना खाकर अपने-अपने काम पर चले गए थे। बच्चे और महिलाएं घर में ही थे। इसी बीच करीब 11:00 बजे अचानक घर में आग लग गई। देखते ही देखते घर में रखा अनाज, बर्तन, कपड़ा, बाइक और 50 हजार नगद जलकर राख हो गया है। इधर, अंचलकर्मी ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच-पड़ताल की। अंचल अधिकारी सूर्यकांत ने कहा कि मामले की जानकारी मिली है। कर्मियों को जांच के लिए भेजा गया है। अग्निपीड़ितों की मदद की जाएगी। सरकार की ओर से मिलने वाला मुआवजा उन्हें दिलाया जाएगा।

पहले भ्रष्टाचार, अब परिवारवाद का दाग लगाकर अलग हुए नीतीश

एजेंसी

पटना। गठबंधन से अलग होने की नीतीश कुमार की अपनी अलग स्टाइल है। वह सीएम रहते चौथी बार अपनी एनडीए और लालू परिवार से गठबंधन तोड़ चुके हैं। कभी लालू तो कभी मोदी का साथ छोड़ा। गठबंधन तोड़कर भी वह सत्ता में रहे हैं। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर 2017 में लालू परिवार का साथ छोड़ा, अब परिवारवाद का दाग लगाकर वह अलग हो गए हैं। महागठबंधन में टूट की चर्चा तो काफी दिनों से हो रही थी, लेकिन कपूर्री ठाकुर के बहाने नीतीश कुमार ने अपने स्टाइल में गठबंधन में टूट का संकेत दे दिया था। नीतीश के बयान के 24 घंटे बाद आए रोहिणी के ट्वीट ने बिहार की राजनीति की तस्वीर साफ कर दी और अब बिहार में नई सरकार की तैयारी है। 26 जुलाई 2017: नीतीश कुमार ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर महागठबंधन से नाता तोड़ लिया था। बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बनाई और खुद सीएम बन गए। भ्रष्टाचार को लेकर विपक्ष के सवालों का जवाब नीतीश कुमार ने महागठबंधन तोड़कर दिया। महागठबंधन तोड़ने से एक माह पहले ही नीतीश कुमार की स्टाइल बदल गई थी। वह बार-बार तेजस्वी से विपक्ष के सवालों का जवाब मांग रहे थे, लेकिन तेजस्वी की खामोशी नहीं टूटी। नीतीश कुमार ने भ्रष्टाचार पर बयान दिया और फिर अचानक से इस्तीफा दे दिया। मौजूदा समय की तरह 2017 में भी पॉलिटिकल एक्सपर्ट सीएम के स्टाइल से भांप गए थे, वह बड़ा खेला करने वाले हैं। सीनियर जर्नलिस्ट लव कुमार मिश्रा बताते हैं, नीतीश कुमार जब भी किसी गठबंधन के बंधन से बाहर निकलते हैं, राजगीर चले जाते हैं। इसलिए अचानक शांत हो जाते हैं। कुछ दिन बाद फिर खुश होते हैं। इसके बाद कोई न कोई बड़ा निर्णय ले लेते हैं। अब तक की नीतीश कुमार की यही स्टाइल रही है। इस बार भी नीतीश कुमार 2017 को दोहराए हैं। 14 साल पुराने लैंड फार जॉब मामले में जुलाई 2023 में सीबीआई ने डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के खिलाफ फ्रेश चार्जशीट दाखिल कर दी। तेजस्वी के बहाने एक बार फिर सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला गया, लेकिन सीएम ने कोई जवाब नहीं दिया। नीतीश ने 2017 की तरह न तो तेजस्वी से जवाब मांगा और ना ही कोई प्रतिक्रिया व्यक्त की। वह शांत हो गए और फिर पुराने स्टाइल में दिखने लगे। राजनीतिक जानकारों को लग रहा था कि नीतीश कुमार एक बार फिर

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लालू परिवार का साथ छोड़ एनडीए में चले जाएंगे। लेकिन, नीतीश की खामोशी ने सारी अटकलों पर सवाल खड़े कर दिए। इस बीच उन्होंने बड़ा फैसला लिया और ललन सिंह को हटाकर खुद जेडीयू की कमान संभाल ली। इसके बाद वह अपने स्टाइल में दिखने लगे। शांत हुए और राजगीर भी गए। कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न की घोषणा के बाद नीतीश कुमार ने पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ की। साथ ही, कपूर्री ठाकुर की जयंती पर परिवारवाद का मुद्दा उठाकर लालू पर सवाल खड़ा कर दिया। नीतीश कुमार ने परिवारवाद पर जब भी बोला है, बड़ा बवाल मचा है। नीतीश कुमार ने बिना नाम लिए परिवारवाद के मुद्दे पर लालू परिवार पर अटैक कर दिया था। 2020 में विधानसभा में नीतीश कुमार ने कहा, बेटियों पर नहीं था भरोसा, नौ-नौ बच्चे पैदा किए। इस बयान के बाद घमासान मच गया था। इसके पूर्व नीतीश कुमार ने तेज प्रताप और ऐश्वर्या को लेकर भी कटाक्ष किया था। इसके बाद, तेजस्वी बौखला गए और विधानसभा में ही नीतीश के साथ टकराहट हो गई थी। इस बार भी परिवारवाद पर नीतीश कुमार ने जैसे ही बयान दिया, लालू परिवार की बौखलाहट बढ़ गई। तेजस्वी तो आक्रामक नहीं हुए, लेकिन रोहिणी के ट्वीट के बाद बिहार की राजनीति में आग में पेट्रोल का काम किया। सीनियर जर्नलिस्ट लव कुमार मिश्रा बताते हैं, नीतीश कुमार इधर काफी दिनों से असहज दिखाई पड़ रहे थे। वह खुद को सहज नहीं कर पा रहे थे। इसके पीछे बड़ा कारण राजनीतिक था। वह लालू परिवार के साथ रहकर विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं दे पा रहे थे।

डंडे-सरिया से पीट-पीटकर बेटे ने की मां की हत्या

फिरोजाबाद। बेटे ने शराब के नशे में अपनी ही मां की ही हत्या कर दी। कारण, सिर्फ इतना था कि मां ने बेटे को शराब पीकर घर आने पर टोक दिया। इसी से गुस्साए बेटे ने एक के बाद एक मां के सिर और फिर सरिया से उनके सिर पर कई वार किए, जिससे महिला खून से लथपथ हो होकर गिर गई। आवाज सुनकर बचाने आए भाइयों और पिता पर भी हमला किया। उन्हें भी बेरहमी से पीटा। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों और पड़ोसियों से घटना की जानकारी ली। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं वारदात के बाद आरोपी बेटा फरार हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। मामला थाना टूंडला क्षेत्र के गांव मोहम्मदाबाद का है। यहां अजयपाल अपने चार बेटों और पत्नी के साथ रहते हैं। उनकी दो बेटी भी हैं, जिनकी उन्होंने शादी कर दी है। वह मेहनत मजदूरी कर घर का खर्चा उठा रहे हैं। अजयपाल के चार बेटों में सबसे बड़ा राकेश (25), दूसरे नंबर का सुभाष (23), तीसरे नंबर का गोविंद (20) और चौथे नंबर का शिवम (18) है। दूसरे नंबर का बेटा सुभाष कोटा राजस्थान में रहकर काम करता है। वहीं तीन बेटे यहीं घर पर पिता के साथ रहते हैं। पिता अजयपाल ने बताया कि सबसे बड़ा बेटा राकेश शराब पीने का आदी है। आए-दिन शराब पीकर घर में गाली-गलौज और मारपीट करता है। उसे कई बार समझाया गया कि शराब तुम्हारे घर

को बर्बाद कर रही है। परिवार को खा जा रही है। इसके बाद उसने कसम खाई कि वह कभी अब शराब को हाथ नहीं लगाएगा। कसम खाने के कुछ दिन तक उसने शराब से दूरी बनाए रखी। लेकिन, बाद में फिर शराब पीना शुरू कर दिया। पिता ने बताया कि शनिवार रात को राकेश शराब पीकर घर आया। जिस पर उसकी मां ने उसे टोक दिया। इस पर उसने गाली-गलौज शुरू कर दी। मां ने उसे डांटा तो उसने मां को थप्पड़ मार दिया। धक्का देकर गिरा दिया। इसके बाद डंडा उठाया और गुस्से में सिर पर मारना शुरू कर दिया। चीख-पुकार सुनकर बाहर सो रहे पिता अंदर पहुंचे। पत्नी को बचाने की कोशिश की तो उसने पिता पर भी डंडे और लोहे की सरिया से हमला कर दिया। दोनों भाइयों ने उसका हाथ पकड़ने की कोशिश की तो उन पर भी हमला किया। जिससे तीनों को गंभीर चोट आई है। राकेश ने नशे में मां को इतना पीटा कि उनकी मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। शोर सुनकर पड़ोसी और गांव के लोग इकठ्ठा हो गए। सूचना पर इंस्पेक्टर प्रमोद पवार पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने मौके से साक्ष्य इकठ्ठे किए। इंस्पेक्टर ने गांव वालों और परिजनों से वारदात की जानकारी ली। मां की हत्या की सूचना पर आरोपी की बहन भी ससुराल से सुबह मायके पहुंच गई। वह रोते हुए यही कहती रही कि भइया ये क्या किया, मां को ही मार डाला। वहीं छोटे भाई ने बताया कि "बड़ा भाई राकेश शादीशुदा है, लेकिन उसकी शराब के लत कारण उसका अपनी पत्नी से रोजाना झगड़ा होता था। जिस कारण वह उसको छोड़कर मायके में जाकर रहने लगी थी। हमने भी उसको बहुत समझाया कि दारू मत पिया करो। अपने शरीर के साथ घर भी बर्बाद कर रहे हो लेकिन वह नहीं माना। वह कोल्ड स्टोरज पर काम करता है। रोज वह घर में गाली-गलौज और मारपीट करता था। रात में उसने नशे में मम्मी के सिर में मोटी बल्ली मार दी। इसके बाद सरिया भी मारा। हम लोग बचाने आए तो हमें भी मारा। हमने उन्हें पकड़ने की कोशिश की, पर भाग गए।" इंस्पेक्टर प्रमोद पवार का कहना है कि एक युवक ने अपनी मां की पीट-पीटकर हत्या कर दी। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। मामले में कार्रवाई की जा रही है। आरोपी वारदात के बाद से फरार है। उसकी तलाश की जा रही है।

संक्षिप्त डायरी

रामनगर बाजार में शिव मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा यज्ञ आज से

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद के शहीद भगत सिंह नगर वार्ड नंबर 20 (रामनगर बाजार) में नवनिर्मित शिव मंदिर में 29 फरवरी दिन सोमवार को आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने के लिए थाईलैंड के श्रद्धालु पहुंचे। मंगलवार को थाई महिला श्रद्धालुओं के दल के पुन्या न्युत के साथ पा थाई फोन, पी या ना, ना था नीत, गाइड विजय के पहुंचने पर मंदिर समिति के व्यवस्थापक मनोज प्रजापति ने उनका स्वागत किया। शिव परिवार, देवी देवताओं के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर सोमवार प्रातः 9 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी। शाम को 7 से 10 बजे तक तीन दिन कथा वाचिका धर्मरक्षिता शास्त्री जी द्वारा श्रीराम कथा का रसपान कराया जायेगा। 31 जनवरी को नगर भ्रमण का कार्यक्रम होगा। एक फरवरी को प्राण प्रतिष्ठा व शाम को भजन व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा। दो फरवरी को पूणार्हुति के बाद विशाल भंडारा होगा। जिसमें क्षेत्र के दर्जनों गांवों के लोग शामिल होंगे।

भाजपा नेता ओमप्रकाश जायसवाल ने किया ध्वजारोहण

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर भाजपा नेता व प्रतिष्ठित व्यवसायी ओमप्रकाश जायसवाल ने विभिन्न विद्यालयों में ध्वजारोहण किया। नगर के रामकोला मार्ग स्थित बुद्ध विद्या बिहार स्कूल में श्री जायसवाल ने ध्वजारोहण किया। श्री जायसवाल ने बच्चों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि देश 15 अगस्त 1947 को आजाद हो गया था। लेकिन उस समय अपना कोई कानून या संविधान नहीं था। देश को चलाने के लिए संविधान की जरूरत थी। अपना संविधान दो वर्ष 11 महीने 18 दिन में बनकर तैयार हुआ। यानी 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने अंगीकृत किया था,जिसे 26 जनवरी 1950 को प्रवृत किया गया। स्वतंत्र भारत का पहला गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 1950 को ही मनाया गया था। विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अमरजीत यादव ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिए खुशी का दिन है। आज ही के दिन संविधान लागू हुआ। हमें शिक्षा के साथ देश की आजादी व संविधान के बारे में जानना होगा। इसके पूर्व मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन किया गया। वहीं सरस्वती वंदना श्रावणी व शिवानी ने किया। प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह ने आगंतुकों के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता केदार राय , संपत वर्मा अधिवक्ता दिनेश सिंह, समाजसेवी अनिल पांडेय, पूर्व सभासद पवन जायसवाल, संजय प्रसाद मौजूद थे।

सीएम योगी ने ली रवि किशन की चुटकी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर सांसद व अभिनेता रवि किशन शुक्ला की चुटकी ले ली। मौका, अभयनंदन इंटर कॉलेज में आयोजित सफाई मित्र सुरक्षा और सम्मान सम्मलेन का था। अचानक सीएम ने जनता से सीधे पूछा, अभी तक रवि किशन की फिल्में कितने लोगों ने देखा है। फ्री में देखे हैं या टिकट लेकर। जनता की आवाज आई तो दोहराया अच्छा फ्री में। चलिए रवि किशन की फिल्म देखें हैं तो चलो मुझे बताओ, ये अच्छा कपड़ा पहनकर एक्टिंग न करें, गंदा कपड़ा पहन कर अंडरवियर में एक्टिंग करने लग जाएं और खुद ठहाका मारकर हसंने लगे। खुद को हंसी से संभालते हुए फिर कहा, अच्छा कपड़ा पहनकर एक्टिंग करते हैं न, इसलिए लोगों को हीरो लगता है। इसीलिए एक्टिंग के साथ आप सभी का मनोरंजन भी कर देते हैं। मेहनत भी खूब करते हैं। विधायकों के साथ गांव-गांव जा रहे हैं। वॉल राइटिंग भी कर रहे हैं। विकास की योजनाओं के लिए भी कार्य कर रहे हैं। विधायकों के साथ मिलकर के काम कर रहे हैं। मेहनत भी कर रहे हैं और मनोरंजन भी कर लेते हैं। फिल्मों में भी काम कर रहे हैं। मैंने उनसे कहा है, भाई फिल्मों में अकेले ही काम करना, विधायकों को मत लेते चले जाना। कुल 1 मिनट 33 सेकेंड में मंच से ही सीएम योगी ने सभा में शामिल होने आए लोगों को सांसद और खुद से सीधे बांधे रखा।

ट्रेन्च विधि से गन्ना बोयें बढ़ेगी उपज

संवाददाता

कुशीनगर। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत पडरौना गन्ना समिति के ग्राम धौरहरा में उत्तर प्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र पिपराइच गोरखपुर द्वारा एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता ग्राम प्रधान रामचंद्र ने किया। इस अवसर पर गन्ना संस्थान के सहायक निदेशक ओमप्रकाश गुप्ता ने बताया कि किसान गन्ने की अधिक उपज लेने के लिए ट्रेंच विधि से गन्ना बोयें। गन्ना प्रजाति को.लख. 14201, को. 0118, को. शा. 13235, को. 15023, को. से. 13452 आदि बोयें। गन्ना विकास विभाग बीज उपलब्ध कराएगा। गन्ने के साथ प्याज बोयें, एक एकड़ में 70 से 80 कुंतल प्याज होगा। कीट नियंत्रण भी होगा। सेवरही गन्ना शोध के कीट वैज्ञानिक डॉ विनय कुमार मिश्रा ने बताया कि मथमुड़िया कीट के नियंत्रण के लिए ट्राईको कार्ड प्रयोग करें। उपचार के लिए ट्राइकोडर्मा प्रयोग करें। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक पडरौना हरिमोहन यादव ने बताया कि ₹50 कुंतल आधार गाना पौधशाला से बीज गन्ना वितरण पर राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत अनुदान मिलेगा। ढ़ाढ़ा चीनी मिल के यूनिट हेड करन सिंह ने बताया कि 54 लाख कुंतल गन्ना पेराई कर 10 जनवरी तक का भुगतान कर दिया गया है।

अजय सिंह बने रोटरी क्लब कुशीनगर के नए सचिव

संवाददाता

कुशीनगर। रोटरी क्लब कुशीनगर द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक कर संगठन में रिक्त चल रहे सचिव के पद पर सर्वसम्मति से अजय सिंह को सचिव मनोनीत किया गया। इनका कार्यकाल जून 2024 तक का होगा। गौरतलब है कि रोटरी क्लब का सत्र जुलाई से जून तक का होता है जिसमे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अंतर्गत पदाधिकारियों का चुनाव किया जाता है। होटल व्यवसाय से जुड़े नव मनोनीत सचिव अजय सिंह को रोटरी अध्यक्ष वाहिद अली ने पुष्प भेंट कर नए दायित्व के लिए बधाई दी। साथ ही रोटरी के संरक्षक राकेश जायसवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष साहिल अहमद, उपाध्यक्ष दिनेश कुमार यादव, उपाध्यक्ष संदीप रौनियार, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, पूर्व अध्यक्ष अनिल जायसवाल, संयुक्त

सचिव अखिलेश शर्मा, संयुक्त कोषाध्यक्ष सदरे आलम, निदेशक अमित श्रीवास्तव, निदेशक अंकुर तुलस्यान, निदेशक शंभू कुशवाहा, रक्तदान संयोजक विजय कृष्ण द्विवेदी, अरूण कुमार वर्मा, डॉ सुनील सिंह, डॉ पवन खरवार, अंजली खरवार, गौरव मद्धेशिया, फैयाज खान, महेंद्र तिवारी मोनू, इम्तियाज आलम, विशाल शर्मा, अश्वनी जायसवाल, महीप राव, डॉ. जेके पटेल, मो०किताबुद्दीन अंसारी, गयासुद्दीन अली, डॉ मुकेश यादव, राजीव गुप्ता, हसमुद्दीन अंसारी, अतहर खान, राजीव तिवारी, विनोद वर्मा, अरूण कुमार मौर्य, डॉ आशुतोष पाण्डेय, डॉ. गिरीश सिंह बघेल, डॉ रितेश कुमार, अनादिश श्रीवास्तव, पवन अग्रवाल, आनन्द जायसवाल, डॉ. श्याम बिहारी जायसवाल, अमरेंद्र नारायण सिंह, राजाराम जायसवाल, श्री कृष्णा मद्धेशिया, सरवरे आलम (छोटे), लतीफ अंसारी, वरुण कुमार यादव, मो. तौशिफ आलम खान, दिनेश तिवारी भोजपुरिया, उमेश जायसवाल कुन्नू जी एवं आदिल खान ने भी अजय सिंह को नए दायित्व मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

शिक्षकों को स्थानांतरित होने पर फूल माला पहनाकर दी विदाई

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के ब्लॉक गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर के प्रांगण में अंतः जनपदीय स्थानांतरण के तहत दूसरे ब्लॉकों में स्थानांतरित होकर जाने वाले शिक्षक साथियों को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा विदाई दी गयी। उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने बताया की ब्लॉक गंगेश्वरी से लगभग तीन दर्जन शिक्षक/शिक्षिकाओं का जनपद के भीतर अन्य ब्लाकों में स्थानांतरण हुआ है। स्थानांतरण पायें बीएलओ एवं

पदाभिहीत में कार्यरत शिक्षकों को आज विदाई दी गई।

बताया गया कि स्थानांतरण में जाने वाले अध्यापकों का गंगेश्वरी विकास क्षेत्र में कार्यकाल बहुत ही अच्छा रहा है। यह सभी अध्यापक अपनी ड्यूटी के प्रति बहुत ही वफादार रहे हैं। बेसिक शिक्षा के सुधार के क्षेत्र में इन सभी के द्वारा दिए गए योगदान को ब्लॉक में हमेशा याद किया जाता रहेगा। स्थानांतरित होकर जाने वाले अध्यापकों में योगेश कुमार सहायक अध्यापक प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर,अरविंद चौधरी सहायक अध्यापक प्राथमिक विद्यालय भैंसरौली,विजेंद्र सिंह सहायक अध्यापक प्राथमिक विद्यालय पिपलौती कलां, मनवीर सिंह यादव सहायक अध्यापक संविलियन विद्यालय रुखालू,अरविंद पोसवाल सहायक अध्यापक पूर्व माध्यमिक विद्यालय पिपलौती कलां, शिक्षित कुमार सहायक अध्यापक प्राथमिक विद्यालय मंगरौला आदि को फूलमाला पहनकर विदाई दी गई। इस अवसर पर मनीष कुमार,संजय सिंह ,अजय सागर, संतराम सिंह, अमित कुमार, राशिद अली, सत्येंद्र सिंह, करनपाल आदि मौजूद रहे।

रेड हिल्स ग्रुप ने धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस

संवाददाता

कुशीनगर। गणतंत्र दिवस समारोह रियल स्टेट कम्पनी रेड हिल्स द्वारा धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान कंपनी के चेयरमैन व समाज सेवी आलमगीर अंसारी अंसरी ने कंपनी के मुख्यालय कसया सहित कई स्थानों पर ध्वजारोहण किया और गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं आम आवाज और खास को दी। सीएमडी आलमगीर ने कहा कि आज के दिन ही देश में संविधान लागू हुआ। हमें अपने देश भारत पर गर्व है। आज खुशी के मौके पर रेड हिल्स ग्रुप की ओर से बधाई और शुभकामनाएं। इस दौरान एडमिन

हेड साहिल अंसारी, सीईओ यसवंत सिंह, एसडीएम अभिषेक सिंह, आशिक अली, अंकुर शर्मा, बीडीएम विशाल गोंड, एमएम वसीम अंसारी, प्रेसीडेंट सचिन शर्मा, मनीष शर्मा, दूजा रॉव, प्रेम पुजारी गुप्ता, हर्ष मिश्रा, रिजवान अंसारी, सुनील विश्वशर्मा, हिमांशु चौबे, विशाल सिंह, राजकुमार, समीम सिद्दीकी, विजय शर्मा, धनंजय पाण्डेय आदि मौके पर रहे।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम हेतु कांफ्रेंस आयोजित

संवाददाता

आगरा/दिल्ली। 27 जनवरी,वी.के.कृष्णा मेनन भवन में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन,नई दिल्ली द्वारा अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम हेतु राष्ट्रीय स्तर की कांफ्रेंस आयोजित की गई। कॉन्फ्रेंस में कई प्रदेशों के अधिवक्ताओं ने प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। कॉन्फ्रेंस में आगरा की अधिवक्ता श्रीमती हरजीत अरोड़ा को उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने हेतु आमंत्रित किया गया। उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए देश भर से आए बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों को सम्बोधित किया। एड.हरजीत अरोड़ा ने अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम के बारे में प्रमुख रूप से अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से थानों में अधिवक्ताओं को सम्मान से लेकर,कोर्ट में व बाहर अधिवक्ताओं के ऊपर हो रहे हमलों में तुरंत गिरफ्तारी होनी चाहिए। किसी भी अधिवक्ता के विरुद्ध एफआईआर होने पर पहले बार एसोसिएशन की अनुमति आवश्यक है इसके साथ-साथ उन्होंने चेंबर्स की आवश्यकता व महिला अधिवक्ताओं हेतु मातृत्व अवकाश,वरिष्ठ व वृद्ध अधिवक्ताओं हेतु पेंशन,नए अधिवक्ताओं हेतु सहायता राशि आदि मांगों को भी रखा। कांफ्रेंस में मुख्य रूप से सुप्रीम कोर्ट बार के अध्यक्ष,महासचिव व बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन श्री मनन मिश्रा आदि की उपस्थिति प्रमुख थी।

मुठभेड़ के बाद दो बदमाश गिरफ्तार

अयोध्या। बीकापुर पुलिस ने बीती रात दो गौ तस्करों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से पुलिस को एक तमंचा और एक बाइक बरामद किया है। दोनों पर आरोप है कि 26 जनवरी को बीकापुर कोतवाली एवं हैदरगंज थाना क्षेत्र सीमा बॉर्डर के निकट विशुही नदी के तट मांझा सुनौरा में दो गायों की हत्या की थी। पुलिस मुठभेड़ में एक आरोपी घायल है। जिसका इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर चल रहा है। पुलिस के अनुसार दोनों पर कई आपराधिक मामले दर्ज है। घटना के बाद प्रशासन आरोपी चांद बाबू के घर पर बुल्डोजर चलाने की तैयारी कर रहा है। एसपी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर रात 12:30 बजे वाहनों

की चेकिंग माता प्रसाद इंटर कालेज विट्ठलपुर चंदौली के पास किया जा रहा था। इसी दौरान दो संदिग्ध एक बाइक पर सवार होकर वहां पहुंचे। पुलिस के रोकने पर दोनों भागने लगे। पुलिस ने दोनों का पीछा किया तो एक ने पुलिस पर फायरिंग कर दिया। हालांकि गोली पुलिस को नहीं लगी, जवाबी फायरिंग में एक गोली बदमाश के पैर में लगी। जबकि दूसरे को भागते हुए पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में एक की पहचान मो मुस्तफा उर्फ चांद बाबू पुत्र मो शमीम निवासी ग्राम माझा सोनौरा थाना हैदरगंज जनपद अयोध्या और मो जमील पुत्र मो सफीक निवासी बरावं थाना बल्दीराय जनपद सुल्तानपुर के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में दोनों ने बीकापुर कोतवाली एवं हैदरगंज थाना क्षेत्र सीमा बॉर्डर के निकट विशुही नदी के तट पर गोकशी की घटना को कबूल किया है। पुलिस ने मुस्तफा उर्फ चांद बाबू के पास से एक अवैध तमंचा 315 बोर व 1 जिंदा कारतूस बरामद किया है। इसके साथ ही एक बाइक को भी पुलिस ने बरामद किया है। जिसे सीज कर जांच की जा रही है। बीकापुर कोतवाल लालचंद सरोज ने बताया कि मो मुस्तफा उर्फ चांद बाबू के दाहिने पैर मे गोली लगी है। सीएचसी बीकापुर में घायल आरोपी का इलाज चल रहा है। मुस्तफा पर अयोध्या जनपद के विभिन्न थानों में आठ मुकदमे दर्ज है। जबकि मो जमील पर अमेठी और अयोध्या में तीन मुकदमे दर्ज है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजने जा रहा है।

संविधान जागरूकता विचार गोष्ठी का हुआ आयोजन

संवाददाता

नूरपुर। बिजनौर के लोकसभा नगीना के कस्बा नूरपुर में एक बैंकट हाल में संविधान जागरूकता विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि और अन्य वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखें। उन्होंने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने के लिए लोगों को प्रेरित किया। इस अवसर पर सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे ।प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद बिजनौर के लोकसभा नगीना की विधानसभा नूरपुर में

संगम गार्डन बैंकट हॉल में संविधान जागरूकता विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर्मवीर सिंह और संचालन पुष्पेंद्र कुमार कर रहे थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मनोज कुमार (पूर्व अपर एवम सत्र न्यायाधीश) रहे।इस जागरूकता विचार गोष्ठी में बाबा भीमराव अंबेडकर की नीतियों को

जन-जन पहुंचने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आए मनोज कुमार पूर्व जज साहब ने मीडिया से बात करते हुए बताया यह कार्यक्रम संविधान को बचाना और लोगों को उनके अधिकार के बारे में जागरूक करना है। जिससे जनता भारत के संविधान के समझे और सोच समझकर अपने मत का प्रयोग करें। इस अवसर पर सैकड़ो की संख्या में लोगी की भीड़ ने उपस्थित होकर जागरूकता सभा को सफल बनाने में सहयोग दिया। इस कार्यक्रम जितेन्द्र दाश जी,लेखराज सिह, ओमप्रकाश प्रधान जी , कुलवीर सैनी जी, मोनू कश्यप जी, शुभम कुमार , मा०शाहिद जी, अरुण कुमार, शमशाद जी, सत्यपाल प्रधान जी, अर्जुन देवा, रतिराम जी, शिव कुपार , रवि कुमार, दिपेशवर कुमार प्रधान जी, शशि कमल जी, सौरभ कुमार जी, आशाराम जी, नकुल कुमार , हिमेन्द्र जी, सागर कुमार, लवकुश कुमार जी, जसवन्त सिंह जी ,अन्य साथियो ने गोष्ठी मे भाग लिया ।

बिहार में बदलेगी सरकार

बिहार में सत्ता का समीकरण एक बार फिर बदलता दिख रहा है। कोई औपचारिक घोषणा भले नहीं हुई है, लेकिन इस बात के प्रबल संकेत मिल रहे हैं कि मुख्यमंत्री और जेडीयु नेता नीतीश कुमार ने आरजेडी से अलग होने का फैसला कर लिया है। अगर ऐसा हुआ तो बिहार में महागठबंधन की सरकार गिर जाएगी। अटकलें लग रही हैं कि इसके बाद नीतीश एक बार फिर बीजेपी के साथ मिलकर बिहार में सरकार बना सकते हैं। ऐसी चर्चा राजनीतिक हलकों में कई दिनों से चल रही थी, लेकिन इसका पहला ठोस संकेत तब मिला जब जननायक कर्पूरी ठाकुर की सौवीं जयंती के मौके पर आयोजित समारोह में नीतीश कुमार ने तंज कसा कि आजकल बहुत से लोग अपने परिवार के सदस्यों को ही आगे बढ़ाने में लगे रहते हैं। इसे सीधे तौर पर लालू प्रसाद यादव पर हमला माना गया, जिनकी पार्टी के साथ वह बिहार में सरकार चला रहे हैं। आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने शुक्रवार को मीडिया के जरिए नीतीश कुमार से अपनी स्थिति स्पष्ट कर सारे संदेह दूर कर देने का आग्रह किया। इसी दिन राजभवन में गणतंत्र दिवस के मौके पर आयोजित चाय पार्टी से उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव समेत तमाम आरजेडी विधायक गायब रहे। घटनाएं आगे क्या मोड़ लेती हैं यह तो वक्त बताएगा, लेकिन इतना तय माना जा रहा है कि बिहार की महागठबंधन सरकार उस रूप में बनी नहीं रहेगी, जिस रूप में अभी तक चल रही थी। बिहार में 40 लोकसभा सीटें हैं। अगर नीतीश कुमार बीजेपी से मिलकर एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनते हैं तो स्वतंत्र प्रेक्षकों के मुताबिक इनमें से अधिकाधिक लोकसभा सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों की जीत की संभावना अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाएगी। 28 जनवरी तक लैपटॉप, स्मार्टवॉच, हेडफोन और अन्य चीजों पर 75% तक की छूट विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के लिए यह बड़ा झटका माना जाएगा। विपक्षी दलों के बीच गठबंधन करके ज्यादा से ज्यादा सीटों पर एनडीए के खिलाफ साझा प्रत्याशी खड़ा करने का यह पूरा प्रयास नीतीश कुमार की ही पहल पर शुरू हुआ था। ऐसे में उनके जाने के बाद यह प्रकिया किस तरह से और कितनी आगे बढ़ेगी, इस पर सवाल खड़ा हो गया है। चूंकि नीतीश कुमार और जेडीयु की नाराजगी को इस बात से जोड़ा जाता रहा है कि उन्हें विपक्षी गठबंधन का संयोजक पद देने पर सहमति नहीं बनी, अब कहा जा सकता है कि उसके पीछे उनकी बार-बार पलटने की छवि का भी हाथ रहा होगा। लेकिन ये बातें इंडिया के कुछ अन्य घटक दलों के नेताओं पर भी लागू होती हैं। खास बात यह कि संदेह घटक दलों के बीच ही नहीं आम मतदाताओं के बीच भी बन रहा है। जाहिर है, आगे घटनाएं चाहे जैसा भी मोड़ लें, इतना तय है कि इंडिया को अपनी विश्वसनीयता की नई परीक्षाओं से गुजरना होगा।

अवसरों का आदान-प्रदान

केंद्र ने वैभव (वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक) नामक फेलोशिप कार्यक्रम के तहत फेलोशिप पानेवाले पहले नामों की घोषणा कर दी है, लेकिन इस पहल की बुनियाद में जो विचार है वह काफी दिलचस्प बना हुआ है। भारतीय मूल के, या भारतीय वंशक्रम के वैज्ञानिक भारत की किसी मेजबान शोध प्रयोगशाला में, तीन साल के लिए, साल में तीन महीने तक बिताने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस अवधि में, इन शोधकताओं से यह उम्मीद की जाती है कि वे कोई प्रोजेक्ट या टेक्नोलॉजी स्टार्ट-अप शुरू करेंगे, उस संस्थान के साथ दीर्घकालिक जुड़ाव कायम करेंगे, मेजबान फैकल्टी के साथ मिलकर काम करेंगे और संबंधित क्षेत्र में, भारतीय विश्वविद्यालयों व शोध परिवेश में नये विचार लेकर आयेंगे। अधिकारियों का कहना है कि इस कार्यक्रम के गति पकड़ने के साथ, नये तरह के रिश्ते सामने आ सकते हैं : भारतीय मूल की फैकल्टी को छात्रों, ज्यादा सहायकों (एसोसिएट्स) और यहां तक की डिग्रियों को सुपरवाइज करने की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है, जिससे ज्ञान, नवाचार और कार्य संस्कृति का सही मायनों में हस्तांतरण हो सकता है और ज्यादा आशावादी होकर उम्मीद करें, तो अनिवासी भारतीय वैज्ञानिक भारत में रुकने की भी सोच सकते हैं। वैभव एक मौलिक विचार नहीं है। खुद इस सरकार के कार्यकाल में, विज्ञान एवं तकनीकी विभाग (डीएसटी) ने समान उद्देश्यों के साथ वज्र (विजिटिंग एडवांस्ड ज्वाइंट रिसर्च) फैकल्टी स्कीम की परिकल्पना की। दोनों योजनाओं में बस थोड़े से फर्क हैं। ह्यवैभवह्ल केवल प्रवासी भारतीयों के लिए है, जबकि वज्र में दूसरी राष्ट्रीयताओं के लोग भी शामिल हो सकते हैं। वज्र फेलोशिप की राशि के मामले में ज्यादा उदार है, लेकिन कार्य अवधि एक साल तक सीमित है, वहीं वैभव में कम पैसे दिये जाते हैं, लेकिन इसका विस्तार तीन साल तक है। इन दोनों योजनाओं की जिम्मेदारी संभालने वाले डीएसटी का कहना है कि तकरीबन 70 अंतरराष्ट्रीय फैकल्टी वज्र का हिस्सा बनकर भारत में समय बिता चुकी हैं, इसके बावजूद इस योजना से हुए फायदे को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। अधिकारियों का कहना है कि अभी दोनों योजनाएं चलती रहेंगी। भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालयों के बीच आदान-प्रदान को सुगम बनाना स्वागतयोग्य है, लेकिन इस बात को लेकर स्पष्टता होनी चाहिए कि भारत इससे क्या हासिल होने की उम्मीद कर रहा है, खासकर प्रवासी भारतीयों पर ध्यान केंद्रित करके। बीते दशकों में, प्रतिभा पलायन भारत में अपने अनुरूप अवसरों के अभाव में प्रतिभाशाली शोधकर्ताओं के विदेश चले जाने की समस्या पर बहुत सारा कागज काला किया गया है।

'परीक्षा पे चर्चा' बच्चों के लिए सबसे बड़ा 'महामंत्र'

ANALYSIS

मुकुंद

'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए तनाव मुक्त माहौल बनाने, वैचारिक और अकादमिक उपलब्धि में सकारात्मक वृद्धि करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बड़े आंदोलन 'एग्जाम वॉरियर्स' का हिस्सा है। यह एक ऐसा आंदोलन है जो अभिभावकों, शिक्षकों और समाज को एक साथ लाता है। इस कार्यक्रम का संदेश स्पष्ट है कि प्रत्येक विद्यार्थी अपने जीवन के उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास तो करे ही, साथ ही साथ उन उद्देश्यों की प्राप्ति में आने वाले तनाव का सुव्यवस्थित ढंग से प्रबंधन करे। हम अपने आसपास देखते हैं कि कुछ विद्यार्थी परीक्षा का नाम सुनते ही भयभीत हो जाते हैं। कुछ परीक्षा पूर्व या परीक्षा के दौरान बीमार पड़ जाते हैं। कई विद्यार्थी तो निराशा, अवसाद आदि में चले जाते हैं। यही स्थिति विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता या अभिभावकों की भी होती है। शिक्षा और सीखने के द्वारा उपरोक्त समस्याओं के तो उत्तर मिलने ही चाहिए, साथ ही साथ जीवन को आनंददायी तरीके एवं कुशलता से जीने के कौशल भी प्राप्त होने चाहिए। इस बारे में प्रधानमंत्री मोदी का कथन है कि सीखना एक आनंददायक, संतुष्टिदायक और अंतहीन यात्रा होनी चाहिए। इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 रट्टामार पद्धति से कहीं अलग एक ऐसी पद्धति है जिसमें छात्रों को उन्मुख करने का प्रयास है। जहां छात्र सिद्धांत से कम और व्यवहार से ज्यादा समझ सकें और अध्ययन के दौरान अधिक उत्सुकता और आनंद से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। आनंददायी शिक्षा के लिए सबसे बड़ी बाधा परीक्षा ही प्रतीत होती है। परीक्षा पर गहराई से विचार करें तो यह विद्यार्थी जीवन में विद्यार्थियों के आकलन का केंद्र तो है, लेकिन साथ ही साथ विद्यार्थियों में परीक्षार्थियों के मानसिक तनाव और अन्य तरह के अवसाद को दूर करने का 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम सबसे सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। सामाजिक सरोकार से जुड़ा यह कार्यक्रम युवाओं के ही नहीं, उनके माता-पिता के दिलों में घर घर चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 जनवरी के अपने इस कार्यक्रम के बारे में एक्स हैंडल पर लिखा है 'मैं परीक्षा के तनाव को दूर करने के तरीकों पर सामूहिक रूप से रणनीति बनाने के लिए परीक्षा योद्धाओं की सबसे यादगार सभा 'परीक्षा पे चर्चा' का उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहा हूं। आइए, हम परीक्षा से जुड़ी उन निराशाओं को अवसरों की एक खिड़की में बदल दें...।' प्रधानमंत्री ने उन्होंने परीक्षाओं को मनोरंजक और तनाव मुक्त बनाने से संबंधित पिछले कार्यक्रम के विषयों और व्यावहारिक सुझावों को भी साझा किया। इस बारे में पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की लखनऊ इकाई ने इस कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की है। इसमें कहा गया है कि यदि किसी राष्ट्र के नेता राजकाज के अतिरिक्त अपनी जनता के लिए एक अभिभावक की भी भूमिका अपना लें तो उस राष्ट्र के लोग निश्चित रूप से सौभाग्यशाली हैं। राम राज्य की भी यही तो सबसे प्रधान विशेषता थी। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी समस्त भारतवासियों को अपना परिवार मानकर कुछ ऐसा ही सफल प्रयास कर रहे हैं। अभिभावक के रूप में नरेन्द्र मोदी की भूमिका की एक अच्छी मिसाल उनका 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम है जिसके माध्यम से वह किशोर और युवा विद्यार्थियों की समस्याओं को समझ कर उनका मार्गदर्शन करते हैं। 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए तनाव मुक्त माहौल बनाने, वैचारिक और

अकादमिक उपलब्धि में सकारात्मक वृद्धि करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बड़े आंदोलन 'एग्जाम वॉरियर्स' का हिस्सा है। यह एक ऐसा आंदोलन है जो अभिभावकों, शिक्षकों और समाज को एक साथ लाता है। इस कार्यक्रम का संदेश स्पष्ट है कि प्रत्येक विद्यार्थी अपने जीवन के उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास तो करे ही, साथ ही साथ उन उद्देश्यों की प्राप्ति में आने वाले तनाव का सुव्यवस्थित ढंग से प्रबंधन करे। हम अपने आसपास देखते हैं कि कुछ विद्यार्थी परीक्षा का नाम सुनते ही भयभीत हो जाते हैं। कुछ परीक्षा पूर्व या परीक्षा के दौरान बीमार पड़ जाते हैं। कई विद्यार्थी तो निराशा, अवसाद आदि में चले जाते हैं। यही स्थिति विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता या अभिभावकों की भी होती है। शिक्षा और सीखने के द्वारा उपरोक्त समस्याओं के तो उत्तर मिलने ही चाहिए, साथ ही साथ जीवन को आनंददायी तरीके एवं कुशलता से जीने के कौशल भी प्राप्त होने चाहिए। इस बारे में प्रधानमंत्री मोदी का कथन है कि सीखना एक आनंददायक, संतुष्टिदायक और अंतहीन यात्रा होनी चाहिए। इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 रट्टामार पद्धति से कहीं अलग एक ऐसी पद्धति है जिसमें छात्रों को उन्मुख करने का प्रयास है। जहां छात्र सिद्धांत से कम और व्यवहार से ज्यादा समझ सकें और अध्ययन के दौरान अधिक उत्सुकता और आनंद से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। परीक्षा पर गहराई से विचार करें तो यह विद्यार्थी जीवन में विद्यार्थियों के आकलन का केंद्र तो है, लेकिन साथ ही साथ विद्यार्थियों में तनाव पैदा करने का एक मुख्य स्रोत भी रही है। जबकि होना यह चाहिए कि परीक्षा केवल परीक्षा नहीं, सीखने की एक आनंददायक प्रक्रिया भी हो। जहां विद्यार्थी ने जो सीखा है एवं उसके अनुभव में जो वृद्धि हुई है. उसे उन अनुभवों के स्वतंत्र और व्यवस्थित अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाये। प्रधानमंत्री मोदी जी इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में एक उन्मुक्त मंच पर विद्यार्थियों से अपनी बात रखते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से तनाव न लेने की बात पर चर्चा होती है। तनाव को कम करने के व्यावहारिक माध्यम क्या हो सकते हैं? परीक्षा के प्रति विद्यार्थियों का दृष्टिकोण कैसा हो? आदि मुद्दों पर चर्चा भी प्रधानमंत्री करते हैं। कई कार्यक्रमों में सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि यही विद्यार्थी हमारे देश का भविष्य हैं और जब हमारे देश का भविष्य ही चिंताग्रस्त होगा, तनावग्रस्त होगा, या किसी अन्य प्रकार के मनोवैज्ञानिक दबाव में होगा तो ऐसी स्थिति में वह अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे सकता। विद्यार्थी को इस अवस्था से बाहर निकालने के लिए उन्होंने मुख्य रूप से शिक्षक, परिवार एवं अभिभावकों की भूमिका पर बल दिया है, जिससे छात्र मुस्कुराहट के साथ परीक्षा दे सकें। कई बार ऐसा देखने में आता है कि अपनी महत्वाकांक्षा की छाया तले माता-पिता अपने बच्चों की तुलना किसी दूसरे बच्चे से करते हैं। स्वाभाविक है कि एक बच्चे के ऊपर इसका नकारात्मक असर पड़ेगा और वह परीक्षा से दूर भागेगा। कई बार शिक्षक भी कक्षा के दूसरे बच्चों से अध्ययन में कमजोर किसी बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसी स्थिति में वह बच्चा अध्ययन के प्रति उदासीन हो जाता है। ऐसी ही स्थितियों को टालने के लिए यह सशक्त मंच है। यह मंच शिक्षकों और माता-पिता के लिए भी एक संदेश है कि कैसे परीक्षा से निबटा जाए। यदि हमने बच्चों के अंदर परीक्षा के प्रति आत्मविश्वास जगाया और उसे इस बात का विश्वास दिलाया कि परीक्षा के परिणाम जो भी आएं इस परिणाम से उसे सीख कर तथा निरंतर आगे उत्तरोत्तर प्रगति करते रहना है तो वह बच्चा परीक्षा से दूर नहीं भागेगा। आज हम बड़े शहरों में देख रहे हैं कि परीक्षाओं की काउंसलिंग के नाम पर बड़े और महंगे सेंटर्स की भरमार है। ऐसी काउंसलिंग प्रधानमंत्री बड़ी सहजता के साथ बातचीत में ही करते चलते हैं। और यह भी सुखद है कि परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम आज केवल दिल्ली के ऑडिटोरियम तक सीमित नहीं रहा गया है। धीरे-धीरे इस कार्यक्रम ने संपूर्ण शिक्षा जगत एवं सभी हितधारकों को अपने साथ जोड़ा है। आज देश ही नहीं, दुनिया के कई देशों के छात्र और अभिभावक बड़े मनोयोग से इस कार्यक्रम का हिस्सा बन रहे हैं। इस कार्यक्रम पर विभिन्न अध्ययन हुए हैं। इनका निष्कर्ष है कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं की पहल से आशातीत परिणाम प्राप्त हुए है एवं परीक्षा को उत्सव के रूप में मनाने का दौर प्रारंभ हुआ है। विद्यार्थी तनावरहित होकर अब पूरी तैयारी के साथ परीक्षा में बैठते हैं और सफलतापूर्वक उज्ज्वल भविष्य की ओर अपना मार्ग प्रशस्त करते हैं। देश के प्रधान अभिभावक के रूप में प्रधानमंत्री मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के माध्यम से किशोरों और युवाओं के जीवन में नई आशा का संचार किया है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

विपक्षी एकता का ढहता किला

इंडी गठबंधन के बारे में राजनीति की समझ रखने वाले अधिकतर व्यक्तियों के अनुमान सही साबित हुए। गठबंधन की पहली बैठक के बाद से ही उसके भविष्य के बारे में जो कुछ कहा जा रहा था, वो शब्दशः धरती पर उतरता दिख रहा है। वास्तव में इंडी नामक विपक्षी गठबंधन में चूंकि वैचारिक साम्यता नहीं है इसीलिए इसकी एकजुटता प्रारंभ से ही संदिग्ध रही है। उससे जुड़े दल मोदी विरोध पर तो एकमत हैं किंतु आपसी विश्वास नजर नहीं आने से एक कदम आगे, दो कदम पीछे वाली स्थिति से घिरे हैं। सीट बंटवारे की वेला समीप आते ही, गठबंधन तिनकों की तरह बिखरता जा रहा है। भारतीय राजनीति का इतिहास खंगाले तो पिछले 75 वर्षों में न जाने कितने गठबंधन बने और बिखरे, और पुनः बने। चूंकि विपक्ष की नियति टूटने की है, लिहाजा बार-बार गठबंधन करना पड़ता है। यह नियति जनता पार्टी के दौर से कुछ अधिक देखने को देश अभिशप्त है। 2014 में केंद्र में मोदी सरकार के गठन के बाद से हर बीतते वर्ष के साथ विपक्ष की राजनीति की कांति लगातार प्रभावहीन हो रही है। मोदी सरकार के नौ वर्षों के कामकाज के बाद विपक्ष ने बड़ा साहस और शक्ति जुटाकर इस गठबंधन का गठन किया था। गठबंधन के बाद विपक्ष ने मीडिया और प्रचार तंत्र के माध्यमों से ऐसा वातावरण और संदेश देने का काम किया था कि इस गठबंधन के सामने भाजपानीत एनडीए गठबंधन टिक नहीं पाएगा। लेकिन गठबंधन की पहली बैठक के समय से ही जिस तरह की चालाकी और व्यवहार गठबंधन में शामिल घटक दलों के नेता एक दूसरे के साथ कर रहे थे, उससे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि इस गठबंधन की आयु दीर्घ नहीं होगी। यह इतनी छोटी होगी कि गठबंधन चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा। विपक्षी गठबंधन अपने अस्तित्व के लगभग सात माह के दौरान चाय-नाश्ते पर बैठकें तो कर सका, लेकिन सीटों के बंटवारे, सचिवालय, संयोजक, साझा न्यूनतम कार्यक्रम, साझा नारा, ध्वज आदि पर आज तक सहमत नहीं कर सका है। पश्चिम बंगाल के अलावा पंजाब ने अलगाव की घोषणा कर दी है। रही-सही कसर बिहार में पूरी हो गई। नीतीश कुमार का इस गठबंधन से अलग होना विपक्ष को सबसे बड़ा झटका है। अब विपक्ष के सामने चुनौती है कि कैसे भाजपा को लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने से रोका जाए और तमाम सर्वे कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। ऐसी स्थिति में मोदी का मुकाबला कैसे होगा ये अहम प्रश्न है? पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस और पंजाब में भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी की ओर से घोषणा की हैं कि वे अकेले ही सभी सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। ममता और भगवंत मान दोनों ही अपने-अपने राज्य के मुख्यमंत्री हैं। आश्चर्य यह है कि बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। वह छुटभैया नेता नहीं हैं, बल्कि लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता हैं। वह ममता बनर्जी को ह्यअवसरवादी नेताह्ल करार देते रहे हैं और बार-बार बयान देते हैं कि ममता कांग्रेस की कृपा और मदद से ही पहली बार सत्ता में आई थीं। कांग्रेस अकेले ही चुनाव लड़ने में सक्षम है। ममता गठबंधन की भीतरी राजनीति से क्षुब्ध थीं। उनके प्रत्येक प्रस्ताव को खारिज किया गया। गठबंधन में वाममोर्चे के नेताओं का प्रभाव ज्यादा है और वे हरेक बैठक को ह्यतारपीडोह्ल करते रहे हैं। ममता का आरोप है कि राज्य में कांग्रेस की रैलियां की जा रही हैं। उनके खिलाफ जहर उगला जा रहा है। राहुल गांधी की ह्यन्याय यात्राह्ल की न तो उन्हें जानकारी दी गई और न ही कोई आमंत्रण मिला। बंगाल में ह्यन्याय यात्राह्ल और राहुल गांधी के जो पोस्टर लगाए गए थे, ममता की घोषणा के बाद उन्हें फाड़ना शुरू कर दिया गया। दोनों दलों के बीच विषैला अलगाव इस सीमा तक पहुंच चुका है। अंततः ममता ने फैसला किया कि उनकी तृणमूल कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस के साथ, कोई गठबंधन नहीं करेगी और सभी 42 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। हालांकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पार्टी का नरम रुख जताया कि ममता के बिना गठबंधन की कल्पना तक नहीं की जा सकती। बहरहाल तृणमूल कांग्रेस बंगाल की सबसे मजबूत राजनीतिक ताकत है। 2019 के लोकसभा चुनाव में 43 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल कर उसके 22 उम्मीदवार जीते थे, जबकि कांग्रेस के 5.5 फीसदी वोट के साथ मात्र 2 उम्मीदवार ही संसद तक पहुंच पाए थे। वाममोर्चे को करीब 7.5 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन सांसद के तौर पर ह्यशून्यह्ल ही नसीब हुआ। भाजपा को 40 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे और उसके पहली बार 18 सांसद चुने गए। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि पंजाब के सीटों पर किसी से समझौता नहीं होगा। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में 13 लोकसभा सीट के लिए करीब 40 उम्मीदवार शार्ट लिस्ट किए हैं।2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने पंजाब में 92 सीटें जीतीं, जबकी 2017 में उसके 20 उम्मीदवार जीते थे। और अब बिहार में इस इंडी महागठबंधन में आई सबसे बड़ी दरार ने पूर्व की राजनीतिक कयासों पर मुहर लगा दी है। ऐसा लगता है इंडी के बाकी घटक ये जान गए हैं कि कांग्रेस नीति और नेतृत्व की दृष्टि से खस्ताहाल में है। ऐसे में वे उसके साथ डूबने की बजाय खुद का बचाव करने की रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

ब्महान स्वतंत्रता सेनानी ह्यपंजाब केसरीह्ल लाला लाजपत राय जी की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। भारत की आजादी के लिए अपने प्राणों को आहूत कर देने वाले लाला जी के विचार और राष्ट्रभक्ति भगत सिंह जी जैसे कई युवाओं की प्रेरणाशक्ति बनी। देश की स्वाधीनता के साथ-साथ उसकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति बदलने की दिशा में भी लालाजी ने कई ऐतिहासिक कार्य किए। पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना व शिक्षा के क्षेत्र में किए अनेक कार्य उनके प्रयासों के प्रतिबिंब हैं। लालाजी के विचार सदैव हमें राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देते रहेंगे।

(केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

आज बलांगीर स्थित हरिशंकर मंदिर में पुजा अर्चना कर भक्ति और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद उठाया। माना जाता है कि यहां भगवान श्रीराम वनवास काल के दौरान माता सीता व भाई लक्ष्मण के साथ आये थे। प्रभु श्रीराम ने झरने के निर्मल जल से भगवान शिव का अभिषेक किया था। आज मैंने भगवान हरिशंकर से बलांगीर को कुपोषण मुक्त करने और सभी ओड़िशावासियों के कल्याण की कामना की।

(राज्यपाल ओडीसा रघुवर दास का 'एक्स' पर पोस्ट)

एक गुमनाम गायक

मोहम्मद रफी साहब ने अपने गायन के आरंभ में जिस गायक के स्टाइल को अपनाया वे जीएम दुरानी थे। यहां तक कि रफी साहब ने अपने फिल्मी करियर का पहला हिंदी गीत दिल हो काबू में तो दिलदार की ऐसी तैसी संगीतकार श्याम सुंदर की धुन पर फिल्म गांव की गोरी (1944) के लिए जीएम दुरानी के साथ कोरस में गया था। जीएम दुरानी ने फिल्मों में कुल मिलाकर लगभग 500 गीत गाए हैं । 1944 से 1951 तक वे अपने गायन के शीर्ष पर थे। दुरानी साहब अच्छे गायक ही नहीं बल्कि अच्छे संगीतकार के साथ-साथ अच्छे अभिनेता भी थे। फिल्मों में संगीतकार के रूप में उन्होंने गुंजन नाम का इस्तेमाल किया। अभिनेता के तौर पर उनकी कुछ फिल्में थीं- रेत महल (1949), तीसरा कौन (1965), आकाशदीप (1965), बहारें फिर भी आएगी (1966), लाल पत्थर (1971) और भूमिका (1977)। जीएम दुरानी का पूरा नाम गुलाम मुस्तफा दुरानी था। वह 1919 में पेशावर में पैदा हुए थे। पिता की सख्ती से तंग आकर 1935 में एक दिन उन्होंने घर छोड़ दिया और गायक के रूप में अपनी किस्मत आजमाने के लिए बंबई की ट्रेन में बिना टिकट सवार हो लिए। टिकट चेकर ने उनकी सुरीली आवाज सुनकर उन्हें बेटिकट जाने दिया। बंबई में उनके एक दोस्त इसाक शिकारपुरी थे जो एआर कारदार के फिल्मों में गायक व संगीतकार थे ने उन्हें कई लोगों से मिलवाया। मिनर्वा मूवीटोन के सोहराब मोदी को उनकी गायकी का अनोखा अंदाज पसंद आ गया और उन्होंने उस समय बन रही अपनी फिल्म सैद-ए-हवस (1938) में उन्हें दरबारी गायक का रोल दे दिया। तब तक भारतीय फिल्मों में प्ले बैक की प्रथा चालू नहीं हुई थी इसलिए उन्हें सीधे कैमरे के सामने खड़े होकर शराबी का अभिनय करते हुए एक गजल गानी पड़ी। इस बीच मिनर्वा मूवीटोन की कई फिल्म फ्लॉप हो गईं तो उन्हें मजबूरन ऑल इंडिया रेडियो में 40 रुपये की नौकरी करनी शुरू कर दी। प्ले बैक तकनीक के शुरू होने के साथ ही 1940 की फिल्म बहुरानी में उनके गुरु संगीतकार रफीक गजनवी ने उनसे कई गीत गवाए लेकिन ऑल इंडिया रेडियो की सरकारी नौकरी के कारण ग्रामोफोन में उनका नाम नहीं दिया गया। 31 दिसंबर, 1940 को उन्होंने अपनी रेडियो की नौकरी को अलविदा कह दिया और पूरी तरह से अपने फिल्मी करियर पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया। इसके बाद तो उन्होंने 'मिर्जा गालिब', 'हमलोग', 'मगरूर', 'शमा', 'नमस्ते', और 'सबक' जैसी सुपरहिट फिल्मों के लिए खुर्शीद अनवर, नौशाद, शंकर राव व्यास और एआर कुरैशी (अल्ला रक्खा) जैसे प्रसिद्ध संगीत-निर्देशकों के लिए गाया और लोकप्रियता के बेहद ऊंचे मुकाम पर जा बैठे। कई गायकों ने उनके साथ अपने करियर की शुरूआत की। मोहम्मद रफी के अलावा जोहराबाई अम्बालावाली से लेकर सुरैया, उमादेवी, सितारा, शमशाद बेगम, नूरजहां, खान मस्ताना और अमीरबाई कर्नाटकी, कोई भी ऐसे गायक-गायिका नहीं थे जिन्होंने दुरानी के साथ न गाया हो। लता मंगेशकर (चांदनी रात) और गीता दत्त (दो भाई) ने भी अपने करियर की शुरूआत दुरानी के साथ गाये ड्यूएट के जरिये ही की थी। दिलचस्प बात यह है कि वह हिंदू भक्ति गीत गाने वाले पहले मुस्लिम गायकों में से एक थे। ऐसा ही एक गाना उन्होंने संगीतकार शंकर राव व्यास के लिए गाया था, फिल्म भरत मिलाप (1942) में रघुकुल रीत सदा चली आईः - उसी वर्ष उन्होंने फिल्म चूड़ियां में संगीतकार एसएन त्रिपाठी के लिए शीर्षक गीत चूड़ियां ले लो गाया। संगीतकार ख्वाजा खुर्शीद अनवर के वे सहायक भी रहे। उनकी सिफारिश पर उन्होंने स्वतंत्र संगीतकार के रूप में अंगूरी (1941) किस्मत पलट के देख (1961) और फिल्म स्टेट एक्सप्रेस (1961) में गुंजन के नाम से संगीत भी दिया। एक गायक के रूप में उनका करियर अचानक खत्म हो जाने के पीछे कई दस्तानें हैं। कुछ लोगों का कहना है कि एक गीत की रिकॉर्डिंग के दौरान उस समय की एक गायिका जो बाद में बहुत बड़ी हस्ती बनकर उभरी के पहनावे पर की गई टिप्पणी के कारण उन्होंने कई संगीतकारों से उनसे गाना न गवाने को कहा।

कहां तक टिकेगा गठबंधन

विपक्षी गठबंधन इंडिया के विभिन्न घटक दलों के नेताओं की ओर से जिस तरह की बयानबाजी देखने को मिल रही है, वह साथ चुनाव लड़ने के इच्छुक दलों के लिए किसी भी रूप में सहज नहीं कही जा सकती। हालांकि गठबंधन के कई नेता विश्वास जता रहे हैं कि मामला आखिरकार सुलझ जाएगा, लेकिन इस बयानबाजी के निहितार्थ दूर तक जाते हैं। तृणमूल कांग्रेस चीफ ममता बनर्जी का यह कहना सामान्य बात नहीं कि सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस ने प्रस्ताव ठुकरा दिया है और वह पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ेंगी। ममता अपनी पार्टी की सर्वोच्च नेता हैं। वह जब किसी किंतु-परंतु की गुंजाइश रखे बगैर इस तरह का अंतिम लगने वाला बयान देती हैं, तो उसके गहरे मायने हैं। इससे पीछे हटना न केवल मुश्किल बल्कि नुकसानदेह भी हो सकता है। पंजाब के मुख्यमंत्री और आप नेता भगवंत मान ने भी साफ-साफ कह दिया कि अन्य राज्यों में चाहे जो भी फॉर्म्युर्ला निकले, पंजाब में पार्टी कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी। ध्यान रहे, पंजाब में कांग्रेस के नेता पहले से ही आप के साथ गठबंधन में जाने का विरोध कर रहे हैं। हालांकि मान का बयान आने के कुछ ही समय बाद आप की ओर से यह सफाई दी गई कि सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत अभी जारी है और वहां जो सहमति बनेगी पार्टी उसका पालन करेगी। लेकिन भगवंत मान का बयान इतना संकेत तो दे ही देता है कि समझौता हो भी गया तो उसे पंजाब में स्थानीय कार्यकर्ताओं के गले उतारना मुश्किल होगा। यह सब जैसे काफी न था, जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने के फैसले के बहाने बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार ने भी सहयोगी दलों को निशाने पर ले लिया। उन्होंने न केवल इस फैसले के लिए मोदी सरकार की तारीफ की बल्कि यह भी कहा कि आजकल बहुत से लोग अपने परिवार को ही आगे बढ़ाने में लगे रहते हैं, पर उन्होंने (नीतीश कुमार ने) कर्पूरी ठाकुर की ही प्रेरणा से कभी अपने परिवार को आगे नहीं बढ़ाया। यह न केवल आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव पर हमला था बल्कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा कांग्रेस नेतृत्व की अक्सर की जाने वाली आलोचना की भी एक तरह से पुष्टि थी। यह बयान ऐसे समय आया है, जब नीतीश कुमार की इंडिया से कथित नाराजगी पहले से ही चर्चा में है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

लौट आई है फ्लिपकार्ट की क्राफ्टेड बाय भारत समर्थ सेल

मुंबई एजेंसी। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज अपने फ्लैगशिप सेल इवेंट क्राफ्टेड बाय भारत के सातवें संस्करण का एलान किया है। भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के मौके पर 26 जनवरी, 2024 को सेल आयोजित की जाएगी। यह विशेष सेल इवेंट भारत की संस्कृति एवं समृद्ध विरासत को समर्पित उत्सव है जिसमें देशभर से प्रतिष्ठित ब्रांड्स के हैंडलूम एवं हैंडीक्राफ्ट की विविध रेंज प्रदर्शित की जाएगी। इस इवेंट से मिलने वाले मौके को लेकर फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा हम गणतंत्र दिवस मना रहे हैं और इस अवसर पर अपने फ्लिपकार्ट समर्थ पार्टनर्स को उनके विविध उत्पाद प्रदर्शित करने के लिए प्लेटफॉर्म प्रदान करने और इस सेल इवेंट के दौरान हमारे 50 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों को समृद्ध भारतीय संस्कृति से जुड़ने का मौका देने की हमें खुशी है। सातवें संस्करण के साथ हम स्थानीय कारीगरों, बुनकरों, हस्तशिल्पियों, स्वयं सहायता समूहों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की विकास एवं समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए संकल्पबद्ध हैं। इस गणतंत्र दिवस पर श्क्राफ्टेड बाय भारतश् को गहरी सांस्कृतिक कहानियों से जुड़े अनूठे उत्पादों और विभिन्न क्षेत्रों के हाथों से बुने उत्पादों को प्रदर्शित करने के हिसाब से तैयार किया गया है, जिससे भारत की विरासत का अनुभव होगा।

ग्रेविटा इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही के परिणामों की घोषणा की

मुंबई एजेंसी। वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही में लीड की रीसाइक्लिंग मात्रा 34,488 मेट्रिक टन, एल्यूमीनियम की 3,264 मेट्रिक टन और प्लास्टिक की 2,458 मेट्रिक टन पर पहुंच गई. ग्रेविटा इंडिया ने रीसाइकलिंग उद्योग में अपनी लीडरशिप पोजिशन लगातार बनाए रखी है और वह सर्कुलर अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण पर फोकस कदम के रूप में उभरते सुअवसरों का लाभ उठाने के लिए बेहतर स्थिति में है. मैनेजमेंट अभी स्टेकहोल्डर्स के लिए वैल्यू का निर्माण करने और विश्वसनीय एप्रोच के साथ अपनी दीर्घकालीन विकास योजना पर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, ग्रेविटा इंडिया लिमिटेड के पूर्णकालिक डायरेक्टर और सीईओ श्री योगेश मल्होत्रा ने कहा, ग्रेविटा मजबूती से नए कारोबारी क्षेत्र में विविधीकरण पर फोकस करते हुए अपने महत्वाकांक्षी स्पष्ट विजन को हासिल करने की दिशा में प्रगति कर रही है और 25 प्रतिशत+ और 35 प्रतिशत+ का आय सीएजीआर तथा लाभप्रदता वृद्धि हासिल कर रही है. ।

बिरला कॉर्पोरेशन लि. के रायबरेली सीमेंट वर्क्स ने मनाई सिल्वर जुबली

रायबरेली, एजेंसी। श्री संदीप घोष, एमडी और सीईओ, बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश में एमपी बिरला सीमेंट की पहली ग्राइंडिंग यूनिट, रायबरेली सीमेंट वर्क्स की सीमेंट और हाउसकीपिंग मानदंडों पर दक्षता, सुरक्षा रिकॉर्ड, गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए इसे ÷छोटी लेकिन सुंदर-स्माल बट ब्यूटीफुल÷ कहकर सराहना की है। आज आरसीडब्ल्यू के सिल्वर जुबली समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस यूनिट ने ग्राहकों के लिए सेवा स्तर में सुधार करके पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रमुख बाजारों में कंपनी के ब्रांड्स की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने कंपनी का पहला प्रीमियम पीपीसी ब्रांड, एमपी बिरला सीमेंट अल्टीमेट भी तैयार किया, जिसे समझदार उपयोगकर्ताओं द्वारा बहुत सराहा गया। कंपनी की कुंदनगंज यूनिट की शुरूआत के बाद भी, रायबरेली हाई ग्रेड सीमेंट के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्रोत बना हुआ है, जो रायबरेली, लखनऊ और अमेठी-सुल्तानपुर बेल्ट के प्रमुख बाजारों की आपूर्ति करता है। घोष ने इस बात पर जोर दिया कि प्रदर्शन, नैतिकता और संस्कृति के लिए तारीफपाने की दृष्टि से कंपनी को अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ बनना होगा।

अदाणी समूह पर हुए हमले को किया विफल : गौतम अदाणी

मुंबई, एजेंसी। हमें अतीत में जीना नहीं चाहिए लेकिन उससे सीख लेते हुए निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। आज का दिन भी ऐसा ही मौका है। ठीक एक साल पहले न्यूयार्क स्थित शार्ट सेलर फर्म ने तथाकथित शोध रिपोर्ट पेश करते हुए अदाणी समूह के खिलाफ आरोपों का संकलन सार्वजनिक किया था। संकलन इसलिए कहा क्योंकि उसमे उल्लिखित तमाम आरोप, हमारे विरोधी समय-समय पर पहले भी लगाते रहे थे। कुल मिलाकर, यह प्रकट और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी से प्राप्त चुनिंदा अर्धसत्यों का एक चालाकी से तैयार किया गया मसौदा भर ही था। इन आरोपों को सिरे से खारिज कर हमने त्वरित प्रतिक्रिया दी लेकिन हमारी प्रतिक्रिया पर इस बार तथ्यहीन आरोप हावी हो रहे थे। शेयर बाजार और राजनीतिक बयानबाजी ने हमें कुछ ही समय में मामले की गंभीरता का अहसास करा दिया था।

शॉर्ट-सेलिंग हमलों का प्रभाव आम तौर पर वित्तीय बाजारों तक ही सीमित होता है। लेकिन यह एक अनोखा द्वि-आयामी हमला था - एक

वित्तीय और दूसरा राजनैतिक। दोनों क्षेत्रों का प्रभाव एक दूसरे पर पड़ा 7 मीडिया में कुछ लोगों की सहायता और प्रोत्साहन से हमारे खिलाफ झूठ इतना प्रभावी था कि हमारे पोर्टफोलियो की जमीनी वास्तविकतायें धूल धूसरित होती महसूस हो रही थीं। ऐसा इसलिए था क्योंकि आमतौर पर पूंजीबाजार तर्कसंगत से अधिक भावनात्मक होते हैं।

मुझे अधिक चिन्ता इस बात की हो रही थी कि हजारों छोटे निवेशकों अपनी बहुमूल्य बचत खो रहे थे। साथ ही, देश के लिहाज से भी चिंता का विषय यह था कि यदि हमारे विरोधियों की योजना पूरी तरह से सफल हो जाती तो डोमिनो प्रभाव (एक के प्रभाव से दूसरे का गिरना) से बंदरगाहों, हवाई अड्डों से लेकर बिजली उत्पादन-आपूर्ति श्रृंखला तक कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की संपत्तियों को नुकसान पहुंच सकता था। यह किसी भी देश के लिए एक भयावह स्थिति ही होती। लेकिन ईश्वर की कृपा और तमाम साथियों की सामूहिक कोशिशों से हम इस संकट से उभरे और मजबूत स्थिति में पहुंच गए। इस मुश्किल वक्त में वित्तीय निवेशक, ऋणदाता और रेटिंग एजेंसी सहित वित्तीय क्षेत्र के विशेषज्ञ, इस झूठ की सुनामी में भी पूरी ताकत से हमारे सच की पतवार को थामे रहे। इसकी वजह यह थी, उन्हें कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति एवं गवर्नेंस की गहराई से जानकारी थी।

लिहाजा, हमने दशकों से अपनाई पारदर्शी तथ्य और सत्य पर आधारित कार्यपद्धति को ही रणनीति का आधार बनाया। हमारा पहला निर्णय अपने निवेशकों की सुरक्षा करना था। 20 हजार करोड़ रुपये का एफपीओ पूरा सब्सक्राइब हो जाने के बाद भी हमने वह राशि निवेशकों को वापस लौटाने का फैसला लिया। दुनिया के कॉर्पोरेट इतिहास में अभूतपूर्व इस कदम ने निवेशक कल्याण और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

इस युद्ध के कुहासे भरे माहौल में हमारा सबसे बड़ा हथियार नकद पूंजी की पर्याप्त उपलब्धता भी थी। हमारे मजबूत नकदी भंडार में 30 हजार करोड़ रुपये थे। इसके अलावा, कंपनियों हमने अपनी हिस्सेदारी को घटाकर अतिरिक्त 40 हजार करोड़ रुपये जुटाए, इससे हमारी वित्तीय स्थिति और मजबूत हुई। यह राशि अगले दो वर्षों के लिए कर्ज चुकाने के बराबर थी। इसके लिए हमारी मदद वित्तीय बाज़ार में विश्वस्तरीय बेदाग़ वित्तीय संस्था जैसे जीक्यूजी पार्टनर्स और क्यूआईए ने की। ऐसी संस्थाओं का साथ मिलने से बाकी वित्तीय संस्थानों का भरोसा हमारे प्रति बढ़ा।

बैंकों को मार्जिन-लिंक्ड फाइनेंसिंग के 17 हजार 500 करोड़ रुपये का प्री-पेमेंट करके कंपनी के शेयरों को बंधन मुक्त कर हमने अपने पोर्टफोलियो को बाजार की अस्थिरता से बचाया और रिंग-फेंस किया।इन विपरीत परिस्थितियों से निपटने की जिम्मेदारी स्वयं पर लेते हुए मैंने अपने साथियों को स्पष्ट तौर से व्यवसायों के संचालन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा। वह किस कदर सफल भी रहे इसका अंदाजा इस बात से लगायें कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 47 प्रतिशत की रिकॉर्ड तोड़ मुनाफे में वृद्धि हुई। साथ ही अदाणी पोर्टफोलियो ने वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में भी अपना अब तक का सबसे अधिक लाभ दिया। इससे साफ जाहिर हो रहा था कि हम ठीक दिशा में आगे जा रहे हैं।

टेकमहिन्द्रा की तीसरी तिमाही की आय 1.8 प्रतिशत बढ़कर 13,101 करोड़ रुपये

मुंबई, एजेंसी। डिजिटल परिवर्तन, परामर्श और बिजनेस रिइंजीनियरिंग सेवाओं में विशेषज्ञ कंपनी टेक महिन्द्रा ने 31दिसंबर, 2023 को समाप्त हुई तिमाही के लिए अंकेक्षित समेकित वित्तीय नतीजों की आज घोषणा की। आय 157.3करोड़ डालर रही, तिमाही दर तिमाही 1.1प्रतिशत अधिक, साल दर साल 5.7प्रतिशत कम श स्थिर मुद्रा संदर्भ में आय तिमाही दर तिमाही 1.1प्रतिशत बढ़ी। एबिटा 13.8करोड़ डालर रहा, तिमाही दर तिमाही 6.4प्रतिशत अधिक, साल दर साल 47.1प्रतिशत कम, मार्जिन 8.8प्रतिशत, तिमाही दर तिमाही 40 आधार अंक अधिक। कर बाद लाभ 6.1करोड़ डालर, तिमाही दर तिमाही 3.0प्रतिशत अधिक, साल दर साल 61.0प्रतिशत कम। टेक महिन्द्रा के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ मोहित जोशी ने कहा, बीती तिमाही परिणा के लिहाज से मिलीजुली रही जिसमें विनिर्माण एवं हेल्थकेयर खंड में वृद्धि रही, लेकिन संचार, बीएफएसआई और हाईटेक जैसे क्षेत्रों में मामूली खर्च रहा। जहां इन बाजारों में इस विरोधाभास को दूर होने में अपना समय लगेगा, हम नई संरचना के तहत आंतरिक रूप से पुनः संगठित होने पर ध्यान दे रहे हैं और साथ ही हमारे संगठनों की नीव मजबूत कर रहे हैं। टेक महिन्द्रा के मुख्य वित्तीय अधिकारी रोहित आनंद ने कहा, इस साल ने हमें वापस जाकर अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का अवसर दिया है। हमें विश्वास है कि इन कदमों से हमें हमारी कार्यप्रणाली दुरुस्त करने और दीर्घकाल में मूल्य प्रदान करने में मदद मिलेगी।

गोदरेज समूह हीरे जैसा मज़बूत के शानदार विचार के साथ मना रहा है गणतंत्र दिवस

मुंबई एजेंसी। भारत 26 जनवरी को अपना 75वां गणतंत्र दिवस मनाने के लिए तैयार है और ऐसे में गोदरेज समूह को परिवर्तित राष्ट्र की यात्रा का जश्न मनाते हुए एक डिजिटल अभियान शुरू करने पर गर्व है। यह अभियान, आधिकारिक थीम, ्हीरेजैसामज़बूत (विकसित भारत) के अनुरूप उन आम नागरिकों पर केंद्र में रखता है, जिन्होंने भारत की असाधारण गणतंत्र की हीरक जयंती को आकार दिया है। यह अभियान एक मार्मिक वीडियो कथा के ज़रिये उन दबावों, अथक परिश्रम और दृढ़ दृष्टि का सम्मान करता है, जिसने हमारे देश को हीरे के रूपक में बदल दिया है। किसानों से लेकर उद्यमियों तक, डॉक्टरों से लेकर सैनिकों तक और एथलीटों से लेकर कलाकारों तक, यह अभियान विविध पृष्ठभूमि और आयु वर्ग के आम जीवन के नायकों की कहानियों पर रोशनी डालता है, जिन्होंने भारत के विकास और गौरव में योगदान दिया है। गोदरेज इंडस्ट्रीज की कार्यकारी निदेशक और मुख्य ब्रांड अधिकारी, तान्या दुबाश ने इस अभियान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, हम 75वें गणतंत्र दिवस का जश्न मना रहे हैं और इस मौके पर हम अपने देश की दृढ़ता स्वीकार कर इसका जश्न मनाना चाहते हैं, जो बिलकुल हीरे की तरह दबाव झेलकर और भी अधिक मज़बूत बनकर उभरा। ्हीरेजैसामज़बूत के ज़रिये हम देश और देश के नागरिकों की उल्लेखनीय यात्रा का जश्न मनाना चाहते हैं और हमें उम्मीद है कि यह सभी को हमारे राष्ट्र के निरंतर विकास और प्रगति में योगदान करने के लिए प्रेरित करेगा।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त अवधि के लिए 26,000 करोड़ का नया बिजनेस प्रीमियम दर्ज किया

मुंबई एजेंसी। देश के अग्रणी जीवन बीमाकर्ताओं में से एक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त अवधि के लिए 26,000 करोड़ रुपये का न्यू बिजनेस प्रीमियम दर्ज किया, जबकि 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त अवधि में यह 21,512 करोड़ रुपये था। सिंगल प्रीमियम में 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त इसी अवधि की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सुरक्षा पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए, एसबीआई लाइफ का प्रोटेक्शन न्यू बिजनेस प्रीमियम 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त अवधि के लिए 2,972 करोड़ रहा, जो 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त अवधि के लिए सुरक्षा व्यक्तिगत न्यू बिजनेस प्रीमियम यह 667 करोड़ रुपये रहा। व्यक्तिगत न्यू बिजनेस प्रीमियम 17,762 करोड़ रुपये रहा, 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त इसी अवधि की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

SBI Life
Apne liye. Apno ke liye.

31 दिसंबर, 2023 को समाप्त अवधि के लिए एसबीआई लाइफ का कर पश्चात लाभ 1,083 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का सॉल्वेंसी अनुपात 1.50 की नियामक आवश्यकता के मुकाबले 31 दिसंबर, 2023 तक 2.09 पर मजबूत बना हुआ है। एसबीआई लाइफ का एयूएम भी 65:35 के ऋण-इक्विटी मिश्रण के साथ 31 दिसंबर, 2023 को 24 प्रतिशत बढ़कर 3,71,410 करोड़ रुपये हो गया, जो 31 दिसंबर 2022 को 2,99,987 करोड़ रुपये था। 95 प्रतिशत से अधिक ऋण निवेश एएए और सॉवरेन उपकरणों में हैं।

सर्वोकॉन सिस्टम्स ने परिवारों और व्यवसायियों के लिए सोलर रूफटॉप फाइनैंसिंग की सुविधा शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी। पावर कंडीशनिंग इक्विपमेंट और ट्रांसफॉर्मर निर्माण क्षेत्र में प्रख्यात एवं भारत के टॉप सर्वो वोल्टेज स्टैब्लाइजर मैन्युफैक्चरर का दर्जा पाने वाली कंपनी सर्वोकॉन सिस्टम्स लिमिटेड अपनी संपूर्ण सोलर फाइनैंसिंग पहल पेश कर उत्साहित है। यह पहल ग्राहकों को टिकाऊ रिन्यूएबल ऊर्जा समाधान अपनाने के लिए सुविधाजनक और सक्षम विकल्प प्रदान कराती है। सोलर एनर्जी के व्यापक तरीके से इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए सर्वोकॉन सिस्टम्स ने अपना सोलर रूफटॉप प्रोजेक्ट फाइनैंसिंग प्रोग्राम पेश किया है। कंपनी किफायती और भरोसेमंद सोलर पैनलों, इन्वर्टर और एक्सेसरीज की व्यापक रेंज पेश करती है जिससे पर्यावरण अनुकूल दुनिया के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का पता चलता है। सर्वोकॉन सिस्टम्स सोलर पैनल इंस्टॉलेशन के लिए संपूर्ण समाधान प्रदान कराती है जिससे ग्राहकों के लिए कार्य बेहद आसान हो जाता है। सोलर पैनल खरीदने पर ग्राहकों को कम परिचालन लागत और प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों के साथ ऋण अवधि चुनने जैसे फायदे मिलेंगे। कंपनी का पूरे देश में वितरकों का मजबूत नेटवर्क है जो आवासीय और व्यावसायिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है और अपने उत्पादों की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करता है। सर्वोकॉन सिस्टम्स लिमिटेड में सोलर डिवीजन के निदेशक आसिफ खान ने कहा, 'मौजूदा समय में 7 मेगावॉट की निर्माणाधीन क्षमता के साथ साथ संपूर्ण सौर परियोजनाओं में 3 मेगावॉट की हमारी उपलब्धि अक्षय ऊर्जा समाधानों को उन्नत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एनबीएफसी (गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनीयों) के साथ भागीदारी के जरिये, हम वित्तीय पहुंच बढ़ा रहे हैं। सर्वोकॉन सिस्टम्स आवासीय और व्यवसायियों को सौर क्रांति में शामिल होने, स्वच्छ, टिकाऊ ऊर्जा के लिए हमारे फाइनैंसिंग विकल्प का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित करती है। निरंतरता के लिए प्रतिबद्ध सर्वोकॉन प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों और ग्राहक-अनुकूल लोन लिमिट के साथ अक्षय ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रही है। विभिन्न चुनौतियों के बावजूद, वित्त वर्ष 2024 में सोलर उद्योग की मजबूती ऊर्जा संबंधित लक्ष्यों के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में हमारा नया अत्याधुनिक सोलर पैनल निर्माण संयंत्र टिकाऊ ऊर्जा समाधान को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता की जल्द ही पुनः पुष्टि करेगा।

रोल्स रॉयस स्पेक्टर दक्षिण भारत में लॉन्च

चेन्नई, एजेंसी। रोल्स रॉयस की पहली पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कार, स्पेक्टर को 23 जनवरी को दक्षिण भारत में लॉन्च किया गया दुनिया की पहली अल्ट्रा-लक्जरी इलेक्ट्रिक सुपर कूपे ने क्षेत्र में रोल्स रॉयस के लिए नए युग का सूत्रपात किया है दुनिया भर में स्पेक्टर के प्रति लोगों ने बेहद दिलचस्पी दिखाई है। 2024 तक इसकी डिलिवरी के ऑर्डर हैं। भारत के अल्ट्रा हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल्स (यूएचएनडब्ल्यूआई) की तादाद अगले पांच सालों में 58.4 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है। पिछले साल की तुलना में 2023 में रोल्स रॉयस की कारों की बिक्री लगभग दोगुनी हो गई दक्षिण भारत में इस गाड़ी को सबसे ज्यादा युवाओं ने खरीदा हम रोल्स रॉयस का दक्षिण भारत में स्वागत करने के लिए काफी उत्साहित हैं। यह रोल्स रॉयस के इतिहास का सबसे पसंदीदा मॉडल है, जिसका काफी बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।'' स्पेक्टर में रोल्स रॉयस की पिछली कारों के सभी

चिरपरिचित फीचर्स शामिल हैं। स्पेक्टर समकालीन डिजाइन, शानदार इंटीरियर और नेक्सट लेवल की इंजीनियरिंग की वजह से अपने आप में सबसे अनोखी कार है। इस कार उन युवाओं और कारोबारी उपभोक्ताओं के दिलोदिमाग पर छाई हुई है, जो अपने लिए सबसे ज्यादा आरामदायक लक्जरी कार चाहते हैं।

रोल्स रॉयस की स्पेक्टर अपने सेगमेंट में एकमात्र ऐसी कार है, जो काफी दुर्लभ है और काफी डिमांड में है। मैं काफी उत्साहित हूं कि मुझे चेन्नई में इस शानदार मोटरकार के प्रदर्शन का अवसर मिला है। यह रोल्स रॉयस के नई इलेक्ट्रिक कारों के युग की बोल्ड शुरुआत होगी। 2021 में, रोल्स रॉयस मोटर कार्स ने ऐतिहासिक घोषणा की, जो रोल्स रॉयस के इतिहास को हमेशा के लिए नया आकार देगी। रोल्स रॉयस ने इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। कंपनी ने अपनी ऑल इलेक्ट्रिक कार स्पेक्टर की घोषणा की। इस कार की उपभोक्ताओं को पहली डिलिवरी 2023 की चौथी तिमाही में की गई। 2030 के अंत तक इसके पोर्टफोलियो में सभी कारें इलेक्ट्रिक हो जाएंगी। रोल्स रॉयल की ऐतिहासिक कहानी में यह महत्वपूर्ण क्षण है। स्पेक्टर का सफर काफी शानदार रहा है। स्पेक्टर 2.5 मिलियन किलोमीटर के सफर को सफलतापूर्वक पूरा कर सबसे कठिन टेस्टिंग प्रोग्राम की कसौटी पर खरी उतरी है। पिछले अक्टूबर में स्पेक्टर को इंग्लैंड में वेस्ट ससेक्स में रोल्स रॉयस के घर से दुनिया भर में लॉन्च किया गया। इस कार के परफॉर्मेंस के प्रति लोगों का रेस्पॉन्स काफी सकारात्मक रहा। इस साल क्लाइंट को कार की पहली डिलिवरी करने से पहले रोल्स रॉयस को 23 जनवरी को दक्षिण भारत के चेन्नई में लॉन्च किया गया। दुनिया की पहली अल्ट्रा लक्जरी इलेक्ट्रिक सुपर कूपे को एक क्षेत्रीय टूर पर समान रूप से उपभोक्ताओं और मीडिया को दिखाया गया।

जियो सिनेमा पर राम जन्मभूमि मंदिर: द रिटर्न ऑफ ए स्प्लेंडिड सन का प्रसारण होगा

मुंबई एजेंसी। जियो सिनेमा पर 25 जनवरी से प्रतिष्ठित डॉक्युमेंट्री राम जन्मभूमि मंदिर: द रिटर्न ऑफ ए स्प्लेंडिड सन का प्रसारण हो रहा है। दिलीप पिरामल और अमीश त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत तथा अनिर्बन भट्टाचार्य और प्रणव चतुर्वेदी द्वारा लिखित, यह डॉक्युमेंट्री दर्शकों को अयोध्या की पवित्र भूमि के इतिहास और उन घटनाओं से रूबरू कराएगी, जो यह क्रांति लेकर आयीं। इस अभिनव डॉक्युमेंट्री में मर्यादा पुरूषोत्तम राम के प्रति विशुद्ध भक्ति भाव से ओत-प्रोत सभ्यता का केंद्र बने उस अजेय शहर में घटी घटनाओं की बारीकियों को दिखाया गया है। यह डॉक्युमेंट्री अमीश त्रिपाठी की नज़र से भगवान राम के जीवन के चित्रण से शुरू होती है, और 16 वीं शताब्दी में उनके मंदिर के विध्वंस की कहानी का खुलासा करती है। इसके बाद की घटनाओं में गहन संघर्षों और ऐतिहासिक निर्णयों, स्थानीय लोगों तथा विभिन्न क्षेत्रों की प्रभावशाली हस्तियों के जानकारीबद्ध क़िस्सों को दिखाया गया है। यह महत्वपूर्ण यात्रा पूरी दुनिया में लाखों लोगों के दिलों में जीवित है।

होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने लॉन्च की नई एनएक्स 500

नई दिल्ली, एजेंसी। होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने आज ₹ 5,90,000 (एक्सशोरूम, नई दिल्ली) की आकर्षक कीमत पर नई एनएक्स500' एडवेंचर टूरर का लॉन्च किया है। नया मॉडल सीबीयू (कम्पलीटली बिल्ट-अप)रूट के माध्यम से भारतीय बाज़ार में उपलब्ध होगा। अपने लोकप्रिय विशेषताओं की धरोहर के साथ इसमें कई अपग्रेड्स और नए स्टाइलिंग फीचर्स लाए गए हैं। 'नई एक्स-ओवर' एनएक्स500 इस तरह से डिज़ाइन की गई है कि यह हर तरह की सड़क पर संतोषजनक अनुभव प्रदान करेगी फिर चाहे मिट्टी से भरे लम्बे रास्ते हों या लम्बी दूरी की रोमांचक राईड। नई एनएक्स500 की बुकिंग शुरू हो चुकी है, जिसे बिगविंग डीलरशिप्स के माध्यम से भारत में बेचा जाएगा।

होण्डा की नई प्रीमियम एडवेंचर मोटरसाइकिल पेश करते हुए श्री त्सुत्सुमु ओतानी, मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेज़ीडेन्ट एवं सीईओ, होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने कहा, ''आज हम भारत में बहु-प्रतीक्षित एनएक्स500 का लॉन्च कर रहे हैं, यह हमारे लिए बड़ी उपलब्धि है। यह आधुनिक स्ट्रीट एडवेंचर मोटरसाइकिल इनोवेशन के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है और रोमांचक राईड का अनुभव प्रदान करती है। रोज़मर्रा के क्रॉसओवर डिज़ाइन, प्रीमियम टेक्नोलॉजी और लाईवली ट्विन सिलिंडर इंजन के साथ एनएक्स500 उपभोक्ताओं के लिए राईड के अनुभव को नया आयाम देने तथा दोपहिया वाहन पर एडवेंचर का जश्न मनाने के लिए तैयार है।''

सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड बोर्ड ने 8064 मिलियन रुपये की धनराशि जुटाने को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड (एसटीईएल) (बीएसई: 540642, एनएसई) लार्ज और हैवी स्टील स्ट्रक्चर्स के निर्माण में लगी हुई है, और टेलीकॉम, पावर, रेलवे और अन्य सहित विभिन्न प्रकार के उद्योगों को कस्टमाइज़ स्टील स्ट्रक्चर्स और ईपीसी सॉल्यूशंस देती है। कंपनी ने घोषणा की है कि 25 जनवरी 2024 को आयोजित अपनी बोर्ड मीटिंग में, बोर्ड ने विभिन्न प्रमोटर और नॉन-प्रमोटर एंटिटीज़ को, शेयरहोल्डर्स और अन्य रेगुलरिटी अथॉरिटी के अनुमोदन के अधीन, जैसा भी लागू हो, प्रेफेरेंशिएल बेसिस पर शेयर और कन्वर्टबल वारंट जारी करके 8064 मिलियन रुपये के फंड जुटाने को मंजूरी दे दी है।

नॉन-प्रमोटर ग्रुप कैटेगरी के अंदर नॉर्थ स्टार अपॉर्चुनिटीज़ फंड, एनएवी कैपिटल वीसीसी - एनएवी कैपिटल इमर्जिंग स्टार फंड, कोयस ग्लोबल अपॉर्चुनिटीज़ फंड, एलारा इंडिया अपॉर्चुनिटीज़ फंड आदि को शेयर और/या वारंट इश्यू किए जाएंगे, प्रमोटरों में शशांक अग्रवाल, शलभ अग्रवाल, राघव अग्रवाल और भरत अग्रवाल को वारंट जारी किया जाएगा।

यह प्रस्तावित आवंटन भी प्रत्येक इक्विटी शेयर और जारी किए गए वारंट के लिए संबंधित व्यक्तियों को प्रमोटर और नॉन-प्रमोटर, पब्लिक कैटेगरी से 4:1 के अनुपात में, प्रेफेरेंशिएल बेसिस पर जारी किए जाने वाले इक्विटी शेयर्स और वारंट्स के 4 फुली पैड बोनस शेयर्स के अधिकारी होंगे, क्योंकि प्रेफेरेंशिएल अलॉटमेंट के लिए निर्गम मूल्य कॉर्पोरेट कार्रवाई और रिकॉर्ड तिथि से पहले निर्धारित किया गया है।

इससे पहले, कंपनी को एक कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था, जिसकी कीमत 3,640 मिलियन रुपये थी। यह कॉन्ट्रैक्ट टर्नकी मोड में लॉस रिडक्शन कार्य के एग्जीक्यूशन पर आधारित है। यह कॉन्ट्रैक्ट कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसमें तमिलनाडु के इरोड जिले में पावर इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के उद्देश्य से किए गए व्यापक कार्य शामिल है। अनुबंध के तहत, सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड (एसटीईएल) को फेडर सेग्रीगेशन, हाई वोल्टेज डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम, डबल डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर को अलग करने और 33 केवी लाइन्स के संवर्द्धन की आपूर्ति, निर्माण और स्थापना का काम सौंपा गया है। उपरोक्त अनुबंध ऑर्डर बुक को और मज़बूत करता है और 36 महीनों के भीतर इसके पूरा होने की उम्मीद है, जिससे भारी एबिटा (श्वक्चढ्ढञ्ज्र) मार्जिन प्राप्त होगा। ।

ऑर्डर की जीत पर कमेन्ट करते हुए, सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड की प्रबंधन टीम ने कहा कि, हमें एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है जो उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और कटिंग एज इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस देने में हमारी क्षमताओं को रेखांकित करती है।

सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड ने तमिलनाडु जेनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड से 3,640 मिलियन रुपये का एक महत्वपूर्ण ईपीसी अनुबंध हासिल किया है। अनुबंध टर्नकी मोड में हानि कम करने के काम को निष्पादित करने पर केंद्रित है। हम डिज़ाइन और इंजीनियरिंग से लेकर मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग, सप्लाई, निर्माण और फेडर सेग्रीगेशन के इंस्टॉलेशन, हाई वोल्टेज डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम, डबल डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर को अलग करने और 33 केवी लाइनों के विस्तार तक प्रोजेक्ट के हर पहलू को संभालेंगे। परियोजना को क्रमिक चरणों में क्रियान्वित किया जाएगा।

2006 में इनकॉरपोरेटेड, सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड भारत में अनुकूलित स्टील फैब्रिकेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस प्रदाता है।

डीपीएमआई में वोकेशनल कोर्स के लिए आवेदन शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (डीपीएमआई) में 5 वोकेशनल कोर्सेस के लिए आवेदन मांगे जा रहे हैं। दिल्ली के न्यू अशोक नगर स्थित डीपीएमआई की प्रिंसिपल डॉ.अरूणा सिंह ने बताया कि आजकल युवाओं में व्यावसायिक शिक्षा को लेकर आकर्षण बढ़ गया है। इसी को देखते हुए डीपीएमआई अलग-अलग तरह के पांच वोकेशनल कोर्स चला रहा है। इन कोर्सेस के माध्यम से छात्रों को ऐसे कौशल सिखाए जाते हैं, जिनकी उन्हें नौकरी के दौरान जरूरत होती है। डीपीएमआई द्वारा संचालित बैचलर ऑफ वोकेशन (बी वोक) प्रोग्राम के तहत पांच वोकेशनल कोर्स में एडमिशन लिए जा रहे हैं।

इनमें होटल मैनेजमेंट, लैब टेक्नीशियन, मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नीशियन, रेडियोलॉजी और मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी, ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी के पाठ्यक्रम शामिल हैं। ये सभी कोर्स सरकार की प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) योजना का भी हिस्सा हैं, जिसका मकसद मान्यता और मानकीकरण को बढ़ावा देना है। डॉ. अरूणा सिंह के मुताबिक बी वोक पारंपरिक शैक्षणिक कार्यक्रम से अलग है क्योंकि यह केवल सैद्धांतिक ज्ञान की बजाय एप्लिकेशन बेस्ड लर्निंग पर फोकस करता है। यह कार्यक्रम स्नातक अध्ययन प्रदान करने वाले विश्वविद्यालयों और कॉलेजों पर केंद्रित है, जिसमें सामान्य शिक्षा के साथ-साथ रोजगार भी शामिल हैं।

फूड

साधारण सब्जी के बजाए बनाएं आलू-टमाटर का झोल

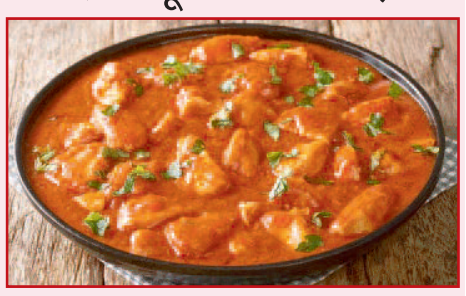

आलू एक ऐसी सब्जी है जिसे कई तरह से बनाया जा सकता है। हर सब्जी के साथ आलू को मिक्स किया जा सकता है। जितनी रेसिपीज केवल आलू से बन सकती हैं, शायद ही किसी और सब्जी से बन सकें। दाल की तरह ही ज्यादातर आलू भी हर दिन बनता है। आलू फ्राई, ग्रेवी आलू, आलू पराठा समेत कई डिश आलू के बिना अधूरे हैं। आज हम आलू की एक ऐसी रेसिपी बताएंगे जो स्वादिष्ट होने के साथ ही बनाने में आसान है। इसे रोटी पराठा या चावल किसी के साथ भी खाया जा सकता है। इस रेसिपी का नाम है आलू टमाटर का झोल। इसे साधारण आलू टमाटर की सब्जी मत समझिएगा। ये बहुत स्वादिष्ट सब्जी है। आलू टमाटर का झोल आप रूटीन खाने में तो बना ही सकते हैं, छोटे मोटे कार्यक्रम में भी ये सब्जी खाने का स्वाद बढ़ा देगी। हल्के उबले हुए आलू, पनीर, प्याज, टमाटर, अदरक, हरी मिर्च, लहसुन, हल्दी, नमक, लाल मिर्च पाउडर, तेल, हरी इलायची, दालचीनी, लौंग, जीरा, धनिया पाउडर, हींग, दूध, मक्खन, पुदीना।

स्टेप 1-उबले आलूओं में हल्दी, नमक, लाल मिर्च पाउडर और थोड़ा सा तेल डालकर मिक्स कर लें। फिर फ्राई कर-के रख दें। स्टेप 2- अब एक बर्तन में पनीर में हल्दी, नमक, लाल मिर्च और थोड़ा सा तेल डालकर रख दें।

स्टेप 3- मसाला लगे पनीर को फ्राई करके रखें।

स्टेप 4- अब एक पैन में तेल गर्म करें। इसमें इलायची, हरी इलायची, दालचीनी, लौंग और जीरा डालकर फ्राई कर लें।

स्टेप 5- अब इसमें बारीक कटा प्याज गोल्डन ब्राउन होने तक भूनें और अदरक व हरी मिर्च डालें।

स्टेप 6- फिर हल्दी, जीरा पाउडर, धनिया पाउडर, हींग और टमाटर डालें। टमाटर नरम हो जाये तो पानी डालकर धीमी आंच पर 3 से 4 मिनट तक पकाएं।

स्टेप 7- अब दूध और मक्खन डालकर 3 से 4 मिनट पकाएं। फिर आलू जिसे अच्छे से कुरकुरे फ्राई किये हों और पनीर को डालकर धीमी आंच पर पका लें। धनिया या पुदीना की पत्ती से गार्निश कर के सर्व करें।

फैशन

वाइट शर्ट

बेसिक वाइट शर्ट को स्टाइल करने के 3 धमाल तरीके

एक खूबसूरत वाइट पॉपलिन शर्ट हर महिला की वॉर्डरोब में होती ही है। देखा जाए तो आपके पास एलबीडी (लिटिल ब्लैक ड्रेस) हो या न हो, पर वाइट शर्ट शर्तिया होती है। आखिर वाइट शर्ट वसेर्टाइल जो होती है। उसे एक से अधिक अवसरों पर पहना जा सकता है। बावजूद इसके ज्यादातर लोग वाइट शर्ट को स्टाइल करने के ज्यादा तरीके नहीं जानते। वे अपने घिसे-पिटे तरीके से ही वाइट शर्ट को स्टाइल करते हैं, मसलन-या तो इसे ब्लेजर के नीचे पहनते हैं या फॉर्मल ट्राउशर्स के ऊपर। वाइट शर्ट का पूरा इस्तेमाल करने के लिए ज्यादातर लोगों को मदद की जरूरत होती है, खासकर मॉडर्न और कम बोरिंग लुक के लिए। यहां हम वाइट पॉपलिन शर्ट को स्टाइल करने के तीन तरीके बताने जा रहे हैं। वाइट शर्ट को इस तरह स्टाइल करना आपको बेशक नब्बे के दशक की याद दिला देगा, पर आपका ओवरऑल गेटअप कमाल लगेगा। इस कॉम्बिनेशन के साथ कुछ रंग जोड़ने के लिए ब्राइट स्लिंगबैक किटेन हील्स लें। जैसा कि यहां फोटो में डिजाइनर अमिना मुआद्दी के ह्यहोली ग्लासह्ल पम्प्स को पेयर किया गया है। लुक को कम्पलीट करने के लिए बड़े सीक्वेन वाले शाइनी पर्स कैरी करें या पुराने दिनों के फैशन को दोबारा जीने के लिए फेंडी बगेट के पेयेट पैटर्न को आजमा सकती हैं। अब आप सोच रही हैं कि यह कॉम्बिनेशन किस अवसर के लिए अच्छा रहेगा? हमारा जवाब है, सभी अवसरों के लिए। केंडल, हेली और कुछ दूसरी मशहूर हस्तियों ने बायसायकल शॉर्ट्स को ट्रेंड में ला दिया है। वे अपने सुडौल पैरों को इन

शॉर्ट्स में प्रदर्शित करके दूसरी लड़कियों को भी ऐसा करने की प्रेरणा देती हैं। एक कैजुअल और साथ ही साथ सुपरमॉडल-शीक लुक के लिए क्रिस्प वाइट शर्ट को इन शॉर्ट्स के साथ पेयर करें। इनके साथ आप बतौर ऐक्सेसरी डबलएक्सएल टोट या होबो या कोई दूसरा बड़ा बैग ले सकती हैं। इन बैग्स में काफी सामान आ सकता है। जूतों की बात करें तो इनके साथ आपको थ्रोबैक शूज जैसे-चंकी स्पाइस गर्ल से प्रेरित स्नीकर्स या प्लैटफॉर्म सैंडल्स पहनना चाहिए। लुक में थोड़ा दमक जोड़ना चाहती हैं तो इसके साथ शाइनी ईयरिंग्स पहन

हेल्थ

माइग्रेन

रोगियों में स्ट्रोक का खतरा होता है अधिक?

स्ट्रोक का खतरा वैश्विक स्तर पर बढ़ता जा रहा है। कुछ दशकों पहले तक इसे उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या के तौर पर जाना जाता था, हालांकि अब युवा आबादी भी इसकी शिकार होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों के मुताबिक हर साल डेढ़ करोड़ से अधिक लोग स्ट्रोक के शिकार हो रहे हैं और करीब 50 लाख लोगों की मौत हो जाती है। आंकड़ों के मुताबिक 45 वर्ष से कम उम्र के लगभग 70,000 अमेरिकियों को स्ट्रोक होता है। लगभग 10 से 15 प्रतिशत वयस्कों में समय के साथ ये जोखिम बढ़ रहा है। स्ट्रोक के बढ़ते जोखिमों की रोकथाम और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्ट्रोक के शिकार लोगों को बेहतर देखभाल सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से हर साल 29 अक्तूबर को विश्व स्ट्रोक दिवस मनाया जाता है। स्ट्रोक को लेकर बड़ा सवाल ये है कि युवा इसके शिकार क्यों हो रहे हैं और इससे बचाव के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं? स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, स्ट्रोक दो प्रकार के होते हैं: इस्केमिक और हेमोरेजिक। सबसे अधिक मामले इस्केमिक स्ट्रोक के रिपोर्ट किए जाते हैं जो मस्तिष्क तक जाने वाली धमनी में रक्त के थक्कों के निर्माण के परिणामस्वरूप होती है। वहीं हेमोरेजिक स्ट्रोक, तब होता है जब मस्तिष्क में या उसके पास रक्त वाहिका फट जाती है। हमारे जीवनशैली की कई गड़बड़ आदतों के कारण रक्त वाहिकाएं अवरुद्ध हो सकती हैं, जिसको लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। युवा वयस्कों में स्ट्रोक के बढ़ते खतरे के लिए जिन जोखिम कारकों को प्रमुख माना जा रहा है उनमें गड़बड़ लाइफस्टाइल, धूम्रपान-शराब का सेवन, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3078

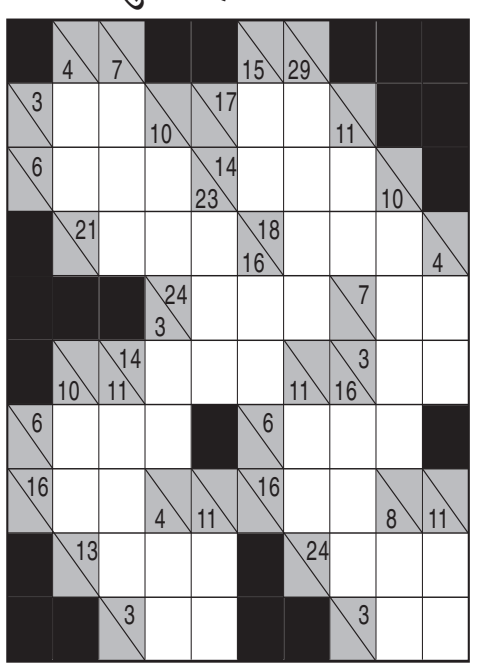

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

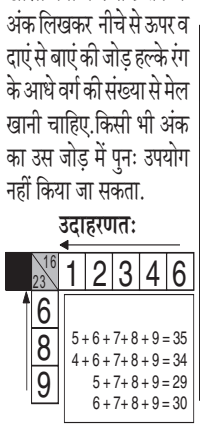

काकुरो - 3077 का हल

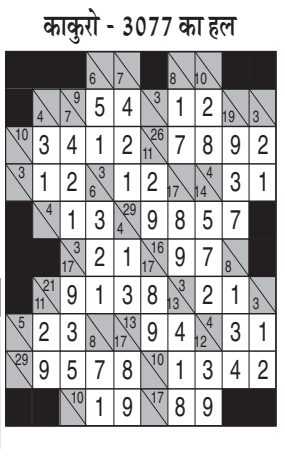

हंसी के फव्वारें

अपराधी का पहला अपराध होने के कारण न्यायाधीश ने उसे क्षमा करते हुए कहा-'हमें पूरा विश्वास है तुम कभी यहां दिखाई नहीं दोगे.'

हां हजूर, मेरी कोशिश होगी कि पुलिस मुझे न पकड़ सके और फिर कभी मैं यहां न दिखाई दूँ.

□ □ □

'अरे यह क्या ? आप कहां से आ रहे हैं ? कपड़े फटे हुए हैं. खून निकल रहा है, सिर पर चोट लगी है. चलो आपको घर पहुंचा दूं.' मित्र ने संवेदनाभरे स्वर में कहा.

नहीं, नहीं मैं घर नहीं जाऊंगा, घर से ही आ रहा हूँ, घायल ने शीघ्रतापूर्वक कहा.

□ □ □

एक यात्री ने बड़े तेज स्वर में रेलवे के स्टेशन मास्टर से शिकायत कि-चालीस मिनट हो गये, ट्रेन अभी तक नहीं पहुँची.

स्टेशन मास्टर ने कहा-घबराइये नहीं, यह टिकट चौबीस घण्टे तक चल सकता है.

□ □ □

क्या आप जानते हैं कि नाव को स्त्रीलिंग क्यों माना जाता है ?

'क्योंकि नाव हवा के साथ-साथ अपना रुख बदलती रहती है.'

□ □ □

शिक्षक: पानी पर मच्छर क्यों बैठते हैं ?

राजीव: इसलिए कि पानी उड़ न जाये.

फिल्म वर्ग पहेली- 3078

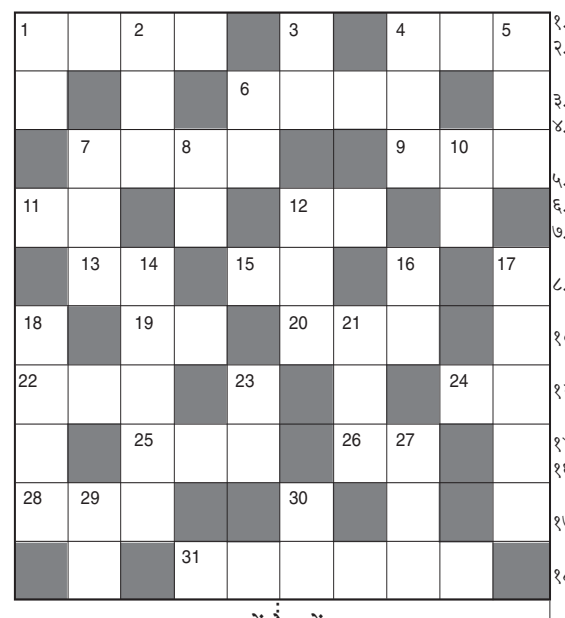

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम ?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3077

ह	ल	च	ल	■	जी	व	न	मृ	त्यु
व	■	मे	■	भू	त	■	■	त्यु	■
स	हे	ली	■	मि	■	खा	न	दा	न
■	र	■	शि	का	र	■	सी	ता	■
धू	म	■	वा	■	क्ष	■	ब	■	बे
प	■	खे	■	ता	क	त	■	■	ता
■	गो	ल	मा	ल	■	ला	ट	सा	ब
पा	पी	■	शू	■	जो	श	■	या	■
की	■	शं	क	र	■	■	घा	■	स्व
जा	नू	■	■	ज	मा	न	त	■	र्ग

सूडोकु -3078

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3077 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली -3078

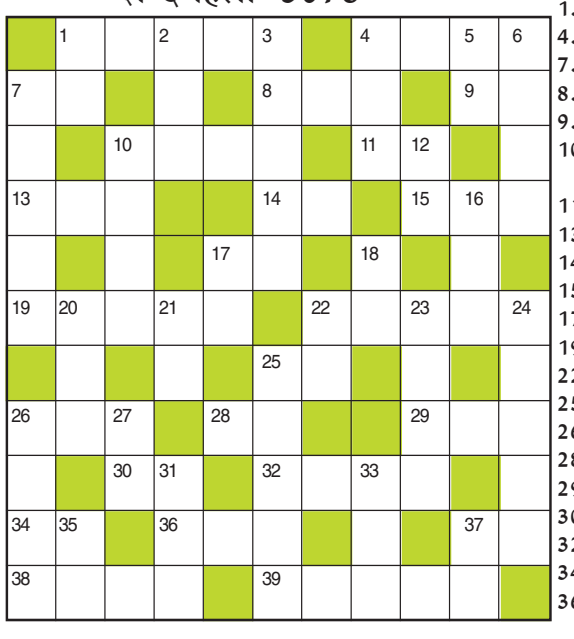

बाएँ से दाएँ

1. दयालु,उदार-5
4. गगन,आकाश-4
7. सरिता-2
8. चोगा,गाऊन-3
9. छुट्टी,अवकाश-2
10. आबे हयात,काबा कूप-4
11. रिहा-2
13. खाना,भोजन करना-3
14. जिद-2
15. हिम्मत,बल-3
17. कारागार-2
19. रइसे आजम,सूरी-5
22. दुत्कारना,डांटना-5
25. सराबोर-2
26. भोर,सवेरा-3
28. मूल्य,कीमत-2
29. महीन,बहुत छोटा-3
30. फूंक,दम,सुट्टा -2
32. झंकार,प्रतिध्वनि-4
34. उष्णता,ज्वर-2
36. ओट,चिलमन-3
37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर,सना हुआ-4
39. निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. कैदी,बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत,तैरता होटल-5
4. उर्दू में अभिवादन-3
5. पिटाई,चोट-2
6. नाजुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली,रिक्त-2
16. लाईन,पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-2
18. उदर-2
20. दीनहीन,दरिद्र-3
21. लश्कर,फौज-2
22. नष्ट,अद्वैतभाव-2
23. व्यवसाय,धंधा-4
24. नाम रखना -2,3
25. होशियार-5
26. सुर आलाप-2,2
27. अधिकार-2
31. प्रतिज्ञा-3
33. आकांक्षा,अभिलाषा-3
35. राह,मार्ग-2
37. टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -3077 का हल

■	खा	दि	म	■	■	■	र	ह	ना
दा	द	■	■	हा	ति	म	ता	ई	■
न	■	■	■	न	ल	■	र	स	■
व	च	न	■	स्म	र	ण	■	व	रा
■	क	ल	म	■	ण	■	नी	र	ज
■	ना	■	री	स	■	जा	ल	■	कु
■	चू	स	ना	■	प	■	म	हि	मा
च	र	खा	■	ग	रि	मा	■	ना	र
र	■	■	■	त	म	■	य	म	■
म	स्त	■	स	ला	ह	का	र	■	क
■	र	सी	ला	■	■	■	जी	तें	द्र

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में भारतीय टीम को 28 रनों से हराया

– प्लेयर ऑफ द मैच : ओली पोप

हैदराबाद (एजेंसी)। ओली पोप की शतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड ने पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को 28 रनों से हरा दिया। इस प्रकार पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड ने 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। मैच में ओली पोप की 196 रन की पारी ने मेहमान टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में इंग्लैंड ने भारतीय टीम को जीत के लिए 231 रनों का लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में 202 रनों पर ही आउट हो गयी। भारतीय टीम की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 15 रन पर आउट हुए जबकि शुभमन गिल अपना खाता भी नहीं खोल पाये। कप्तान रोहित शर्मा ने 39 रन बनाये। केएल राहुल 22 रन बनाकर जबकि अक्षर पटेल 17 रन बनाकर आउट हुए। आर अश्विन और केएस भरत के आउट होते ही भारतीय टीम हार गयी। इंग्लैंड की ओर से टॉम हार्टले ने शुरुआती तीनों विकेट लेकर भारतीय टीम की बल्लेबाजी को दबाव में ला दिया जिससे वह अंत तक नहीं उबर पायी।

इससे पहले आज सुबह ओली पोप के शानदार शतक से इंग्लैंड ने यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए चौथे दिन 231 रनों का कठिन लक्ष्य दिया है। पहली पारी में पीछे होने के बाद मेहमान टीम इंग्लैंड दूसरी पारी में ओली के शतक से संभल गयी और उसने 420 रन बनाये। ओली ने 196 रन बनाये।

इंग्लैंड की टीम ने इस मैच में जबरदस्त वापसी दिखायी। इस मैच में मेहमान टीम ने पहली पारी में बेन स्कोक्स के अर्धशतक के बाद भी केवल 246 रन बनाये थे। वहीं भारतीय टीम ने यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा के अर्धशतकों से 436 रन बनाये। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम को 190 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिल गयी थी।

वहीं दूसरी पारी में इंग्लैंड की आधी टीम बेहद कम रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद ओली ने साहसिक पारी खेलकर सभी को हैरान कर दिया। ओली ने 21 चौके लगाकर 196 रन बनाये। 21 चौके से सजी इस पारी की बदौलत इंग्लैंड दूसरी पारी में 420 रन तक पहुंच गयी। भारतीय टीम के पास पहली पारी के आधार पर 190 रनों की बढ़त थी ऐसे में उसे जीत के लिए 231 रन बनाने हैं।

भारत की ओर से दूसरी पारी में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए केवल 41 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं पहली पारी में तीन विकेट लेने वाले आर अश्विन ने दूसरी पारी में भी तीन विकेट लिए। वहीं दूसरी पारी में रवींद्र जडेजा ने दो विकेट लिए। पहली पारी में जडेजा ने तीन विकेट लिए थे।

रिदम और उज्जवल ने जीता 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में गोल्ड

काहिरा (एजेंसी)। भारत के रिदम सांगवान और उज्ज्वल मलिक ने आईएसएसएफ विश्व कप 2024 में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय निशानेबाजी टीम ने आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अर्मेनियाई जोड़ी एल्मिरा करापेटियन और बेनिक खलघटयान को 17-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

वहीं कजाकिस्तान की इरिना यूनुसमेतोवा और वेलेरी राखिमजान ने इटली की चियारा जियानकामिली-फेडेरिको निलो मालदिनी की जोड़ी को 16-8 से हराकर कांस्य पदक जीता। क्वालीफिकेशन राउंड में भारतीय जोड़ी ने 580 का स्कोर बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि करापेटियन-खलघटयान 581 अंकों के साथ 24 निशानेबाज़ों के बीच में शीर्ष पर रहे।

मनु भाकर और रविंदर सिंह ने आठवें स्थान के लिए 575 का स्कोर हासिल किया और मेडल राउंड में जगह नहीं बना सके। मनु भाकर ने भी शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत राउंड में निराशाजनक प्रदर्शन किया और 18वें स्थान पर रहने के बाद फाइनल में जगह बनाने में असफल रहीं। इस बीच, अर्जुन बाबुता और सोनम मास्कर को 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक मैच में ग्रेट ब्रिटेन के सियोनैड मैकिन्टोश और डीन बेल से 16-14 से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इससे पहले, अर्जुन बाबुता और सोनम मास्कर ने 38-टीम क्वालीफाइंग राउंड में 632.3 का स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया था। नैंसी और पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल 627.4 के स्कोर के साथ 20वें स्थान पर रहे। अनुराधा देवी ने शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता था। एक स्वर्ण पदक और दो रजत पदक के साथ भारत आईएसएसएफ विश्वकप के पहले चरण में शीर्ष पर है। कजाकिस्तान, स्पेन, यूनान, ब्रिटेन और दक्षिण कोरिया ने भी एक-एक स्वर्ण जीता है, लेकिन रजत पदक कम मिले हैं। पुरुष और महिला ट्रैप स्पर्धा में कोई भी भारतीय निशानेबाज मेडल राउंड में नहीं पहुंच सका।

बोपन्ना सबसे अधिक उम्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने

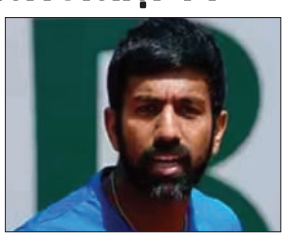

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत के रोहन बोपन्ना ने 43 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल टेनिस खिताब जीता है। इसी के साथ ही वह सबसे अधिक उम्र में ये खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। बोपन्ना ने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के साथ मिलकर ये खिताब जीता। दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन ने इटली के सिमोन बोलेली और एंड्रिया ववासोरी को 7-6(0), 7-5 से हराया। बोपन्ना ने इसी के साथ ही अपना पहला ग्रैंड स्लैम पुरुष युगल खिताब जीतने का लक्ष्य भी हासिल कर लिया है। बोपन्ना और एबडेन ने एक घंटे, 40 मिनट तक चले मुकाबले के बाद ये जीत दर्ज की। उन्होंने और एबडेन ने अहम चरणों में अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस प्रदर्शन किया। इस जोड़ी ने पहले सेट के टाई-ब्रेक में वापसी करते हुए जबरदस्त बढ़त दर्ज की वहीं इससे पहले 11वें गेम में दूसरे सेट में अहम ब्रेक भी हासिल किया । बोपन्ना और एबडेन ने हार्ड-कोर्ट मेजर में खेले गए सभी सात टाई-ब्रेक जीते। जीत के बाद बोपन्ना और एबडेन बेहद उत्साहित दिखे। यह पहली बार है जब बोपन्ना ने कोई बड़ा पुरुष युगल खिताब जीता है। इससे पहले वह साल 2010 और 2023 में अमेरिकी ओपन के फाइनल में हार गए थे। बोपन्ना ओपन युग में एक बड़ा पुरुष युगल खिताब जीतने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। वह अब एटीपी युगल रैंकिंग में सबसे अधिक उम्र में खिताब जीतने के मामले में नंबर एक खिलाड़ी बन गये हैं। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल का खिताब जीतने वाले 28वें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं। बोपन्ना ने इससे पहले साल 2017 में फ्रेंच ओपन में गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ मिश्रित युगल खिताब जीता था। वहीं उनके जोड़ीदार एबडेन ने अब तब दो पुरुष युगल खिताब जीते हैं। उन्होंने साल 2022 में मैक्स परसेल के साथ विंबलडन जीता है। बोपन्ना लिएंडर पेस, भूपति और मिर्जा के बाद ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले कुल मिलाकर चौथे भारतीय खिलाड़ी हैं।

वेस्टइंडीज ने रचा इतिहास,

27 साल बाद टेस्ट में आस्ट्रेलिया को उसी की सरजमीं पर हराया, श्रृंखला भी 1-1 से बराबरी की

ब्रिसबेन (एजेंसी)। शामार जोसेफ के सात विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने गाबा पर दिन रात का टेस्ट जीता जो आस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट में 27 साल बाद मिली जीत है। जोसेफ को वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में मिचेल स्टार्क का यॉर्कर लगा था और उन्हें मैदान से जाना पड़ा था। उन्होंने गेंदबाजी में कमाल दिखाते हुए 68 रन देकर सात विकेट लिये और आस्ट्रेलिया को 207 रन पर आउट कर दिया। सलामी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 146 गेंद में 91 रन बनाकर नाबाद रहे। एडीलेड में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 24 वर्ष के जोसेफ 11वें नंबर के बल्लेबाज जोश हेजलवुड का विकेट लेते ही खुशी के मारे उछल पड़े। वेस्टइंडीज ने एडीलेड टेस्ट तीन दिन के भीतर दस विकेट से गंवाने के बाद वापसी करके श्रृंखला में 1-1 से बराबरी की।

वाका पर 1997 में दस विकेट से जीत दर्ज करने के बाद से वेस्टइंडीज ने आस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच नहीं जीता है। कैमरन ग्रीन और स्मिथ ने216 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पहले घंटे में आस्ट्रेलिया को दो विकेट पर 60 रन तक पहुंचाया। जोसेफ ने लगातार दस ओवर डालते हुए पहले स्पैल में 60 रन देकर छह विकेट लिये। उस समय आस्ट्रेलिया को जीत के लिये 29 रन की जरूरत थी और उसके दो विकेट बाकी थे। जोसेफ ने ग्रीन (42) को आउट करके 71 रन की साझेदारी तोड़ी।

इसके बाद अगली यॉर्कर पर ट्रेविस हेड को पवेलियन भेजा। मिचेल मार्श (10) और एलेक्स कारी (दो) भी टिक नहीं सके। स्टार्क ने 21 रन बनाये लेकिन कवर में केविन सिनक्लेयर को कैच देकर जोसेफ का पांचवां शिकार बने। वहीं पहली पारी में नाबाद 64 रन बनाने वाले पैट कमिंस दो रन बनाकर आउट हो गए। जोसेफ ने नाथन लियोन को डिनर ब्रेक के बाद आउट किया। स्मिथ ने जोसेफ को फाइन लेग पर छक्का लगाकर लक्ष्य एक अंक का कर दिया लेकिन हेजलवुड का आफ स्टम्प उखाड़कर जोसेफ ने वेस्टइंडीज को जीत दिलाई।

27 साल बाद वेस्टइंडीज को ऑस्ट्रेलिया में मिली जीत पर भावुक हुए लारा

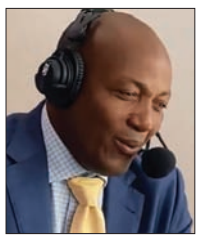

गाबा। शमर जोसेफ की घातक गेंदबाजी से वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में 8 रन से हरा दिया। शमर ने सात विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसे दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई टीम 216 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पायी और 207 रनों पर ही आउट हो गयी। वेस्ट इंडीज को ऑस्ट्रेलिया में 27 साल बाद मिली जीत पर वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा भी भावुक हो गये। लारा का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें उनकी आंखों में आंसू नजर आये। लारा ने खुशी में कमेंट्री बॉक्स में अपने साथी कमेंटेटर एडम गिलक्रिस्ट को गले लगा लिया। शमर ने जैसे ही ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड का विकेट लिया टीम को जीत मिल गयी। लारा ने मैच देखकर इस जीत को अविश्वसनीय बताया। साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया में हराने में 27 साल लग गए। युवा अनुभवहीन क्रिकेटरों को बेकार माना गया पर उन्होंने कमाल कर दिया। इससे उम्मीद है कि यह वेस्टइंडीज टीम अब मजबूती से खड़ी हो सकती है। वेस्टइंडीज क्रिकेट आज मजबूती से खड़ा हो सकता है। आज वेस्टइंडीज क्रिकेट में एक बड़ा दिन है। बधाई हो, हर एक को बधाई। वहीं जब वेस्टइंडीज के क्रिकेटर गाबा में विजय यात्रा के लिए निकले तो लारा भावनाओं से भर गए। इस मैच ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की नाबाद 91 रन की पारी भी उनकी टीम को बचा नहीं पायी।

रोहित भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले चौथे क्रिकेटर बने

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि हासिल कर ली है। रोहित भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले चौथे क्रिकेटर बन गए हैं। रोहित इसी के साथ ही पूर्व कप्तान सौरव गांगुली से आगे निकल गये।

रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में पहली पारी में 24 रन बनाये और इसी के साथ ही उनके कुल रन 18,444 हो गये।

रोहित ने 43.34 के औसत से 467 मैचों में ये रन बनाये हैं। भारतीय कप्तान ने इस दौरान 46 शतक भी लगाए। इससे पहले गांगुली ने भारतीय टीम की ओर से 18,433 रन बनाए थे। वहीं भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में पहले तीन स्थानों पर सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ हैं। सचिन ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 664 मैच खेलकर सबसे अधिक 34,357 रन बनाए हैं। उन्होंने इस दौरान रिकॉर्ड 100 शतक भी लगाए हैं। वहीं विराट ने 522 मैचों में 26,733 रन बनाए हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने अब तक 80 शतक लगाये हैं जबकि द्रविड़ तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 509 मैच में 24,208 रन बनाए हैं।

रोहित को शीर्ष-3 में पहुंचने द्रविड़ को पीछे छोड़ना होगा। द्रविड़ और रोहित के बीच तकरीबन 6000 रन का बड़ा अंतर है ओर ये आंकडा हासिल करना बेहद कठिन है।

एफआईएच हॉकी5एस महिला विश्वकप: फाइनल में हारा भारत, नीदरलैंड बना चैंपियन

मस्कट (एजेंसी)। नीदरलैंड की महिला टीम ने एफआईएच हॉकी5एस महिला विश्व कप 2024 के फाइनल में भारतीय महिला टीम को हराकर चैंपियनशिप जीत ली है। शनिवार को यहां खेले गए फाइनल में मुकाबले में भारतीय महिला हॉकी टीम को नीदरलैंड से 2-7 से हार का सामना करना पड़ा।

मैंच की शुरुआत में नीदरलैंड की जेनेके वान डी वेने ने एक लंबा शॉट खेलते हुए गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई और इसके कुछ ही देर बाद बेन्टे वान डेर वेल्ट ने एक और गोल दागकर नीदरलैंड की बढ़त दोगुनी दिया। नीदरलैंड के खिलाड़ियों द्वारा किये गये चार और गोल की बदौलत पहले हॉफ में स्कोर 6-0 रहा। नीदरलैंड के लिए जेनेके वान डी वेने ने दूसरे और 14वें मिनट में, बेन्टे वान डेर वेल्ट ने चौथे और आठवें मिनट में, लाना कालसे ने 11वें, 27वें और सोशा बेनिंगा ने 13वें ने गोल किए।

दूसरे हाफ में ज्योति छत्री ने गोलकर भारत का खाता खोला। इसके बाद रुतुजा दादासो पिसल ने 23वें मिनट में गोलकर स्कोर 6-2 कर दिया। वहीं भारत की ओर से ज्योति छत्री ने 20 वें मिनट में और रुतुजा दादासो पिसल ने 23वें मिनट में गोल किये। नीदरलैंड की लाना कालसे ने 27वें मिनट में एक और गोलकर मैच 7-2 स्कोर के साथ समाप्त कर दिया।

मैच फिक्सिंग के आरोपों को शोएब मलिक ने किया सिरे से खारिज

ढाका (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने मैच फिक्सिंग के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन पर बांग्लादेश प्रीमियर लीग में मैच फिक्सिंग के आरोप लगाने के साथ ही फोरच्यून बारिशल टीम के साथ अनुबंध खत्म होने का दावा भी किया जा रहा है। इसके बाद सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों के अनुसार मैच फिक्सिंग के संदेह के कारण ही फ्रेंचाइजी ने मलिक का अनुबंध खत्म कर दिया है। 22 जनवरी को खुलना टाइगर्स के खिलाफ एक मैच के दौरान शुरूआती ओवर में तीन नोबॉल फेंके जाने के बाद यह दावा सामने आया है। इन आरोपों के बावजूद मलिक ने फ्रेंचाइजी के लिए एक और मैच खेला जिसके बाद बीपीएल 2024 का ढाका चरण समाप्त हुआ। इधर मलिक ने अपने 'एक्स अकाउंट पर लिखा- जब बात अफवाहों की हो तो मैं सतर्कता बरतने की महत्ता पर जोर देना चाहता हूं, विशेषकर हाल में जो अफवाहें चल रही हैं। उन्होंने कहा- मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं इन आधारहीन अफवाहों का खंडन करता हूं। सभी के लिए किसी भी जानकारी पर विश्वास करना और इस फैलाने से पहले जांच करना बहुत महत्वपूर्ण है। मलिक ने लिखा- झूठ से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच सकता है और इससे गैर जरूरी भ्रम पैदा होता है। सच्चाई को प्राथमिकता दें और तथ्यों की समझ सुनिश्चित करने के लिए विश्वसनीय सूत्रों पर ही भरोसा करें।

इसके साथ ही सोएक मलिक ने टीम के कप्तान तमीम इकबाल के साथ हुई चर्चा को भी स्पष्ट किया और कहा कि उन्होंने साथ मिलकर दुबई में एक मीडिया कार्यक्रम के लिए बांग्लादेश से उनकी अस्थायी रवानगी की योजना बनायी है।

रोहित शर्मा की युवा क्रिकेटरों को सलाह, विराट कोहली से 'ये' गुण सीखें

मुम्बई। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सीनियर भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। शर्मा ने कहा है कि भारत के पूर्व कप्तान से न केवल मैदान के अंदर बल्कि बाहर भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। जियो सिनेमा पर दिनेश कार्तिक से बात करते हुए शर्मा ने कोहली की प्रतिभा के बारे में विस्तार से बताया और बताया कि युवाओं को सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक से क्या सीखने की जरूरत है इस पर भी प्रकाश डाला। रोहित ने कहा, 'विराट कोहली अपने पूरे करियर में कभी भी एनसीए नहीं गए हैं। मैं कहूंगा कि सभी युवा खिलाड़ियों को उनके जुनून को देखना चाहिए। वह कवर ड्राइव, पिलक, कट कैसे खेलते हैं, इसकी बात छोड़ दें, लेकिन सबसे पहले आपको यह करना होगा, समझें कि खिलाड़ियों की गुणवत्ता क्या है जो उन्हें आज इस मुकाम पर पहुंचाती है।' शर्मा ने बताया कि कुछ बदलाव हैं जो एक व्यक्ति को अंदर से करने की जरूरत है और युवाओं के लिए उन्होंने सलाह दी कि वे विराट कोहली को देख सकते हैं और उसके अनुसार अपना दृष्टिकोण और तरीके बदल सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने कोहली को काफी देखा है। उसने जो हासिल किया है उससे वह आसानी से संतुष्ट हो सकता है। वह कह सकता है कि मैं इन 2-3 श्रृंखलाओं में इसे आसानी से ले लूंगा, मैं बाद में आऊंगा, लेकिन वह हमेशा टीम के लिए मौजूद है। वह मानसिकता भूखा रहना और आत्मसंतुष्ट न रहना सिखाया नहीं जा सकता। आपको यह दूसरों को देखकर सीखना होगा। यह भीतर से आनी चाहिए। मैं आपको यह नहीं सिखा सकता।'

जयसवाल, राहुल और जडेजा ने बनाया यूनीक रिकॉर्ड, 92 साल में पहली बार

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने हैदराबाद के मैदान पर इंगलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन 436 रन बनाकर 190 रन की महत्वपूर्ण लीड हासिल कर ली है। भारतीय टीम की ओर से यशस्वी जयसवाल 80, केएल राहुल 87 और रवींद्र जड़ेजा 80 से ज्यादा रन बनाने में सफल रहे। तीनों बल्लेबाजों ने मिलकर एक यूनीक रिकॉर्ड भी बना दिया। दरअसल, भारत की ओर से तीन बल्लेबाजों द्वारा 80 से ज्यादा रन बनाकर आऊट होने का यह पहला मुकाबला है। भारतीय टीम को टेस्ट क्रिकेट खेलते 92 साल हो गए हैं। इससे पहले कभी ऐसा नहीं देखा गया था। हैदराबाद के मैदान पर इंगलैंड ने दूसरी पारी में अपनी स्थिति मजबूत कर 126 रन की लीड ले ली है। इंगलैंड को पहली पारी को 246 रन पर रोककर भारतीय टीम ने जायसवाल, केएल राहुल और रविंद्र जडेजा की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 436 रन बनाए थे। भारत के पास 190 रन की लीड थी। लेकिन इंगलैंड ने दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी की। खास तौर पर ओली पोप ने 208 गेंदों पर 148 बनाए और स्कोर 316 तक ले गए। इंगलैंड के पास लीड है और वह चौथे दिन इसे और मजबूत करना चाहेगा।

पूरी तरह से फिट दीपक चाहर की निगाहें टी20 विश्व कप पर

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज दीपक चाहर व्यक्तिगत तौर पर चुनौतीपूर्ण दौर के कारण कुछ मुकाबलों में नहीं खेल पाए लेकिन अब वह वापसी को तैयार हैं और उनकी निगाहें इस साल के अंत में होने वाले टी20 विश्व कप पर लगी हुई हैं। पिता के 'ब्रेन स्ट्रोक' के कारण वह दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के भारत दौरे और फिर इसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भी नहीं खेल पाए। चाहर ने कहा, 'मैं अपने पिता की वजह से ही यहां हूं, जो भी मैंने हासिल किया है वो अपने पिता की वजह से ही हासिल किया। इस हालत में अगर उनके पास नहीं हूं तो मैं कैसा बेटा हूं?' उन्होंने कहा, 'अगर यह श्रृंखला भारत में होती तो मैं निश्चित रूप से खेलने की कोशिश करता क्योंकि अगर जरूरत होती तो मैं चार-पांच घंटे में अस्पताल पहुंच सकता था। लेकिन दक्षिण अफ्रीका से दो तीन दिन वापस आने में लगते। तो मेरे लिए आसान फैसला अपने पिता के साथ रहने का था, कोई भी बेटा ऐसा करेगा।'

चाहर ने कहा कि उन्हें फिटेनस संबंधित वर्कआउट के अलावा ट्रेनिंग का ज्यादा समय नहीं मिला तो वह तैयारी के लिए एनसीए में चले गये क्योंकि उनकी निगाहें भारत की टी20 विश्व कप टीम में जगह बनाने पर लगी हैं। उन्होंने कहा, 'मैं 25 दिन तक अपने पिता के साथ अस्पताल में था। वह आगरा में नहीं अलीगढ़ में थे। हम सभी को उनके साथ वहीं रूकना था। मैं बस कुछ व्यायाम ही कर पाता था। मैं कोई भी क्रिकेट गतिविधि नहीं कर रहा था इसलए मैं अफगानिस्तान श्रृंखला के लिए तैयार नहीं था। मैंने एक महीने से अभ्यास नहीं किया था।'

उन्होंने कहा, 'मैं एनसीए गया और अभ्यास शुरू किया। मैं अब पूरी तरह फिट हूं। सब ठीक है और मैंने आईपीएल और विश्व कप के लिए कड़ी ट्रेनिंग की है।' चाहर ने कहा, 'मैं चोटों के कारण दो टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाया। अगर मैं पूरी तरह फिट होता तो मैं विश्व कप टीम का भी हिस्सा होता। किसी भी टीम संयोजन में हमेशा ऐसे गेंदबाज की जरूरत होती है तो जो सातवें, आठवें और नौवें नंबर पर बल्लेबाजी कर सके। मैंने ऐसा किया है और भारतीय टीम के लिए रन बनाए हैं।' चाहर का महेंद्र सिंह धोनी से विशेष लगाव है और उनका कहना है कि उनके करियर को निखारने और इसे लंबा करने में चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान का ही हाथ है। वह नहीं चाहते हैं कि यह महान क्रिकेटर संन्यास ले बल्कि उन्हें दो तीन साल और खेलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे उनके (धोनी) साथ सहज होने में दो तीन साल लगे, मैं उन्हें बड़ा भाई मानता हूं और वह भी मुझसे छोटे भाई की तरह बर्ताव करते हैं।' चाहर ने कहा, 'लॉकडाउन के समय में हमने साथ में काफी पबजी खेला। हमने काफी गेम खेले। मैं भाग्यशाली हूं कि उनसे इतना कुछ सीखा। मैं कहूंगा कि उनकी वजह से ही मुझे भारत के लिए खेलने का मौका मिला क्योंकि इससे पहले उन्होंने 2018 आईपीएल में सभी 14 मैच खेलने का बड़ा मौका दिया था।' धोनी पिछले एक साल से घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। चाहर का कहना है कि उन्हें अपने करियर के इस पड़ाव पर चेन्नई सुपरकिंग्स की अतिरिक्त जिम्मेदारी लेने से बचना चाहिए और अपने खेल का लुत्फ उठाना चाहिए।

यूक्रेन के प्रधानमंत्री ने भारत से लगाई गुहार, छात्रों को वापस पढ़ने भेजें

नई दिल्ली । यूक्रेन के प्रधानमंत्री ने भारत से अनुरोध किया है कि वह युद्धग्रस्त देश में अपने छात्रों को पढ़ाई पूरी करने के लिए वापस भेज दें। ताकि यूक्रेन की वित्तीय हालत में सुधार हो सके। बता दें कि साल 2022 में जब रूस और यूक्रेन के बीच जंग शुरू हुई थी, तब बड़ी संख्या में भारतीय स्टूडेंट यूक्रेन में फंस गए थे। भारत से हर साल हजारों छात्र यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए जाते हैं। युद्ध शुरू हुए दो साल बीतने को हैं। अब फिर से यूक्रेन के पीएम डेनिस शिमहल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक गुहार लगाई है। पीएम मोदी को वैश्विक नेता' करार देते हुए उन्होंने भारत से अनुरोध किया कि वह युद्धग्रस्त देश में अपने छात्रों को पढ़ाई पूरी करने के लिए वापस भेज दें। मी?डिया को दिए इंटरव्यू में यूक्रेन के पीएम ने भारत को यूक्रेन के सबसे बड़े आर्थिक साझेदारों में से एक बताया और उन्हें मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए पीएम मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी एक वैश्विक नेता हैं, जो विश्व शांति के लिए काम कर रहे हैं। यूक्रेन का एक बड़ा हिस्सा अब शांतिपूर्ण है और मैं भारत से अनुरोध करेंगे कि वह पहले की तरह छात्रों को भेजकर हमें आर्थिक मदद में अपनी ओर से सहयोग करे। 2022 में भारत ने यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए 'ऑपरेशन गंगा' के तहत छात्रों सहित लगभग 18,000 भारतीय नागरिकों को यूक्रेन से निकाला था। वहीं युद्ध में उलझे यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है। अर्थव्यवस्था में आई 30 प्रतिशत की गिरावट बीते 30 वर्षों में सबसे बड़ी गिरावट है। भारत को 75वें गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए, यूक्रेनी के प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत जिस तेजी से आगे बढ़ रहा है वो काबिले तारीफ है। श्मीहाल ने यह भी कहा कि यूक्रेन यूरोपीय संघ और नाटो का हिस्सा बनने के लिए कुछ भी करेगा। उन्होंने अन्य देशों को युद्ध रोकने के लिए रूस पर दबाव डालने की बात भी कही।

दिल्ली एयरपोर्ट की सुरक्षा में सेंध, रन-वे पर खड़ा हो गया शख्स

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था में एक बार फिर सेंधमारी हो गई। यहां रनवे पर विमान उड़ने ही वाला था कि उसके सामने एक शख्स आकर खड़ा हो गया। गनीमत रही कि चालक ने विमान को रोक लिया। इससे पहले भी बीते दिनों, एक शख्स डिजी यात्रा सिस्टम में सेंध लगाकर एयरोब्रिज तक पहुंचने में कामयाब हो गया था। वहीं, अब एक शख्स उड़ान भरने को तैयार एक विमान के सामने आकर खड़ा हो गया। गनीमत रही कि सही समय पर विमान के पायलट की नजर इस शख्स पर पड़ गई और बिना किसी देरी के विमान को रोक लिया गया। नहीं तो आज रन-वे पर खड़े इस शख?स के साथ विमान में बैठे सैकड़ों मुसाफिरों की जिंदगी दांव पर लग जाती। एयरपोर्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार देर रात्रि करीब 11:50 बजे एयर इंडिया का एक विमान उड़ान भरने के लिए आगे बढ़ने ही वाला था, तभी पायलट को रन-वे पर कोई शख?स टहलता हुआ नजर आया। सैकड़ों मुसाफिरों की सुरक्षा को ध्?यान में रखते हुए पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर विमान को वहीं रोक लिया। इसके बाद, पायलट ने रन-वे पर टहल रहे इस शख्स की जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। एटीसी ने इसके लिए एयरपोर्ट ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर को मामले की जानकारी देते हुए रन-वे क्लियर कराने को कहा। सूचना मिलते ही एओसीसी ने एयरसाइट पर मौजूद फॉलो-मी व्हिकल और सीआईएसएफ की क्विक एक्शन टीम रन-वे पर पहुंची। सुरक्षाकर्मियों को पता चला कि यह शख्स शराब के नशे में बुरी तरह से धुत था। लंबी जद्दोजहद के बाद सुरक्षाकर्मियों ने इस युवक पर काबू पाया और टर्मिनल बिल्डिंग में लाए। इस पूरी कवायद में करीब 20 से 25 मिनट का समय लग गया। रन-वे क्लियर होने के बाद एयर इंडिया का विमान उड़ान के लिए आगे बढ़ गया। वहीं, टर्मिनल पर पहुंचने के बाद इस शख्स से पूछताछ में युवक की पहचान इमाम के रूप में हुई है। आरोपी हरियाणा के नूह का रहने वाला है। उसने बताया वह एयरपोर्ट की चारदीवारी फांदकर एयर साइट में दाखिल हुआ था। एयरपोर्ट पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मुस्लिम देश इंडोनेशिया की करेंसी में आज भी भगवान गणेश विराजमान

नई दिल्ली । भारत के मुस्लिम पड़ोसी देश इंडोनेशिया की करेंसी में भगवान गणेश की छवि विराजमान है। बता दें कि इंडोनेशिया दुनिया का सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश है। यहां की कुल आबादी में करीब 87 फ़ीसदी मुसलमान हैं और इनकी संख्या करीब 23 करोड़ के आसपास है। इंडोनेशिया भले ही सर्वाधिक मुस्लिम आबादी वाला देश हो और इस्लाम को मानता हो, लेकिन लंबे वक्त तक हिंदुओं के आराध्य भगवान गणेश ने इस देश को सहारा दिया है। यहां पर भगवान गरुण का दबदबा तो आज भी कायम है। जानकारी के अनुसार इंडोनेशिया की करेंसी को रुपैया के नाम से जाना जाता है और 20 हजार की करेंसी पर भगवान गणेश की तस्वीर छप चुकी है। इस नोट को छापने की शुरुआत साल 1998 में हुई थी। नोट पर एक तरफ भगवान गणेश तो दूसरी तरफ इंडोनेशिया के स्वतंत्रता सेनानी हजार देवेंत्रा की तस्वीर छपी है। इंडोनेशिया में भगवान गणेश को कला, विज्ञान और शिक्षा का प्रतीक माना जाता है। जिस वक्त भगवान गणेश की तस्वीर करेंसी पर छापने का फैसला लिया गया था, उस वक्त इंडोनेशिया की अर्थव्यवस्था बहुत बुरे दौर से गुजर रही थी। बताया जा रहा है इंडोनेशिया को इस करेंसी ने काफी सहारा दिया। हालांकि इंडोनेशिया, अब भगवान गणेश की तस्वीर वाली करेंसी छापना बंद कर चुका है। साल 2008 में आखिरी बार इस करेंसी की छपाई हुई थी, लेकिन ये नोट 2018 तक चलन में थे। एक और दिलचस्प बात यह है कि इंडोनेशिया की सरकारी विमान कंपनी का नाम गरुण एयरलाइंस है। जो कि पवित्र गरुड़ पक्षी के नाम पर रखा गया है। हिंदू धर्म में भी गरुड़ देवता की पूजा की जाती है। आपको बता दें कि इंडोनेशिया में करीब 1.69 फीसदी हिंदू आबादी भी रहती है। जिसमें से लगभग 90 फ़ीसदी आबादी अकेले बाली में रहती है। इंडोनेशिया के धार्मिक मामलों के मंत्रालय के मुताबिक देश में कुल 87.02प्र. मुसलमान जिसमें 99 फीसदी सुन्नी, 7.43 प्रतिशत ईसाई, 1.69 प्रतिशत हिंदू, .073 प्रतिशत बौद्ध और बाकी अन्य धर्मों के लोग रहते हैं।

चेतावनी : पश्चिमी विक्षोभ से हो सकती है पहाड़ों पर भारी बर्फबारी

नई दिल्ली। मौसम केन्द्र ने चेतावनी देते हुए कहा है कि पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में रविवार से लगातार दो विक्षोभों के प्रभाव से इस मौसम की पहली भारी बर्फबारी होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। बता दें कि सर्दी के इस मौसम में पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में पर्वत की चोटियों पर बर्फ पर वो नजारा नहीं दिखा जो आमूमन हर वर्ष होता है। आईएमडी ने इसके लिए सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की कमी को जिम्मेदार ठहराया है। पश्चिमी विक्षोभ भूमध्यसागरीय क्षेत्र में उत्पन्न होता है और इससे उत्तर पश्चिम भारत में बेमौसम वर्षा आती है। सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की कमी को मौजूदा अल-नीनो स्थितियों के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। बता दें कि अल-नीनो स्थिति मध्य प्रशांत महासागर में सतही जल का असामान्य रूप से गर्म होना है। इस मामले में लद्दाख के लेह में मौसम विज्ञान केंद्र के प्रमुख सोनम लोटस ने कहा कि वर्षा की कमी से हिमालय क्षेत्र में ताजे पानी की उपलब्धता पर असर पड़ने की आशंका है। जिससे बागवानी और खेती-बाड़ी बुरी तरह से प्रभावित होगी। आईएमडी ने अलर्ट जारी करते हुए कहा कि एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ के रविवार से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र के मौसम पर असर पड़ सकता है और एक अन्य विक्षोभ के 31 जनवरी से इस क्षेत्र एवं उत्तर-पश्चिम भारत के आसपास के मैदानी इलाकों के मौसम को प्रभावित करने की संभावना है। इन स्थितियों के कारण 28 जनवरी से 31 जनवरी के बीच जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा या बर्फबारी होने की संभावना है। वहीं 31 जनवरी से दो फरवरी तक उत्तराखंड में हल्की या मध्यम छिटपुट बारिश या बर्फबारी और पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की बारिश होने की संभावना बन रही है।

अमेठी में 2 लाख से ज्यादा लोगों को रामलला के दर्शन करवाएंगी स्मृति ईरानी

अमेठी। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अमेठी में 2 लाख से ज्यादा लोगों को रामलला के दर्शन करवाएंगी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री स्मृति ईरानी अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी के दो लाख से अधिक लोगों को अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन कराएंगी। उनके प्रतिनिधि ने बताया कि इसके साथ ही तीन लाख से अधिक घरों तक प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा का प्रसाद पहुंचाने का लक्ष्य सुनिश्चित कर घर-घर प्रसाद पहुंचाने का काम शुरू कर दिया गया है। मंत्री के प्रतिनिधि विजय गुप्ता कहा कि अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी के निर्देश पर उत्थान सेवा संस्थान द्वारा अमेठी संसदीय क्षेत्र के 3 लाख परिवारों तक प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा का प्रसाद पहुंचाने का काम शुरू कर दिया गया है।

दो दिन के विश्राम के बाद अब बंगाल में चलेगा 'डोनेट फॉर न्याय' अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो दिन के विश्राम के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा रविवार को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले से फिर से शुरू हो गई। बता दें कि यह यात्रा मणिपुर की राजधानी इंफाल से 14 जनवरी को आरंभ हुई थी। यह यात्रा असम से बृहस्पतिवार सुबह पश्चिम बंगाल में दाखिल हुई थी और दो दिन के विश्राम के दौरान राहुल गांधी नयी दिल्ली लौट गए थे।

कांग्रेस की राज्य इकाई के नेता शुभंकर सरकार ने कहा कि राहुल गांधी पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे सिलीगुड़ी के बागडोगरा हवाई अड्डे पर पहुंचे। इसके बाद वह जलपाईगुड़ी पहुंचे जहां से यात्रा फिर से शुरू हो रही है। उन्होंने बताया कि न्याय यात्रा रात में सिलीगुड़ी के पास रुकेगी। यह यात्रा सोमवार को उत्तर दिनाजपुर जिले के इस्लामपुर की ओर जाएगी और फिर बिहार में प्रवेश करेगी। यात्रा 31 जनवरी को मालदा के रास्ते पश्चिम बंगाल में फिर से प्रवेश करेगी और फिर मुर्शिदाबाद से होते हुए एक फरवरी को राज्य से रवाना होगी। इस बार की यात्रा का आकर्षण 'डोनेट फॉर न्याय' अभियान होगा, जिसमें क्यूआर कोड को स्कैन करके प्रति किलोमीटर एक पैसा न्यूनतम की सहायता राशि दान दी जा सकेगी।

बता दें कि इसमें सहायता के अनुरूप राहुल गांधी के हस्ताक्षर वाली टी-शर्ट से लेकर एक भव्य किट तक शामिल है, जो कि 67,000 से ज्यादा की सहायता राशि पर प्रमाणपत्र सहित एआईसीसी की ओर से दी जाएगी। इधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि पार्टी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए सुचारू मार्ग और राहुल गांधी एवं अन्य नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित निर्देश दिए जाएं। कांग्रेस ने पहले आरोप लगाया था कि जलपाईगुड़ी में गांधी की तस्वीर वाले कुछ बैनर फाड़े गए। कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने भी राज्य में यात्रा के दौरान जनसभाएं आयोजित करने की अनुमति हासिल करने में बाधाएं आने पर चिंता जताई है।

न्याय यात्रा के पश्चिम बंगाल में प्रवेश करने से एक दिन पहले मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा था कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस राज्य में विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक के तौर पर नहीं बल्कि अकेले लोकसभा का चुनाव लड़ेगी। बता दें कि कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा 6,713 किलोमीटर की दूरी तय करेगी और 15 राज्यों के 110 जिलों से होते हुए 20 या 21 मार्च को मुंबई में पहुंचकर समाप्त होगी।

निवेश जुटाने 12 दिवसीय विदेश यात्रा पर रवाना हुए सीएम स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन 12 दिवसीय विदेश यात्रा पर रवाना हो गए। बता दें कि सीएम स्टालिन प्रदेश को 2030 तक एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने वाले हैं, इसके लिए वह शनिवार रात विदेश रवाना हो गए। सीएम स्टालिन अपने लगभग 12 दिवसीय दौरे के दौरान, तमिलनाडु को सर्वोत्तम निवेश स्थल के रूप में प्रदर्शित करके प्रदेश में निवेशकों को लुभाने के लिए स्पेन और अन्य देशों का दौरा करेंगे। सीएम स्टालिन की यात्रा इस महीने की शुरुआत में ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट के सफल आयोजन की पृष्ठभूमि में हो रही है, जिसके दौरान एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के एवज में लगभग 600 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए थे। उन्होंने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वह स्पेन की यात्रा पर जा रहे हैं और सात फरवरी को वापस चेन्नई लौटेंगे। उन्होंने कहा कि पिछली दो विदेश यात्राओं के दौरान 7,442 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया गया और 17,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला। सीएम स्टालिन ने कहा कि इन दौरों के दौरान हस्ताक्षरित एमओयू को आकार दिया गया है और निवेशकों ने राज्य में अपना कार्य स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि वह यूरोपीय देशों में निवेशकों को जरूर लुभाएंगे और उद्योगपतियों के साथ बैठकें और बातचीत करके राज्य के लिए बड़े पैमाने पर निवेश सुनिश्चित करने के लिए पहल करेंगे।

देश में बहुत हैं आया राम, गया राम जैसे लोग: खड़गे

-नीतीश के महागठबंधन छोड़ने पर विफरा विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीतीश कुमार ने एक बार फिर पलटी मारी और महागठबंधन छोड़ पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया और एनडीए के साथ मिल पुन-सीएम बनने का दावा पेश कर दिया। नीतीश के यूं पाला बदलने पर विपक्ष ने जबरदस्त हमला बोला है और उन्हें पलटू राम से लेकर आया राम गया राम की संज्ञा दे डाली है। विपक्षी दलों के नेताओं ने नीतीश की आलोचना करते हुए निशाना साधा है।

इसी कड़ी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जब हमारी बात तेजस्वी और लालू जी से हुई तभी उन्होंने बतलाया था कि नीतीश जी महागठबंधन से जा सकते हैं, इसलिए अब हमको और आपको मिलकर लड़ना होगा। इसी बीच खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, कि देश में आया राम-गया राम जैसे कई लोग हैं।... बात हमें पहले से ही पता थी, लेकिन इंडिया गठबंधन को बरकरार रखने के लिए हमने कुछ नहीं कहा। उन्होंने आगे कहा है कि यदि हम कुछ गलत कहेंगे तो संदेश गलत जाएगा। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि बार-बार राजनीतिक साझेदार बदलने वाले नीतीश कुमार ने रंग बदलने में गिरगिटों को कड़ी टक्कर दे दी है। इस विश्वासघात के विशेषज्ञ और उन्हें इशारों पर नचाने वालों को बिहार की जनता कभी माफ नहीं करेगी। इनके अलावा शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी नीतीश पर निशाना साधा है। इसके साथ ही उन्होंने नीतिश व शाह के पुराने बयानों को भी साझा किया जिसमें उन्होंने एक दूसरे पर जमकर निशाना साधा था। दरअसल तब

नीतीश ने पलटते हुए कहा था कि, मर जाना कबूल है, उनके साथ जाना कबूल नहीं है. ये अच्छी तरह जान लीजिये ! इस पर तब गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि पलटूराम ने जनादेश का अपमान किया है। अरे पलटू बाबू, कुछ तो लिहाज रखो। छठ मैया से प्रार्थना करता हूं कि पलटू राम से मुक्त हो बिहार। नीतीश कुमार के लिए बीजीपी के दरवाजे बंद।

ऑफर की आंधी में नहीं डगमगाए मांझी, आखिरकार लगा ही ली नैया पार

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी सियासी चौपाल पर सबसे बड़े खिलाड़ी माने जा रहे हैं। उन्हे किसी ने उपमुख्यमंत्री का लालच दिया तो किसी ने सभी को मंत्री बनाने की बात कही लेकिन मांझी ने एनडीए का हाथ नहीं छोड़ा। उन्हे पता था कि आने वाले समय में कोई कुछ भी बने लेकिन सत्ता की मलाई उनके बराबर किसी को नहीं मिलने वाली। मांझी के कुल 4 विधायक हैं जिसमें में दो को मंत्री बनवाने में मांझी सफल हो सकते हैं।

बिहार में सियासी हलचल मची हुई है। माना जा रहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर से बीजेपी के साथ सरकार बना सकते हैं। यह लगभग अब तय भी हो चुका है, क्योंकि आरजेडी के मंत्रियों ने कामकाज लगभग खत्म कर दिया है। तेजस्वी यादव ने खुद सारी फाइलें सचिवालय लौटा दी हैं। इस पूरे घटनाक्रम में हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतनराम मांझी की मौज आई है।जीतनराम मांझी के पास चार विधायक हैं। जीतनराम मांझी भी खुद विधायक हैं और उन्होंने एनडीए में बने रहने के लिए अब एक शर्त रख दी है। जीतनराम मांझी ने नई सरकार में दो मंत्री पद की मांग की है। यह संख्या के हिसाब से 50 फीसदी हुआ है।

जीतनराम मांझी ने शनिवार शाम

अपने घर पर विधायक दल की बैठक बुलाई और इस बैठक में उन्होंने कहा कि जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, वहीं पर हमारी पार्टी भी है। उन्होंने कहा कि हम पीएम मोदी के साथ हैं लेकिन इसके साथ ही उन्होंने दो मंत्री पद की मांग भी कर दी।जब यह घटनाक्रम शुरू हुआ उसके बाद कांग्रेस ने जीतनराम मांझी से संपर्क कर उन्हें इंडिया गठबंधन में शामिल होने का ऑफर दिया। बताया जाता है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने खुद जीतनराम मांझी से बात की। लेकिन मांझी एनडीए के साथ बने हुए हैं। इसके पहले खबर थी कि आरजेडी ने भी जीतनराम मांझी से बात की है। आरजेडी प्रमुख लालू यादव ने जीतनराम मांझी को उपमुख्यमंत्री पद का ऑफर दिया और अपने साथ आने को कहा, लेकिन मांझी ने ये ऑफर भी ठुकरा दिया।बिहार की राजधानी पटना में जीतनराम मांझी के समर्थन में उनके समर्थकों ने पोस्टर भी लगाए हैं। पोस्टर पर लिखा है, 'बिहार में बहार है, बिन मांझी सब बेकार है।

भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने के विरोध में उतरा जनजातीय संगठन

चुराचांदपुर। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के एक जनजातीय संगठन ने भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का कड़ा विरोध ?किया है। संगठन ने कहा कि वह भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने के केंद्र के फैसले का विरोध करेगा। इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने एक बयान में कहा कि संगठन ने जिला मुख्यालय में स्थानीय लोगों के साथ शनिवार को एक सभा का आयोजन किया था। इस दौरान भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने और दोनों देशों के बीच मुक्त आवागमन व्यवस्था को रद्द करने के केंद्र के फैसले का विरोध करने का संकल्प लिया गया। दरअसल मुक्त आवागमन व्यवस्था सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों को बिना वीजा के एक-दूसरे के क्षेत्र में 16 किलोमीटर तक की यात्रा करने की अनुमति देती है। इसमें भारत के चार राज्य- अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर और मिजोरम, म्यांमा के साथ 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा के दायरे में आते हैं। संगठन के बयान में कहा गया कि आईटीएलएफ ने कुकी जो समुदाय के लोगों के राजनीतिक भविष्य के लिए मिजोरम सरकार से मुलाकात करने का भी फैसला किया।

डोभाल से बात होते ही कनाडा बोला- हां निज्जर मर्डर की जांच में सहयोग दे रहा है भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। निज्जर हत्या कांड की जांच के मामले में कनाडा के सुर बदल गए है। पहले कहता था कि भारत जांच् में सहयोग नहीं कर रहा है,अब कहने लगा है कि भारत पूरा पूरा सहयोग कर रहा है। बता दें कि कनाडा ने आरोप लगया था कि खालिस्तान अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों का हाथ है। हालांकि, इस मामले में उसने कोई सबूत नहीं दिए। साथ ही भारत पर जांच में सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया था। अब हालांकि उसके सुर बदल गए हैं। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोडी थॉमस ने कहा कि भारत अब जांच में सहयोग कर रहा है। आपको बता दें कि कनाडा के सुर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ चर्चा के बाद बदली है।

खबर है कि दोनों देशों के एनएसए के बीच हुई चर्चा के दौरान इस विषय पर भी बात हुई। इसके बाद थॉमस ने दोनों देशों के बीच संबंधों के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि इंडो-पैसिफिक में काम करने की कनाडा की क्षमता भारत के साथ स्वस्थ संबंध रखने पर निर्भर करती है। भारत अब तक आधिकारिक तौर पर कहता रहा है कि कनाडा ने अपने दावे के समर्थन में कभी कोई सबूत या जानकारी साझा नहीं की कि भारतीय एजेंट हत्या से जुड़े थे। जबकि भारत ने एक अन्य खालिस्तान अलगाववादी गुरपतवंत पन्नून की हत्या की साजिश में एक भारतीय अधिकारी की इसी तरह की संलिप्तता के बारे में अमेरिका द्वारा साझा की गई जानकारी के आधार पर जांच शुरू की है। लेकिन भारत ने अब तक कनाडाई मामले में किसी भी जांच की घोषणा नहीं की है।

रिटायरमेंट के दिन थॉमस ने कहा कि पन्नू की हत्या की साजिश रचने में एक भारतीय नागरिक पर अमेरिका में केस चल रहा है। उनका दावा है कि इस जानकारी से निज्जर मुद्दे पर कनाडा को मदद मिलेगी।थॉमस ने कहा, मैं उन्हें सहयोग नहीं करने वाला नहीं कहूंगा। हमने उनके साथ रिश्ते में प्रगति की है और वे समझते हैं कि हम क्या मानते हैं। आरसीएमपी जांच चल रही है और उम्मीद है कि वे जिम्मेदार और जवाबदेह लोगों पर मुकदमा चलाने में सक्षम होंगे। सीटीवी को दिए अपने साक्षात्कार में थॉमस ने कहा कि भारत, विशेष रूप से एनएसए अजीत डोभाल इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कनाडा के साथ काम कर रहे हैं।

केन्द्र ने बकाया नहीं दिया तो टीएमसी के साथ ममता बनर्जी करेंगी प्रदर्शन

-सरकार को दिया 7 दिनों का अल्टीमेटम, केन्द्रीय निधि जारी करने की मांग

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार को बकाया जारी करने खुली चुनौती दी है। उन्होंने केंद्र को सभी बकाया राशि का भुगतान करने के लिए सात दिन का अल्टीमेटम दिया। इस मौके पर ममता बनर्जी ने कहा कि ऐसा न होने की स्थिति में पार्टी बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी। गौरतलब है कि ममता बनर्जी ने यह टिप्पणी 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजभवन में एक कार्यक्रम के दौरान की। उन्होंने कहा कि 'अगर केंद्र सरकार ने निधि जारी नहीं की तो टीएमसी के लोग बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे।' गौरतलब है ?कि पश्चिम बंगाल सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, केंद्र पर राज्य का पीएमएवाई के तहत 9,330 करोड़ रुपये, मनरेगा के तहत 6,900 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 830 करोड़ रुपये, पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत 770 करोड़ रुपये, स्वच्छ भारत मिशन के तहत 350 करोड़ रुपये बकाया है।

इसी तरह मध्याह्न भोजन के तहत 175 करोड़ रुपये के साथ ही अन्य योजनाओं का भी बकाया शामिल है। इस मामले को लेकर सीएम ममता बनर्जी ने 20 दिसंबर को पीएम नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करके लंबित केंद्रीय निधि के मुद्दे पर चर्चा की थी। ममता ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद कहा कि आवास योजना की स्कीम बंद कर दी गई। फाइनेंस कमीशन का भी पैसा नहीं मिल रहा है। हम पहले भी तीन बार पीएम मोदी से मिल चुके हैं। हालांकि आज

पीएम ने कहा है कि हमारे ऑफिसर और आपके ऑफिसर मिलकर बात करेंगे। पीएम ने ध्यान से मेरी बात सुनी है। वहीं अब एक बार फिर से ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है। ऐसे में केंद्र सरकार के रुख पर सभी का ध्यान जा रहा है।

शिक्षा मंत्री ने दी शिक्षकों को कड़ी चेतावनी, संभल जाएं अन्यथा बुलडोजर चलेगा

कोटा। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने ?शिक्षकों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है ?कि संभल जाएं अन्यथा बुलडोजर चलवा ?दिया जाएगा। ?शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि गलत आचरण करने वाले शिक्षकों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उनको न केवल बर्खास्त किया जाएगा बल्कि उसके बाद उनकी संपत्ति पर बुलडोजर भी चलेगा। इस समय दिलावर का यह बयान सोशल मीडिया में खासा चर्चा में बना हुआ है। दिलावर ने शिक्षा मंत्री का पदभार संभालने के बाद कई ऐसे बयान दिए हैं जो चर्चा में हैं। ?मिली जानकारी के अनुसार शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को कोटा में एक सरकारी स्कूल के कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान शिक्षकों के आचरण को लेकर साफ हिदायत दी है। दिलावर ने हाल ही में गणतंत्र दिवस पर नागौर के परबतसर में हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जिन शिक्षकों का आचरण शिक्षा विभाग को शर्मसार करेगा उन्हें किसी भी कीमत पर नहीं बख्शेंगे। उन्होंने कहा कि वे ऐसे शिक्षकों को नहीं छोड़ेंगे, साथ ही ऐसे शिक्षकों के सिफारिश करने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

कोविड महामारी में एक विकासवादी परिवर्तन है जेएन.1 वायरस

-डब्ल्यूएचओ भी इसे अगले संस्करण के रूप में दे सकता है मान्यता

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेएन.1 वैरिएंट को कोविड महामारी में एक विकासवादी परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है। इसे शायद डब्ल्यूएचओ भी चिंताजनक बता सकता है। बता दें कि अगस्त 2023 में पता चलने के बाद से, कोविड का जेएन.1 वैरिएंट व्यापक रूप से फैल गया है। यह ऑस्ट्रेलिया और दुनिया भर में प्रभावी हो गया है, जिससे कम से कम पिछले वर्ष कई क्षेत्रों में सबसे बड़ी कोविड लहर देखी गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दिसंबर 2023 में जेएन.1 को ध्यान दिए जाने योग्य प्रकार के रूप में बताया और जनवरी में कहा कि कोविड एक निरंतर बना रहने वाला वैश्विक स्वास्थ्य खतरा है जो दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों की चिंताजनक क्षमता के साथ बीमारी का कारण बन रहा है। जेएन.1 महत्वपूर्ण है। सबसे पहले एक रोगजनक के रूप में यह सार्स-कोव-2 का आश्चर्यजनक रूप से नया संस्करण है और तेजी से अन्य परिसंचारी उपभेदों (ओमिक्रोन एक्सबीबी) की जगह ले रहा है।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि यह कोविड के विकास के बारे में जो कहता है, उसकी वजह से भी महत्वपूर्ण है। आम तौर पर, सार्स-कोव-2 वेरिएंट काफी हद तक पहले के समान दिखते हैं, एक समय में केवल कुछ उत्परिवर्तन जमा करते हैं जो वायरस को अपने मूल वायरस पर सार्थक लाभ देते हैं। हालाँकि, कभी-कभी, जैसा कि तब हुआ था जब दो साल पहले ओमिक्रॉन (बी.1.1.529) सामने आया था, ऐसे वेरिएंट अचानक सामने आते हैं जिनकी पहले की तुलना में स्पष्ट रूप से भिन्न विशेषताएं होती हैं। इसका रोग और संचरण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। अब तक, यह स्पष्ट नहीं था कि यह चरण-परिवर्तन विकास फिर से होगा, विशेष रूप से लगातार विकसित हो रहे ओमिक्रॉन वेरिएंट की चल रही सफलता को देखते हुए। हालांकि जेएन.1 इतना अलग है और नए संक्रमणों की ऐसी लहर पैदा कर रहा है कि कई लोग सोच रहे हैं कि क्या डब्ल्यूएचओ को जेएन.1 को चिंता के अगले संस्करण के रूप में मान्यता देनी पड़ेगी। कहा तो यह भी जा रहा है कि किसी भी स्थिति में, जेएन.1 के साथ हम महामारी के एक नए चरण में प्रवेश कर चुके हैं। सामाजिक और व्यक्तिगत स्तर पर हमें संक्रमण की लहर दर लहर स्वीकार करने के जोखिमों पर फिर से विचार करने की जरूरत है। कुल मिलाकर, यह कम से कम दबाव के साथ, कोविड संचरण और प्रभावों को कम करने के लिए व्यापक रणनीतियों के महत्व को बता सकते है। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी और अपने आसपास के लोगों की सुरक्षा के लिए सक्रिय कदम उठाते रहें। उभरते खतरों को देखते हुए बेहतर महामारी संबंधी तैयारियों और मौजूदा खतरों के प्रति सजगता जरूरी है।

12,000 की आबादी वाले देश तुवालु के चुनाव पर क्यों हैं अमेरिका और चीन की नजर

नई दिल्ली । दुनिया के सबसे प्राकृतिक रूप से सुंदर देशों में शामिल तुवालु केवल 12,000 निवासियों वाला एक द्वीप देश है। लेकिन एक छोटे प्रशांत द्वीप राष्ट्र में चुनाव शायद ही कभी सुर्खियाँ बनते हैं। हालाँकि, तुवालु अपनी 16 सीटों वाली संसद के सदस्यों को चुनने के लिए चुनाव की ओर बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय ध्यान का एक बड़ा हिस्सा क्षेत्र में चीन के बढ़ते महत्व और ताइवान सरकार के साथ तुवालु के राजनयिक संबंधों से जुड़ा है। तुवालु पश्चिम मध्य प्रशांत महासागर में एक द्वीप देश है। जो हवाई और ऑस्ट्रेलिया के बीच स्थित है। यहां एक अंगूठी के आकार की मूंगा चट्टान पर स्थित है, जिसके किनारे पर 9 खूबसूरत द्वीप है। इस जगह का आकर्षण यहां की प्राकृतिक खूबसूरती है। इसकी आबादी लगभग 11,500 है, जो इस दुनिया के सबसे छोटे देशों में से एक बनाती है। एक पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश, इस 1978 में स्वतंत्रता मिली। ब्रिटिश सम्राट अभी भी देश का प्रमुख है। तुवालु में सभी उम्मीदवारों ने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा। देश तुवालु के ताइवान समर्थक नेता, कौसिया नतानो, ताइवान, चीन और अमेरिका की करीबी नजर वाले चुनाव में अपनी सीट हार गए। नतानो ने 1979 से राजनयिक सहयोगी रहे ताइवान के लिए समर्थन जारी रखने का वादा किया था। फनाफुटी के मतदाताओं के नतीजों से पता चला कि नतानो अपनी सीट बरकरार रखने में कामयाब नही हो पाए। तुवालु सहित केवल 12 देशों के स्वशासित लोकतांत्रिक द्वीप ताइवान के साथ आधिकारिक राजनयिक संबंध हैं, जिस पर चीन अपना क्षेत्र होने का दावा करता है। प्रशांत महासागर में स्थित नाउरू ने भी हाल ही में अपना समर्थन ताइवान से बदलकर चीन को दे दिया है। यह तुवालु को ताइपे और बीजिंग के बीच तीव्र जॉकींग के केंद्र में रखता है। प्रधान मंत्री नतानो ताइवान के साथ मजबूत संबंधों के पक्षधर हैं और उनके उस समर्थन को जारी रखने की संभावना है। सोपोगा ताइवान के साथ घनिष्ठ संबंधों का भी पक्षधर है। सोपोगा ने कहा है कि वह नवंबर में तुवालु और ऑस्ट्रेलिया के बीच हस्ताक्षरित नई संधि का समर्थन नहीं करते हैं। वह संधि, जो ऑस्ट्रेलिया को प्रमुख प्राकृतिक आपदाओं, स्वास्थ्य महामारी और सैन्य आक्रामकता के जवाब में तुवालु की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध करती है।

जापान में महसूस किए भूकंप के हल्के झटके

टोक्यो, । जापान में रविवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। यहां टोक्यो, कानागावा प्रान्त और आसपास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोग घबरा कर बाहर आ गए। जापान मौसम एजेंसी ने यह जानकारी बताया कि भूकंप के झटके स्थानीय समयानुसार सुबह 8-59 बजे महसूस किए गए। मौसम एजेंसी के अनुसार रिक्टर स्केल पर 4.8 तीव्रता वाले भूकंप का केंद्र टोक्यो खाड़ी में 80 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के झटकों के बाद हालांकि सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। टोक्यो मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग के अनुसार, अब तक नुकसान की कोई भी जानकारी नहीं मिली है।

इजरायल ने की अस्पताल की घेराबंदी, मारे गए 150 फिलिस्तीनी

गाजा। गाजा में इजरायल की ओर से की गयी अस्पताल की घेराबंदी में 150 फिलिस्तीनियों के मारे जाने की खबर है। जानकारी के अनुसार गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर खान यूनिस में नासिर अस्पताल की घेराबंदी की गई थी। इस दौरान 150 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जाने की सूचना मिली है। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-केदरा ने शनिवार को कहा ?कि मृतकों को अस्पताल के प्रांगण में दफनाने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने कहा कि नासिर अस्पताल के मुर्दाघर में अभी भी 30 अज्ञात शव हैं। उन्होंने कहा कि नासिर अस्पताल रक्त इकाइयों की गंभीर और खतरनाक कमी का सामना कर रहा है और कई एनेस्थीसिया दवाएं खत्म हो गई हैं। अल-केदरा ने कहा कि ईंधन की कमी के कारण अस्पताल में जनरेटर चार दिनों के भीतर बंद कर दिए जाएंगे। साथ ही छर्रे और इजरायली ड्रोन हमले के कारण पानी की टंकियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिसके कारण कई इमारतों में पानी का रिसाव हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इज़रायल जानबूझकर अपनी घेराबंदी के दौरान खान यूनिस में नासिर अस्पताल और होप अस्पताल को भारी क्षति पहुंचाता है, उन्हें निशाना बनाता है और एम्बुलेंस की आवाजाही को भी रोकता है।

10000 यात्रियों वाला सबसे बड़ा क्रूज सफर के लिए रवाना

मियामी । दुनिया का सबसे बड़ा शिप शनिवार को मियामी पोर्ट से अपने पहले सफर के लिए रवाना हो गया है। इस शिप में एक बार में 10000 लोग यात्रा कर सकते हैं। इस शिप में 40 रेस्टोरेंट, आइस स्केटिंग रिंग, थिएटर और 6 स्विमिंग पूल है। यह शिप टाइटेनिक जहाज से 5 गुना ज्यादा बड़ा है। सबसे बड़े इस शिप की लंबाई 1200 फीट है। इस शिप को बनाने में कंपनी के 16000 करोड रुपए खर्च हुए हैं। इसके पहले इतना बड़ा यात्री शिप कभी भी समुद्र में नहीं उतरा।

पाकिस्तान में चरमपंथियों के दबाव में आई पुलिस ने खोदी कब्रें, अब मचा घमासान

लाहौर। पाकिस्तान पुलिस ने अपने ही लोगों की कब्र खोदकर मुश्किल में फंस गई है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 80 मुसलमानों की कब्र खोदे जाने से बवाल मच गया है। कहा जा रहा है कि पंजाब प्रांत में धार्मिक चरमपंथियों के दबाव में पुलिस ने कथित तौर पर ल्पसंख्यक अहमदी समुदाय की 80 कब्रों के पत्थरों को नष्ट कर दिया। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान ने शुक्रवार को यह दावा किया। इससे पूरे समुदाय में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त हो गया है। यह घटना प्रांतीय राजधानी लाहौर से करीब 100 किलोमीटर दूर दस्का में हुई। बताया जा रहा है कि चरमपंथियों के दबाव में आकर पाकिस्तान पुलिस ने प्रांत में 80 अहमदी मुसलमानों की कब्रों के पत्थर तोड़ दिए। इससे इस समुदाय के लोगों में भारी आक्रोश फैल गया है। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान के अनुसार, धार्मिक चरमपंथियों के दबाव में पुलिस ने दस्का में अहमदी समुदाय के दो अलग-अलग कब्रिस्तानों की कम से कम 80 कब्र को अपवित्र कर दिया। शुक्रवार को एक बयान में कहा गया, ''पुलिस ने अहमदी कब्रों के पथरों को इस तथ्य के बावजूद नष्ट कर दिया कि कब्रिस्तान की जमीन अहमदी समुदाय को पंजाब सरकार द्वारा आवंटित की गई थी।'' बयान में दावा किया गया कि सहायक आयुक्त दस्का, अनवर अली कंजू ने अहमदी कब्रों के पत्थरों को ध्वस्त करने का अवैध आदेश जारी किया था। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान के बयान में कहा गया अनवर अली कंजू लंबे समय से अहमदी समुदाय के उत्पीड़न में शामिल रहे हैं। राज्य को यह समझने की जरूरत है कि कंजू जैसे अधिकारी वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान की प्रतिष्ठा को कैसे खराब करते हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में पुलिसकर्मियों को हाथों में हथौड़े लेकर कब्रों की शिलाओं को तोड़ते हुए दिखाया गया है। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान ने कहा, 'यह एक निंदनीय और भयावह घटना है जिसे कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता। अब समय आ गया है कि राज्य यह स्पष्ट करे कि अहमदी कब्रिस्तानों को अपवित्र करने पर उसकी नीति क्या है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि किस कानून के तहत पुलिस और स्थानीय प्रशासन अहमदी समुदाय की कब्रों को अपवित्र कर रहे हैं।

सरावन में 9 पाकिस्तानियों की हत्या की जांच करवाएं : पाकिस्तान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान विदेश कार्यालय (एफओ) ने कहा कि वह पड़ोसी देश में आतंकवादियों द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों की हत्या को लेकर ईरानी अधिकारियों के संपर्क में है। यह जानकारी एक मीडिया रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के अनुसार ईरान की एक समाचार एजेंसी ने पहले बताया था कि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हाल ही में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में सरवन शहर के सिरकन पड़ोस में एक घर में नौ गैर-ईरानी लोगों की हत्या कर दी थी। एजेंसी ने कहा कि अभी तक किसी संगठन या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। रिपोर्ट के अनुसार बलूच मानवाधिकार संगठन हलवाश ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि मारे गए लोग पाकिस्तानी मजदूर थे, जो एक ऑटो मरम्मत की दुकान पर काम करते थे। अन्य तीन घायल हो गए। इस मामले पर मीडिया के सवालों के जवाब में एफओ प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है ?कि यह एक भयावह और घृणित घटना है, हम इसकी स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं। हम ईरानी अधिकारियों के संपर्क में हैं और हमने घटना की तुरंत जांच करने और इस जघन्य अपराध में शामिल लोगों पर कार्रवाई करने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि ज़ाहेदान में पाकिस्तान के वाणिज्य दूत उस अस्पताल के रास्ते में हैं, जहां घायलों का उपचार किया जा रहा है। वह लंबी दूरी और सुरक्षा अनिवार्यताओं के बावजूद कुछ घंटों में पहुंच जाएंगे।

मास्को में रुसी राष्ट्रपति व्लादमिर पुतिन और बेलारुस के एलेजेंडर लुकासेंको दूसरे विश्वयुद्ध में मारे गये लोगों की याद में एक समारोह में इनके स्मारक पर पहुंचे।

भारत-अमेरिका के रिश्ते पहले से बेहतर हुए : संधू

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के संबंधों में क्रांतिकारी बदलाव हो रहे हैं। यह बात अमेरिका में भारत के निवर्तमान राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कही है। उन्होंने कहा कि भारत एवं अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों की अभी यह सिर्फ शुरुआत है। इस दीर्घकालिक रिश्ते का दायरा अभी और बढ़ेगा। राजदूत संधू यहां गणतंत्र दिवस समारोह में भारतीय अमेरिकियों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इसी बीच कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि यहां रह रहे भारतीयों की दूसरी पीढ़ी भारत से जुड़ी रहे।

उन्होंने कहा, कि यहां पर मैं यह बतलाना चाहता हूं कि आज भारत में अमेरिका-भारत संबंधों में भी क्रांतिकारी बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में महत्वपूर्ण हो जाता है कि आपके बच्चे और आपके परिवार भारत के बारे में जागरूक हों, भारत से जुड़े रहें। गौरतलब है कि संधू अपनी 35 से अधिक वर्षों की सेवा के बाद इस माह अंत में विदेश सेवा से सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। राजदूत संधू का कहना था कि अंतरराष्ट्रीय पूंजी और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के भारत में आने से नौकरी के ज्यादा अवसर प्राप्त होंगे। इसलिए न सिर्फ भावनात्मक, सांस्कृतिक और कई अन्य कारणों से, बल्कि आर्थिक और व्यावसायिक कारणों से भी भारत से जुड़े रहने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि नेशनल काउंसिल ऑफ एशियन इंडियन एसोसिएशन द्वारा वर्जीनिया के मैकलीन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान संधू को सम्मानित भी किया गया।

खुद को तालिबानी बताकर मजाक में दी थी विमान उड़ाने की धमकी

-एक ब्रिटिश भारतीय को इस मामले में स्पेन की अदालत ने कर दिया बरी

मैड्रिड, (एजेंसी)। एक ब्रिटिश भारतीय को तालिबानी बताकर मजाक में विमान उड़ाने की धमकी देने के मामले में अदातल ने बरी कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार स्पेन की अदालत ने बरी करते हुए कहा है कि उसका ऐसा इरादा नहीं था। आरोपी ने मजाक में अपने दोस्तों के पास विमान को उड़ाने की धमकी भेज दी थी। घटना 2022 की बताइ गई है। अब अदालत इस नतीजे पर पहुंची है कि उसके पास कोई विस्फोटक नहीं पाया गया। इससे जाहिर होता है कि उसका ऐसा इरादा नहीं था। उस समय एक ब्रिटिश भारतीय ने मजाक में खुद को तालिबानी बताकर प्लेन को उड़ा देने की धमकी दी थी। इसके बाद उसे गिरफ्तार करक लिया गया था। आज से 2 वर्ष पुराने मामले में आरोपी पर कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। स्पेन की एक अदालत ने 2022 में दोस्तों के साथ मजाक में खुद को तालिबान का सदस्य बताने और लंदन के गैटविक से स्पेन के मिनोर्का तक की एक उड़ान को बम से उड़ाने की योजना बनाने की बात कहकर अफरातफरी पैदा करने के आरोपी ब्रिटिश-भारतीय व्यक्ति को बरी कर दिया है। इससे आरोपी ने राहत की सांस ली है।

आरोपी आदित्य वर्मा ने माना कि उसने दोस्तों से जुलाई, 2022 में कहा था कि, मैं विमान को विस्फोट कर उड़ाने वाला हूं। मैं तालिबान का सदस्य हूं।' एक रिपोर्ट के अनुसार वर्मा ने कहा कि उसने यह मजाक एक निजी स्नैपचैट ग्रुप में किया था और उसका इरादा कभी भी 'संकट पैदा करने' का नहीं था। मैड्रिड में एक न्यायाधीश ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि ऐसा कोई विस्फोटक नहीं पाया गया, जिससे किसी को यह लगे कि यह वास्तविक खतरा था। घटना के डेढ़ साल बाद सोमवार को स्पेन की राजधानी में राष्ट्रीय न्यायालय में मुकदमे की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि केंट के निवासी वर्मा को आरोप से बरी कर दिया जाना चाहिए।

दरअसल विमान में सवार होने से पहले उसने दोस्तों को जो संदेश भेजा था, उसे ब्रिटेन के सुरक्षा विभाग ने पकड़ लिया। इसके बाद उन्होंने इस संदेश को स्पेन के अधिकारियों को भेज दिया, जब ईजीजेट विमान आकाश में था। इसके बाद, दो स्पेनिश एफ-18 लड़ाकू विमान भेजे गए। इनमें से एक लड़ाकू विमान ईजीजेट विमान के साथ-साथ मिनोर्का तक गया, जहां हवाई अड्डे पर उतरने के बाद उसके अंदर तलाशी ली गई। वर्मा उस समय 18 वर्ष के थे। उनको गिरफ्तार कर दो दिनों के लिए स्पेनिश पुलिस के प्रकोष्ठ में रखा गया। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा किया गया था।

चुनाव से पहले रिपब्लिकन पार्टी ने टाला ट्रंप पर प्रस्ताव, नहीं तो बढ़ जाती बाइडेन की मुश्किल

वाशिंगटन (एजेंसी)। रिपब्लिकन पार्टी नवंबर 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रंप के हित में एक बड़ा फैसला लेने का विचार कर रही थी, जिससे जो बाइडेन की मुश्किलें बढ़ सकती थी। मगर पार्टी फिलहाल अपनी योजना को रद्द कर दिया है। बता दें कि रिपब्लिकन ने ट्रम्प को चुनाव से पहले अनुमानित राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नामित करने की योजना बनाई थी। मगर अब इसे रद्द कर दिया गया है।रिपब्लिकन पार्टी की ओर से 2024 के लिए उम्मीदवारी पेश कर रहे पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी निक्की हेली से 2 राज्यों में आंतिरक चुनाव में जीत हासिल कर चुके हैं। वहीं एक अन्य रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी अपना नाम इस दौर से वापस ले चुके हैं। इसके बाद ट्रंप को ही बाइडेन के मुकाबले सबसे मजबूत उम्मीदवार माना जा रहा है। इसलिए पार्टी ने आंतरिक चुनाव संपन्न होने से पहले ट्रंप को वर्ष 2024 के लिए रिपब्लिकन पार्टी की ओर से ट्रंप को उम्मीदवार घोषित करने का फैसला किया था। मगर ऐन वक्त में यह फैसला बदलना पड़ गया।

अगर ये फैसला नहीं बदलता तो इससे जो बाइडेन के लिए मुश्किलें हो सकती थीं। क्योंकि यह अभी से तय हो जाता कि बाइडेन के मुकाबले ट्रंप ही 2024 का चुनाव लड़ेंगे। हालांकि रिप्बलिकन पार्टी के इस फैसले से ट्रंप की उम्मीदवारी कमजोर नहीं पड़ी है। तमाम सर्वे में ट्रंप की उम्मीदवारी और उनकी जीत सबसे प्रबल बताई जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार रिपब्लिकन नेशनल कमेटी ने औपचारिक रूप से अपेक्षित प्रतिनिधियों की संख्या हासिल करने से पहले डोनाल्ड ट्रम्प को पार्टी का 2024 में अनुमानित उम्मीदवार घोषित करने पर विचार करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया था। जिसे ट्रम्प द्वारा अपनी ट्रुथ सोशल साइट पर पोस्ट किया गया। इसके तुरंत बाद प्रस्ताव वापसी की खबर आई। हालांकि ट्रंप ने इस धारणा की बहुत सराहना की। उन्होंने महसूस किया कि पार्टी यूनिटी की खातिर, उन्हें इस योजना के साथ आगे नहीं बढ़ना चाहिए। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार रिपब्लिकन पार्टी की ओर से एक मसौदे में कहा गया था कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प को संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए हमारे संभावित 2024 उम्मीदवार के रूप में घोषित करता है और इस क्षण से सभी के समर्थकों का स्वागत करते हुए पूर्ण आम चुनाव मोड में आगे बढ़ता है।

कर्ज के जाल में और फंसेगा पाकिस्तान! अब इस देश से मांगे 2 अरब डॉलर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान आर्थिक तौर पर कंगाली के हाल में है। अगर आईएमएफ, वर्ल्ड बैंक और चीन, यूएई जैसे देश अपने कर्ज को मांग लें या फिर मदद करना बंद कर दें तो पाकिस्तान बिना एक पल गंवाए दिवालिया हो सकता है। 2023 के एक डेटा के मुताबिक पाकिस्तान पर करीब 125 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कर्ज है। इस पूरी रकम का करीब एक-तिहाई हिस्सा पाकिस्तान ने चीन से ले रखा है। अब अगर चीन और किसी कर्ज को मंजूरी देता है तो जाहिर सी बात है इससे पाकिस्तान पर कर्ज का दबाव और बढ़ेगा।

एक बार फिर आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान ने चीन का दरवाजा खटखटाया है। पाकिस्तान की फिलहाल सबसे बड़ी तकलीफ नकदी की कमी से जूझना है। इसी के मद्देनजर पाकिस्तानी हुकूमत ने शी जिनपिंग की सरकार से 2 अरब डॉलर के कर्ज की मांग की है। चीन पाकिस्तान का करीबी सहयोगी है और दोनों एक दूसरे की दोस्ती की कसमें खाते रहते हैं। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री के तौर पर फिलहाल अनवार उल हक काकड़ काम कर रहे हैं। इससे पहले संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब भी पाकिस्तान की मदद कर्ज के ही जरिये कर चुके हैं। सऊदी अरब ने तो 5 अरब डॉलर की रकम को पाकिस्तान के स्टेट बैंक में कर्ज के तौर पर जमा कराया ताकि वह दिवालिया न हो जाए। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ की सहायता की भी पाकिस्तान को जरूरत पड़ेगी। ऐसे में, पाकिस्तान की अंतरिम सरकार नेआईएमएफ से अनुरोध किया है कि वह अपने मिशन को बातचीत के लिए भेजे। इस्लामाबाद को आईएमएफ से 1.2 बिलियन अमरीकी डालर के कर्ज की उम्मीद है।

काकड़ ने ही एक पत्र लिखकर चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से कहा है कि वह जल्द से जल्द यह कर्ज जारी करे। पाकिस्तान की सरकार ने चीन का शुक्रिया अदा किया है क्योंकि चीनी सरकार समय-समय पर अरबों डॉलर की मदद के जरिये पाकिस्तान को आर्थिक बदहाली से उबारती रही है। चीन की ओर से जारी किये गए 4 बिलियन डॉलर के कर्ज का इस्तेमाल पाकिस्तान कर्ज की किस्त चुकाने और अपने विदेशी मुद्र भंडार को स्थिर करने के लिए कर रहा है।

नवाज शरीफ ने घोषणा पत्र में कहा- 370 हटा लें तो शांति कायम हो जाएगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। जिसमें भारत का भी जिक्र है। घोषणा पत्र में भारत के साथ शांति स्थापना पर जोर दिया है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के घोषणापत्र में भारत सहित अन्य देशों के साथ शांति स्थापना पर जोर दिया गया है। देशों को शांति का संदेश भेजने का वादा किया गया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक घोषणापत्र में कहा गया है कि पाकिस्तान की तरफ से भारत को शांति का संदेश इस शर्त पर भेजा जाएगा कि वो जम्मू-कश्मीर राज्य में धारा 370 को निरस्त करने के फैसले को वापस ले। इसके साथ ही अगस्त 2019 का अपना फैसला वापस ले। यानी नवाज शरीफ भारत के साथ बेहतर संबंध तो बनाना चाहते हैं लेकिन अपनी शर्तों पर।

हालांकि पीएमएल-एन की शर्त कभी पूरी नहीं होगी। एक दो बार नहीं बल्कि कई बार भारत ये बात साफ कर चुका है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। भारत कह चुका है कि अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को 2019 में भारत की संसद द्वारा निरस्त किया जाना भारत और उसके संविधान का आंतरिक मामला है।इसके अलावा पीएमएल-एन के घोषणा पत्र में पाकिस्तान की गिरती अर्थव्यवस्था को सुधारने, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से लड़ने, लोगों को सस्ती बिजली मुहैया कराने, बिजली बिलों में 20 से 30 प्रतिशत की कटौती के साथ ही आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का वादा भी किया गया है। घोषणा पत्र में देश की तरक्की करने पर जोर दिया गया है। पीएमएल-एन ने अपने घोषणा पत्र को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर भी शेयर किया है, जिसका टाइटल है पाकिस्तान को नवाज दो'। बता दें कि 2017 में पीएमएल-एन के प्रमुख नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद से हटा दिया गया था। नवाज शरीफ तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। एक बार फिर से वो सत्ता में वापसी की तैयारी कर रहे हैं। जिसके लिए पार्टी जोर शोर से तैयारियां कर रही हैं, वहीं उनकी बेटी मरियम नवाज भी पार्टी के प्रचार प्रसार में लगी हैं।

पाकिस्तान ने माना- हां बलूचिस्तान मांग रहा है आजादी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि बलूचिस्तान में असंतोष की जड़ एक अलग बलूच पहचान है। हालांकि, ये इस बात को पिछले पाकिस्तानी प्रशासनों ने कभी स्वीकार नहीं किया था। पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार किसी भी राजनीतिक नेता ने पहली बार माना है कि बलूचिस्तान के लोग आजादी मांग रहे हैं। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर ने स्वीकार किया कि बलूचिस्तान के लोग न केवल पाकिस्तान से असंतुष्ट हैं, बल्कि एक स्वतंत्र राज्य की मांग कर रहे हैं। बलूचिस्तान से आ रहीं खबरों के अनुसार, काकर ने एक साक्षात्कार में बलूचिस्तान में जबरन गायब हो रहे लोगों के जटिल मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। पाक पीएम ने इन मामलों को सुलझाने में आने वाली चुनौतियों को पहचाना और लापता व्यक्तियों की वापसी पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर भी जोर दिया।

ईरान के अंतरिक्ष प्लान से पश्चिमी देश घबराए, तीन उपग्रहों की लांचिंग पर हुई आलोचना

यरुशलम(एजेंसी)। ईरान के उपग्रह लांचिंग की पश्चिमी देशों ने आलोचना की है। बताया जा रहा है कि ईरान के इस कदम से बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों में और इजाफा होगा। ईरान ने रविवार को कहा कि उसने अंतरिक्ष में तीन उपग्रहों को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया है। वहीं, पश्चिमी देशों ने ईरान के इस हालिया कार्यक्रम की आलोचना की है। मीडिया मे आई प्रक्षेपण की इन खबरों में ईरान के सिमोर्ग रॉकेट का सफल उपयोग भी देखा गया, जो इससे पहले कई बार विफल रहा था। बता दें कि ईरान का यह प्रक्षेपण ऐसे वक्त हुआ है जब पश्चिम एशिया में गाजा पट्टी में हमास पर इजराइल का युद्ध लगातार जारी रहने के कारण तनाव बढ़ गया है। हालांकि ईरान ने इस संघर्ष में सैन्य हस्तक्षेप नहीं किया है लेकिन इस महीने की शुरुआत में इस्लामिक स्टेट के आत्मघाती बम विस्फोट और यमन के हूती विद्रोहियों जैसे छद्म संगठनों द्वारा युद्ध से जुड़े हमलों के बाद कार्रवाई को लेकर उसे अपने धर्मगुरुओं के दबाव का सामना करना पड़ा है।

ईरानी मीडिया में जारी किए गए फुटेज में रात के दौरान सिमोर्ग रॉकेट का प्रक्षेपण दिख रहा है। फुटेज के विवरण का विश्लेषण से पता चलता है कि प्रक्षेपण ईरान के ग्रामीण सेमनान प्रांत में इमाम 'खुमैनी स्पेसपोर्ट' पर किया गया था। मीडिया ने प्रक्षेपित उपग्रहों का नाम महदा, केहान-2 और हत्फ-1 बताया। बता दें कि महदा एक अनुसंधान उपग्रह है, जबकि केहान और हत्फ क्रमशः वैश्विक स्थिति और संचार पर केंद्रित नैनो उपग्रह हैं। हालांकि अमेरिका ने पहले कहा था कि ईरान के उपग्रह प्रक्षेपण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव की अवहेलना करते हैं और उससे परमाणु हथियार पहुंचाने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइलों से जुड़ी कोई गतिविधि नहीं करने को कहा गया है।

बता दें कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम से संबंधित संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध पिछले अक्टूबर में समाप्त हो गए थे। अमेरिकी खुफिया समुदाय के 2023 के विश्वव्यापी खतरे के आकलन में कहा गया है कि उपग्रह प्रक्षेपण यानों के विकास से ईरान कम समय में अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल विकसित करने में सक्षम हो जाएगा, क्योंकि इसमें समान तकनीक का उपयोग किया जाता है। वहीं अमेरिकी सेना और विदेश मंत्रालय ने इसका तुरंत जवाब नहीं दिया। हालांकि अमेरिकी सेना ने 20 जनवरी को किए गए सफल ईरानी उपग्रह प्रक्षेपण को दबे स्वर में स्वीकार जरूर किया है।

69वें फिल्मफेयर अवॉर्ड में परफॉर्मेंस देंगी जाह्नवी

फिल्मफेयर अवॉर्ड्स के 69वें संस्करण की मेजबानी इस साल गुजरात कर रहा है। गांधी नगर में आयोजित होने बाले इस समारोह को लेकर कलाकारों में भी काफी उत्साह है। जाह्नवी कपूर इस साल फिल्मफेयर में स्टेज पर परफॉर्म करने वाली हैं। समारोह में शामिल होने को लेकर जाह्नवी ने कहा कि इस बार गुजरात में फिल्मफेयर हो रहा है, जिसका सिनेमा और संस्कृति से गहरा नाता रहा है। मैंने पिछले दिनों गुजरात में काफी समय बिताया था। सच कहूं, तो गुजरात मुझे घर जैसा लगता है। इससे बेहतर जगह फिल्मफेयर अवॉर्ड समारोह के लिए इस बार नहीं हो सकती है। यह पहली बार होगा, जब फिल्मफेयर अवॉर्ड दो दिनों तक चलेगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो जाह्नवी जल्द ही फिल्म देवरा पार्ट 1 में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ जूनियर एनटीआर और सैफ अली खान भी लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए जाह्नवी अपना साउथ में डेब्यू करने वाली हैं। कोराताला शिवा के निर्देशन में बनी यह पैन इंडिया फिल्म 4 अप्रैल को हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज होगी। इस फिल्म के अलावा उनके पास फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही भी है। इसमें उनके साथ राजकुमार राव लीड रोल में दिखाई देंगे। ये एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। करण जौहर ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है।

फेमिनिज्म की परिभाषा बदलने की जरूरत

दीपिका पादुकोण की फिल्म फाइटर रिलीज हो गई है। इसमें दीपिका ऋतिक के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आ रही हैं। हाल ही में एक मीडिया बातचीत में दीपिका फेमिनिज्म की परिभाषा पर बात करती नजर आई दीपिका ने कहा, मुझे नहीं लगता कि महिलाएं पुरुषों के बिना सफल हो सकती हैं और पुरुष महिलाओं के बिना। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मुझे लगता है कि हमें नारीवाद की परिभाषा को दोबारा बदलने की जरूरत है। दीपिका ने सामूहिक सफलता के लिए महिला और पुरुषों के आपसी सहयोग की बात कही।

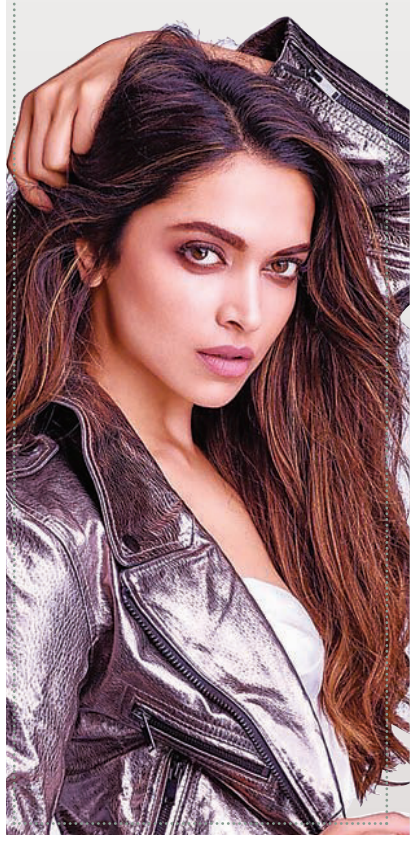

कृति सेनन ने हासिल किया खास मुकाम, अभिनेत्री को मिला यूएई गोल्डन वीजा

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कृति सेनन बॉलीवुड की प्रतिभावान कलाकारों में से एक हैं। अपनी कला के दम पर उन्होंने देश के साथ विदेश में भी जबर्दस्त फैन फॉलोइंग बना रखी है। इस बीच अभिनेत्री के नाम एक बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। हाल ही में उन्हें प्रतिष्ठित यूएई गोल्डन वीजा से सम्मानित किया गया है। इसके बाद वे शाहरुख खान जैसी प्रसिद्ध भारतीय फिल्म हस्तियों की श्रेणी में शामिल हो गई हैं, जिन्हें पहले यह सम्मान मिल चुका है। 2019 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा पेश की गई, गोल्डन वीजा प्रणाली लंबी अवधि के निवास वीजा की सुविधा देती है, जिससे विदेशियों को राष्ट्रीय प्रायोजक की आवश्यकता के बिना और उनके 100 प्रतिशत स्वामित्व के साथ यूएई में रहने, काम करने, व्यापार और अध्ययन करने में सक्षम बनाया जाता है। ईसीएच डिजिटल के सीईओ इकबाल मार्कोनी से कृति सेनन को यह गोल्डन वीजा मिला। अपना आभार व्यक्त करते हुए अभिनेत्री ने कहा, यूएई गोल्डन वीजा प्राप्त करना सम्मान की बात है। दुबई का मेरे दिल में एक विशेष स्थान है और मैं इसके जीवंत सांस्कृतिक परिदृश्य का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हूं। कृति से पहले, शाहरुख खान और उनके परिवार, संजय दत्त, सानिया मिर्जा, बोनी कपूर और उनके बच्चे अर्जुन, जान्हवी, खुशी और अंशुला कपूर, संजय कपूर, वरुण धवन, रणवीर सिंह, कमल हासन, मोहनलाल, ममूटी सहित कई हस्तियों को यह वीजा मिल चुका है। उनके अलावा दुलकर सलमान, मौनी रॉय, उर्वशी रौतेला, सुनील शेट्टी, नेहा कक्कड़, फराह खान, सोनू सूद, टोविनो थॉमस और अमला पॉल को भी इस सम्मान से नवाजा जा चुका है।

बड़े पर्दे पर प्रीति जिंटा की वापसी की तैयारी!

गदर 2 की सफलता के बाद सनी देओल के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। अभिनेता के पास इस समय कई फिल्में हैं, जिसमें वे अपनी अदाकारी का जलवा दिखाते हुए नजर आएंगे। गदर 2 की भारी सफलता के बाद अभिनेता पहले से ही सफर की शूटिंग पूरी करने के करीब हैं। इसके अलावा उनकी फिल्म लाहौर 1947 की सबसे ज्यादा चर्चा है। यह पीरियड फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस द्वारा सह-निर्मित होगी। इसका निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं। फिल्म को लेकर एक ताजा अपडेट आया है। सूत्रों के मुताबिक प्रीति जिंटा संभवत- इस फिल्म से बड़े पर्दे पर अपनी वापसी कर सकती हैं। कहा जा रहा है कि वहां वे लुक टेस्ट के लिए गई थीं। सूत्रों के मुताबिक लाहौर 1947 के लिए अभिनेत्री ने अपना लुक टेस्ट दिया है और संभावना है कि वे सनी देओल के साथ इस फिल्म से वापसी करेंगी। इससे पहले दोनों कलाकार एक साथ हीरो- लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई, फर्ज, भैयाजी सुपरहिट जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके हैं।

रणबीर स्टारर रामायण में विजय सेतुपति की हुई एंट्री

नितेश तिवारी की रामायण की स्टार कास्ट की हर जगह चर्चा हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के सिलसिले में डायरेक्टर ने विजय सेतुपति से मुलाकात की है। उन्होंने विजय को फिल्म में रावण के भाई विभीषण का किरदार ऑफर किया है। इस बारे में डायरेक्टर से जुड़े करीबी सूत्रों ने बताया कि विजय फिल्म की स्क्रिप्ट और नेरेशन से काफी प्रभावित हुए हैं। एक्टर ने फिल्म के लिए अपनी रूचि भी जाहिर की। हालांकि विजय सेतुपति ने अभी फिल्म साइन नहीं की है, लेकिन वो टीम से लॉजिस्टिक्स और फाइनेंस को लेकर बातचीत कर रहे हैं। बता दें, 12 जनवरी को रिलीज हुई फिल्म मैरी क्रिसमस में विजय सेतुपति कटरीना कैफ के साथ दिखे थे। इसके अलावा विजय शाहरुख खान स्टारर जवान में भी नजर आए थे। रामायण की बात करें तो ये फिल्म 2025 में दिवाली के मौके पर रिलीज हो सकती है। इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम और साई पल्लवी सीता के किरदार में नजर आएंगी। रावण के लिए बेशक च्रत्न्न के रॉकी भाई फेम यश के साथ ही मेकर्स आगे बढ़ रहे हैं। हनुमान के लिए सनी देओल को लिया गया है। फिल्म के लीड स्टार्स की शूटिंग मार्च से शुरू की जाएगी।

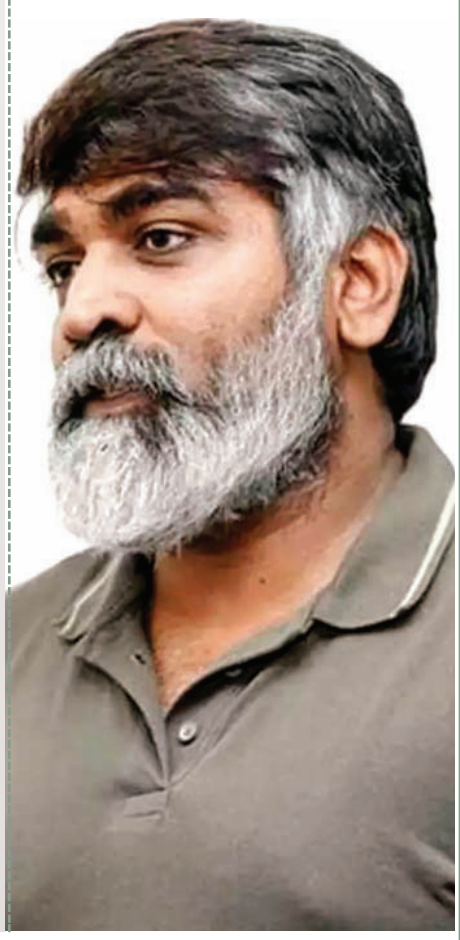

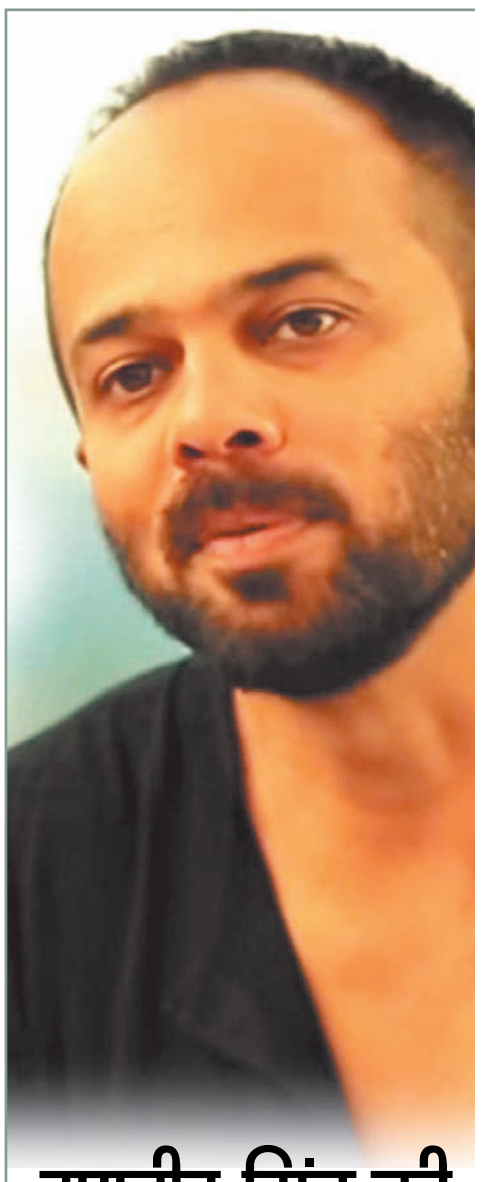

रणवीर सिंह की सर्कस की असफलता पर बोले रोहित शेट्टी

रोहित शेट्टी बॉलीवुड के सबसे सफल और लोकप्रिय निर्देशकों में से एक हैं। रोहित इन दिनों अपनी हालिया रिलीज सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। इस सीरीज को दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। निर्देशक एक के बाद एक ब्लॉकबस्टर फिल्में दे रहे हैं। हालांकि, रणवीर सिंह के साथ उनकी 2022 की कॉमेडी फिल्म सर्कस बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। अब निर्देशक ने इसके पीछे की वजह का भी खुलासा किया है। हाल ही में, सिंघम के निर्देशक ने एक साक्षात्कार में, रणवीर सिंह की सर्कस की विफलता के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह फिल्म कोविड-19 महामारी के दौरान बनाई गई थी। रोहित ने कहा, यह महामारी के दौरान बनाई गई थीं, जब चीजें बदल रही थीं। आज अगर मुझे वो विषय बनाना पड़े तो मैं उसे नहीं छूऊंगा और इस विषय पर फिल्म बनाने से पहले जरूर सोचूंगा।
रोहित ने आगे बताया कि उन्होंने महामारी के दौरान यह फिल्म अपनी टीम को व्यस्त रखने के लिए की। रोहित ने कहा, तो हमें क्या करना चाहिए? कार्यकर्ता घर पर बैठे थे और हमारे पास सबसे लंबे समय तक यह स्क्रिप्ट थी। मैंने सोचा, चलो बना देते हैं। कार्यकर्ता भी व्यस्त रहेंगे और हम भी व्यस्त रहेंगे। यह एक स्टूडियो-आधारित फिल्म थी, जिसमें कोई कार नहीं उड़ रही थी, कोई एक्शन नहीं था, कोई धांसू एंट्री ने करानी नहीं थी। फिल्म सर्कस विलियम शेक्सपियर के नाटक कॉमेडी ऑफ एरर्स पर आधारित है और इसमें रणवीर सिंह, वरुण शर्मा, पूजा हेगड़े और जैकलीन फर्नांडीज मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म कोविड-19 महामारी के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरना पड़ा था।
निर्देशक के वर्क फ्रंट की बात करें तो रोहित ने हाल ही में रिलीज हुई एक्शन कॉप वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स के साथ डिजिटल स्पेस में कदम रखा। शेट्टी ने सीरीज का निर्माण और सह-निर्देशन किया और इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिका में नजर आए हैं। रिलीज होने के बाद से ही सीरीज को अधिकतर सकारात्मक समीक्षाएं मिली हैं।

पुष्पा 2 पहले से बहुत बड़ी फिल्म होगी

रश्मिका मंदाना जल्द ही फिल्म पुष्पा 2 में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अल्लू अर्जुन भी लीड रोल में दिखाई देंगे। अब फिल्म को लेकर उन्होंने कहा... में आपसे वादा कर सकती हूं कि पुष्पा 2 पहले से बहुत बड़ी फिल्म होगी। पुष्पा में हमने कुछ पागलपन दिखाया था। सीक्वल में यह उससे भी ज्यादा होगा। हर कोई अच्छी फिल्म बनाने के लिए समर्पित है। हम सब अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं और इस प्रक्रिया का मजा ले रहे हैं। यह एक ऐसी कहानी है, जो कभी खत्म नहीं होती। आप इसका कुछ भी बना सकते हैं। आप इसे किसी भी दिशा में ले जा सकते हैं। यह बहुत मजेदार है। यह एक खेल की तरह है। गलती करिए और सुधारिए, यह दिलचस्प है। में इसके लिए बहुत उत्साहित हूं, लेकिन में घबराई नहीं हूं। एक कलाकार के तौर पर मैंने पिछले 1-2 साल में बहुत कुछ सीखा है। अब में पहले से बेहतर प्रदर्शन करती हूं इसलिए में उत्साहित हूं। इससे मुझे और मेरी टीम को आत्मविश्वास मिल रहा है। फिल्म पुष्पा 2021 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बनकर उभरी थी और सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्मों में भी शुमार है। 170 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने 300 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार किया था। फिल्म के लिए अल्लू अर्जुन को राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था।

संगीत की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं परिणीति! गायिकी के जुनून को लाइव मंच पर करेंगी पेश

परिणीति चोपड़ा बॉलीवुड इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्रियों में से एक हैं। अभिनेत्री को फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए दर्शकों से सराहना मिली है। परिणीति ने ना केवल अपने अभिनय का प्रदर्शन किया है, बल्कि अपनी फिल्मों में कई गानों को अपनी आवाज देकर अपनी गायन प्रतिभा का भी प्रदर्शन किया है। हाल ही में परिणीति चोपड़ा से जुड़ा एक अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेत्री अपनी सिंगिंग की कला को आगे ले जाने को तैयार हैं।

संगीत की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं परिणीति

परिणीति चोपड़ा संगीत की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री एंटरटेनमेंट कंसल्टेंट एलएलपी के साथ साइन अप करके सिंगिंग के अपने जुनून को एक लाइव मंच पर ले जाने के लिए तैयार हैं। बताया जा रहा है की यह टीएम वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड और टीएम टैलेंट मैनेजमेंट का एक हिस्सा है, जो देश के मशहूर संगीतकारों का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें अरिजीत सिंह, सुनिधि चौहान, बादशाह, अमित त्रिवेदी सहित 25 से अधिक कलाकारों के नाम शामिल हैं।

इन फिल्मों के गानो को दी आवाज

परिणीति चोपड़ा ने वर्ष 2017 में अपनी फिल्म मेरी प्यारी बिंदु के माना के हम यार नहीं गाने को अपनी आवाज दी थी। इसके आलावा अभिनेत्री ने वर्ष 2019 में आई फिल्म केसरी में देशभक्ति गान तेरी मिट्टी गाकर अपनी आवाज का जादू बिखेरा था। वहीं, वर्ष 2021 की फिल्म द गर्ल ऑन द ट्रेन का मतलबी यारियां गाना गाया था। अभिनेत्री ने शादी में अपने पति राघव चड्ढा को ओ पिया डेडिकेट किया था, जिसे सुनकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए थे। परिणीति का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था।

परिणीति का वर्कफ्रंट

परिणीति के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री को आखिरी बार अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर और बोमन ईरानी के साथ फिल्म ऊंचाई में देखा गया था। इसके अलावा मिशन रानीगंज- द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू में परिणीति अभिनेता अक्षय कुमार के साथ नजर आई थी। वहीं, अभिनेत्री की आगामी फिल्म की बात करें, तो वे अमर सिंह चमकीला में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिलजीत दोसांझ नजर आएंगे। यह फिल्म पंजाब के एक मशहूर गायक के जीवन पर आधारित है।